राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जागरण मोर्चा

आम जन का आधार

www.jagranmorchadaily@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष : 04 | अंक : 370 | लखनऊ | बुधवार, 04 मार्च 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य 05 रुपया

अवकाश की सूचना

होली के शुभ अवसर पर प्रेस एवं कार्यालय में दिनांक 4 व 5 मार्च 2026 को अवकाश रहेगा । अतः अगला अंक 7 मार्च 2026 को विधिवत रूप से प्रकाशित किया जाएगा।

प्रबंधक

होली के पावन दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं और सभी पाठको, विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को होली के रंग भरे पावन पर्व की हार्दिक बधाई।

संपादक
योगेश कुमार वर्मा

दुबई से एयर इंडिया की पहली फ्लाइट पहुंची दिल्ली, 149 फंसे हुए यात्री घर लौटे

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में फंसे भारतीयों की मदद के लिए अपनी उड़ानें आंशिक रूप से शुरू कीं है। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया से मंगलवार को स्पेशल ऑपरेशन के तहत दुबई में फंसे 149 यात्रियों को वापस लाया गया है। एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई 916डी) आज सुबह 10:58 बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआईए) पर पहुंची। पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट के दौरान पैसेंजर को वापस लाने के लिए किसी इंडियन एयरलाइन की यह पहली फ्लाइट है, जिसमें 149 यात्री और 8 ऑपरेटिंग क्रू मेंबर सवार हैं।

एनएसडीसी योजना के तहत निजी प्रशिक्षण संस्थानों को सेक्टरवार टारगेट आवंटित

एनएसडीसी योजना के तहत निजी प्रशिक्षण संस्थानों को सेक्टरवार टारगेट आवंटित

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) ने प्रशिक्षण प्रदाताओं (आईटीपीएस) को सेक्टरवार लक्ष्य आवंटित कर दिए हैं। यह कार्रवाई नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) योजना के अंतर्गत की गई है। योगी सरकार की मंशा है कि कौशल विकास कार्यक्रमों को मिशन मोड में संचालित कर युवाओं को उद्योग आधारित रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए। इसी के तहत निदेशालय, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा जारी कार्यालय-ज्ञापन में स्पष्ट किया गया है कि प्रशिक्षण प्रदाताओं को निर्धारित शर्तों और गुणवत्ता मानकों का पूरी तरह पालन करते हुए लक्ष्य पूरा करना होगा। प्रशिक्षण संस्थानों को उनके पूर्व प्रदर्शन और आवेदन के क्रम में लक्ष्य आवंटित किए गए हैं। उदाहरणस्वरूप, वेलस्पन लिविंग लिमिटेड (बरेली) को परिधान क्षेत्र में 200, इमार्टिकस लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड (जालौन) को हेल्थकेयर व परिधान सेक्टर में 100-100 तथा स्किल्ड टेलरिंग इंस्टीट्यूट बाय रेमंड (लखनऊ) को 50 का लक्ष्य आवंटित किया गया है। इससे स्पष्ट है कि योगी सरकार उद्योग की मांग के अनुरूप सेक्टर आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा दे रही है। प्रशिक्षण अवधि अधिकतम 600 घंटे होगी। आवासीय प्रशिक्षण में न्यूनतम 8 घंटे प्रतिदिन प्रशिक्षण संचालित किया जाएगा। प्रशिक्षण शुरू करने से पहले पोर्टल पर सत्यापन अनिवार्य होगा। प्रशिक्षण प्रदाता को सेक्टर स्किल काउंसिल से संबद्ध होकर मानक पाठ्यक्रम के आधार पर प्रशिक्षण देना होगा। मूल्यांकन भी सम्बंधित सेक्टर स्किल काउंसिल के माध्यम से ही कराया जाएगा। यह व्यवस्था प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और परिणाम आधारित मॉनिटरिंग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति एवं सम्बंधित विवरण एनएसडीसी/एसडीएमएस पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज किए जाएंगे। सत्यापन के उपरांत ही अनुदान राशि जारी की जाएगी। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि यदि प्रशिक्षण कार्य में लापरवाही या अनियमितता पाई जाती है, तो सम्बंधित प्रशिक्षण प्रदाता के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश में कौशल विकास को रोजगार सृजन से सीधे जोड़ने की नीति पर योगी सरकार लगातार कार्य कर रही है। उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण, निजी क्षेत्र की भागीदारी और डिजिटल मॉनिटरिंग व्यवस्था के माध्यम से स्किल इकोसिस्टम को सुदृढ़ किया जा रहा है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख है कि निर्धारित लक्ष्य उसी वित्तीय वर्ष में पूर्ण करना होगा। लक्ष्य पूरा न करने की स्थिति में आगामी आवंटन पर प्रभाव पड़ सकता है।

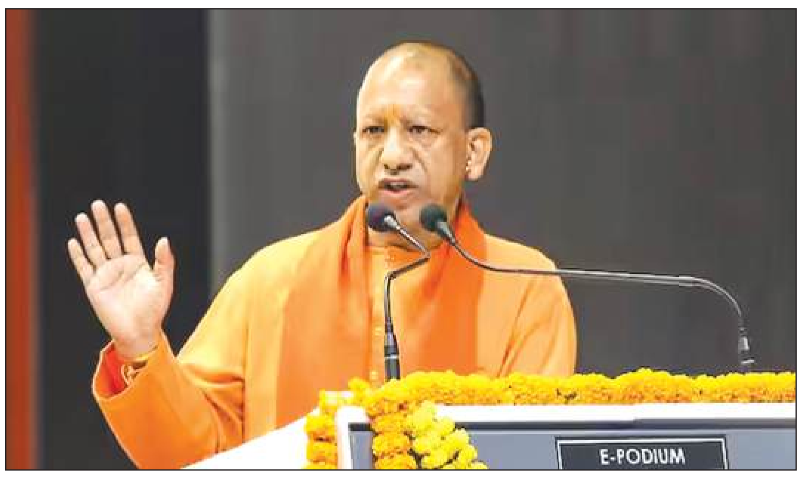

गुणवत्ता, पोर्टल सत्यापन और 600 घंटे की अधिकतम अवधि जैसी अनिवार्य शर्तें लागू

उद्योग की मांग अनुरूप युवाओं को प्रशिक्षित करने में जुटी योगी सरकार, रोजगार के अवसरों में होगी बढ़ोत्तरी

बेंगलुरु में 8,335 एलएसडी स्ट्रिप्स समेत 10 करोड़ की ड्रग्स जब्त, केरल के दो तस्कर गिरफ्तार

बेंगलुरु। शहर में बढ़ती ड्रग्स तस्करी पर शिकंजा कसते हुए बेंगलुरु सिटी पुलिस और सीसीबी नारकोटिक्स विंग ने मंगलवार को संयुक्त कार्रवाई में करीब 10 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं। इस मामले में केरल मूल के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने पत्रकारों को बताया कि बागलूर रोड स्थित प्रेस्टीज फिन्सबरी पार्क अपार्टमेंट के एक फ्लैट पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान एलएसडी, हाइड्रो गांजा और चरस बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अश्विन (27) और मोबिना (25) के रूप में हुई है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि दोनों आरोपित थाईलैंड निवासी विन्सेंट नामक व्यक्ति से हवाई मार्ग के जरिए ड्रग्स मंगवाते थे। इसके बाद वे शहर के विभिन्न इलाकों में इन मादक पदार्थों की सप्लाई करते थे। पुलिस के अनुसार, आरोपितों ने ड्रग्स तस्करी को ही अपना मुख्य व्यवसाय बना लिया था। पुलिस की इस कार्रवाई में पहली बार राज्य में 8,335 एलएसडी स्ट्रिप्स बरामद की गई हैं। प्रत्येक स्ट्रिप की कीमत लगभग 6,000 रुपये आंकी गई है। एलएसडी स्ट्रिप्स पर देवी-देवताओं की तस्वीरों सहित विभिन्न कलात्मक डिजाइनों की छपाई की गई थी, जिससे उन्हें आकर्षक बनाया गया था। इसके अलावा 534 ग्राम चरस और 5 किलोग्राम हाइड्रो गांजा भी जब्त किया गया है।

फोन टैपिंग के आरोपों पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का पलटवार, बोले-'हमारे रिश्ते दूध-शहद जैसे'

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार पर नजर रखने के लिए फोन टैपिंग कराए जाने के विपक्ष के आरोपों पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पलटवार किया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक और केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी की ओर से लगाए गए आरोपों को उन्होंने ल्लचोर की दाढ़ी में तिनकाङ्क कहावत से जोड़ते हुए हताशा भरा बयान बताया।

अपने जारी बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने के बाद से ही उनके और डी.के. शिवकुमार के संबंधों में दरार डालने की लगातार कोशिश की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया, ल्लहम दोनों के संबंध दूध-शहद जैसे हैं। झूठी खबरों से हमारे रिश्ते पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरोप लगाने वाले नेता अपने कार्यकाल में गृह विभाग और खुफिया विभाग संभाल चुके हैं, इसलिए उनके अनुभव के आधार पर ही ऐसे आरोप लगाए जा रहे प्रतीत होते हैं। उन्होंने कहा, ल्लभारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में आंतरिक लोकतंत्र है। यह न तो भारतीय जनता पार्टी की तरह है, जहां प्रधानमंत्री के सामने बोलने में हिचक होती है और न ही जनता दल (सेक्युलर) की तरह, जहां एक परिवार का वर्चस्व है। हमारे विधायक किसी व्यक्ति विशेष के नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी के समर्थक हैं। हाईकमान का निर्णय ही अंतिम होता है। सिद्धारमैया ने आरोप लगाया कि भाजपा और जेडीएस के नेता डी.के. शिवकुमार को अपने पक्ष में करने के लिए साजिशन संबंध खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ल्लशिवकुमार कट्टर कांग्रेसी हैं। झूठे मुकदमों और जेल भेजने की कोशिशों के बावजूद वे पार्टी के प्रति निष्ठावान रहे हैं।

राज्य की राजनीतिक पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ऑपरेशन कमल', रिसॉर्ट राजनीति और सरकारों की अस्थिरता विपक्ष की गलत नीतियों का परिणाम रही है। उन्होंने बताया कि 2004 से 2013 के बीच राज्य में पांच मुख्यमंत्री और 2018 से 2023 के बीच तीन मुख्यमंत्री बदले गए। उन्होंने 2018 में कुमारस्वामी के मुख्यमंत्री रहते आदिचुंचनगिरि के संत के फोन टैपिंग के आरोपों का उल्लेख करते हुए कहा कि जांच एजेंसी सीबीआई ने सात संतों के फोन टैप होने की बात कही थी। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि पुलिस, सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग के दुरुपयोग के आरोप देशभर में लगाए जा रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि उनकी सरकार किसी भी दबाव के आगे झुकेगी नहीं।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष से रचनात्मक भूमिका निभाने की अपील करते हुए कहा कि जनता ने कांग्रेस को पांच वर्ष का जनादेश दिया है। सभी साजिशों के बावजूद सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी और राज्य में कांग्रेस का ही मुख्यमंत्री रहेगा।

प्रधानमंत्री ने ओमान, कुवैत और कतर के नेताओं से की बातचीत, हमलों की निंदा की

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को ओमान, कुवैत और कतर के शीर्ष नेतृत्व से टेलीफोन पर बातचीत कर क्षेत्रीय हालात पर चर्चा की और संबंधित देशों की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की कड़ी निंदा की। प्रधानमंत्री मोदी ने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक से बातचीत के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि उन्होंने पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रम पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने ओमान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की निंदा करते हुए कहा कि क्षेत्र में शीघ्र शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए सतत कूटनीतिक प्रयास आवश्यक हैं। प्रधानमंत्री ने ओमान में रह रहे भारतीय समुदाय को निरंतर समर्थन देने के लिए सुल्तान का आभार भी व्यक्त किया। इसी क्रम में प्रधानमंत्री ने कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से भी फोन पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारत कुवैत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की निंदा करता है और इस कठिन समय में कुवैत की जनता के साथ एकजुटता से खड़ा है। दोनों नेताओं ने संवाद और कूटनीति के माध्यम से क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बहाल करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने कुवैत में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए वहां के नेतृत्व के प्रयासों की सराहना की।

मोदी ने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से भी बातचीत की। उन्होंने कतर की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के किसी भी उल्लंघन की कड़ी निंदा करते हुए कतर के साथ एकजुटता व्यक्त की। दोनों नेताओं ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए संवाद और कूटनीति को जरूरी बताया। प्रधानमंत्री ने कतर में भारतीय समुदाय की देखभाल और समर्थन के लिए आभार भी जताया। उल्लेखनीय है कि पिछले 48 घंटों में प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया के कई नेताओं से बातचीत की है। इनमें संयुक्त अरब अमीरात, इजराइल, सऊदी अरब, जॉर्डन, बहरीन, ओमान, कुवैत और कतर के नेता शामिल हैं। बातचीत के दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति और वहां रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा एवं कल्याण प्रमुख विषय रहे।

वाहन में सवार 35 लोग घायल, पिकअप वाहन साइड से मारी टककर

पटियाली से भोले बाबा का सत्संग सुन कैंटर वाहन से वापस लौटते समय वाहन, पलटा

जागरण मोर्चा कार्यालय

घायलों में मची अफरा तफरी, ग्रामीण एवं पुलिस ने घायलों को वाहन से निकाल कर उपचार हेतु एंबुलेंस से भेजा सामुदायिक स्वास्थ्यकेंद्र

स्वास्थ्य केंद्र पर प्राथमिक उपचार के बाद घायलों की हालत गंभीर होने पर जिला चिकित्सालय किया रेफर

पटियाली से भोले बाबा का सत्संग सुन लौट रहे घायल मार्ग दुर्घटना में भक्त सीएचसी में उपचार कराते हुये सहसवान

सहसवान (बदांयू)। बदायूं - मेरठ राज्य मार्ग पर थाना कोतवाली मुजरिया क्षेत्र में मुजरिया ग्राम के निकट हाईवे मार्ग पर उझानी की ओर से पिकअप नंबर यूपी16ईटी3186 भोले बाबा का सत्संग सुनकर लगभग 35 सत्संगियों महिला पुरुष बच्चों को लेकर जनपद संभल के थाना रजपुरा के ग्राम मैं हुआ को वापस लेकर उनके ग्राम लौट रही थी इसी दौरान पीछे से आ रही कैंटर ट्रक चालक ने(अज्ञात) से ने साइट से ओवरटेक किया कि तेज गति से आ रहा पिकअप चालक अपना आपा खो बैठा पिकअप को पलट दिया । जिसमें बैठी सभी यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख पुकार सुनकर पहुंचे ग्रामीण एवं पुलिस ने सभी घायलों को दुर्घटनाग्रस्त वाहन से निकालकर एंबुलेंस से घायलों को सीएचसी सहसवान उपचार हेतु भेजा है। जिसमें चालक योगेश कुमार पुत्र यादराम निवासी ग्राम मेंहुआ थाना रजपुरा जिला संभल निवासी ने बताया की सभी लोग एक ही गांव के निवासी हैं और पटियाली से सत्संग सुनने के बाद घर वापस लौट रहे थे जो मुजरिया चैराहे ब मुजरिया गांव के मध्य एस एस गर्ल्स इंटर कॉलेज के पास हादसा हुआ था। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहसवान में सभी घायलों का प्रथम उपचार के बाद कई घायलों की हालत नाजुक होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया घटना से सत्संगियों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। घायलों में प्रमुख रूप से विनोद पुत्र डोरी लाल कैसा पत्नी सोरन सिंह कमलेश पत्नी रामपाल शीला पत्नी मुरलीधर तेजपाल पुत्र रामदास रेखा पत्नी तेजपाल ओमवती पत्नी जगपाल कुमकुम पत्नी वीर सिंह पूनम पुत्री सत्यवीर सिंह निशु पुत्री सत्यवीर सिंह रोशनी पुत्री उमेश लगभग तीन दर्जन लोग घायल हुए हैं।

चंद्र ग्रहण के चलते दो दिन हुआ होलिका दहन, होली गीतों पर झूमी महिलाएं

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। चंद्र ग्रहण का असर इस बार होलिका पूजन और दहन पर भी पड़ा है। कुछ जगहों पर सोमवार की बजाय मंगलवार को होलिका पूजन किया गया। महिलाओं ने शहर के कई मोहल्लों में होलिका स्थल पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। परिवार की सुख-समृद्धि व संतान की लंबी आयु की कामना की। रोली, चावल, हल्दी, गुड़, नारियल, सूत की माला के साथ होलिका की परिक्रमा की। रात 12 बजे के बाद कुछ स्थानों पर होलिका दहन भी किया। हालांकि अधिकांश स्थानों पर सोमवार की रात ही होलिका दहन होने की बात कही गई।

होलिका पूजन के समय महिलाओं ने होली के गीत, लोकगीत गाए। एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं। महिलाओं के साथ परिवार के अन्य सदस्य भी पूजा में शामिल हुए। शहर के होली चौराहे पर होलिका को सजाया गया। लकड़ियों पर रंगीन चमकीले झालरें लगाई गईं। यहां तीन बजे ही महिलाएं पहुंचने लगीं। वहीं, शहर के मोहल्ला साहूकारा, वल्लभनगर कॉलोनी, लेखराज चौराहा, गीता मंदिर चौराहा, जाटों का चौराहा, मोती राम चौराहा, चावला चौराहा, खकरा आदि स्थानों पर भी होलिका का पूजन किया गया। शहर और जिले में कई स्थानों पर मंगलवार की रात ही होलिका दहन किया गया।

मंगलवार की रात होलिका दहन करते लोग एंव कुछ लोगों ने मनाई कल होली

इंस्टाग्राम पर हुई मोहब्बत बच्चों की ममता पर पड़ी भारी

- **गैर संप्रदाय के युवक पर फिदा हुई कानपुर की महिला पति को छोड़कर पहुंच गई उसके घर**

जागरण मोर्चा कार्यालय

बिलसंडा। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर हुई मोहब्बत बच्चों की ममता पर भारी पड़ गई। मान मयार्दा एवं पति एवं बच्चों को छोड़कर कानपुर की एक महिला गैर संप्रदाय के युवक के घर आ पहुंची। पति ने आकर बेवफा पत्नी को अपने साथ ले जाने का प्रयास भी किया, लेकिन गैर संप्रदाय बाहुल्य गांव होने की वजह से वह कामयाब नहीं हो पाया। हालांकि उसने प्रधान पति का साथ भी लिया, लेकिन फिर भी असफल ही रहा।

बता दे कि करेली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी गैर संप्रदाय के युवक के घर आई हुई महिला के आए परिजनों के बाद से माहौल तनावपूर्ण है। बताते हैं कि फेसबुक और इंस्टाग्राम पर गांव के एक युवक की कानपुर की महिला से बातचीत होनी शुरू हुई,जो धीरे-धीरे मोहब्बत में तब्दील हो गई। यही वजह रही कि गैर संप्रदाय के युवक पर फिदा हुई महिला अपने दो मासूम बच्चों और पति की परवाह किए बगैर अपने प्रेमी के घर आ गई। बताते हैं कि जानकारी होने के बाद महिला का पति भी आ गया। बताते हैं कि गांव के प्रधान पति को साथ लेकर उसने युवक के घर पहुंच कर महिला को वापस भेजने का प्रयास किया, लेकिन गैर संप्रदाय बाहुल्य गांव होने की वजह से वह असफल रहा। हालांकि वह पड़ोस के गांव में ही शरण लिए हुए हैं। उधर समाचार फाइल किए जाने तक घटना की करेली पुलिस को तहरीर नहीं दी गई है। यह अलग बात है कि गैर संप्रदाय का मामला होने की वजह से तनाव पूर्ण माहौल बना हुआ है। उधर हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकताओं ने भी मामले को लेकर आक्रोश जताते हुए कठोर कार्रवाई की मांग की है।

अमरिया में पुलिस का फ्लैग मार्च, शांति बनाए रखने की की अपील

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। होली पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराये जाने के लिये थाना अध्यक्ष अमित सिंह ने पुलिस बल के साथ कस्बे में फ्लैग मार्च निकाला।

फ्लैग मार्च मुख्य चौराहे, मिश्रित आबादी वाले मोहल्लों तथा प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस बल ने लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया और असामाजिक तत्वों को सख्त चेतावनी दी।

थाना अध्यक्ष अमित सिंह ने क्षेत्रवासियों से आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

उन्होंने बताया कि त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

किशोरी को ले गया अज्ञात, परिजनों ने जताई अनहोनी की आशंका

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। क्षेत्र के एक गांव से 17 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने अज्ञात व्यक्ति पर बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाया है।

थाना क्षेत्र के गांव निवासी पिता ने पुलिस को दी गयी तहरीर में बताया कि बीती 18 फरवरी की सुबह करीब 10 बजे जब वह खेत से काम कर वापस लौटा, तो उसकी पत्नी ने बताया कि उनकी 17 वर्षीय पुत्री घर पर नहीं है। पत्नी कुछ देर पहले ही घर के पास उपले थापकर आई थी। घर में पुत्रों के न होने के कारण किशोरी अकेली थी। परिजनों ने बताया कि उन्होंने आसपास के ग्रामीणों और रिश्तेदारों में काफी खोजबीन की, लेकिन किशोरी का कहीं कोई पता नहीं चला। पीड़ित पिता ने अपनी पुत्री के साथ किसी अनहोनी घटना की आशंका जताते हुए पुलिस से मदद की गुहार लगाई है । पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डा. अमिताँशू ने पहले ही प्रयास में नीट की परीक्षा में पायी सफलता

पीलीभीत। जनपद के एक होनहार छात्र ने नीट पीजी की परीक्षा में प्रथम ही प्रयास में सफलता पायी है। डाक्टर अमिताँशू को इस सफलता के लिए आई सी एम सी शिमला में प्रवेश के लिए चुना गया है। उन्होंने नीट की भी परीक्षा को भी प्रथम प्रयास में ही क्रेक किया था। उन्होंने कानपुर के GSVM कॉलेज से एम. बी. बी. एस. किया है। उनकी इस सफलता पर परिवार में खुशी का माहौल है। उनकी इस सफलता से उनके एवं उनके पिता के मित्रों की भी बधाईयों का ताता लगा है। उनके पिता का शहर के लक्ष्मी टाकीज के सामने परीलोक के नाम से साड़ियों का शोरूम है। उनकी माताजी शहर के जीजीआइसी गर्ल्स इंटर कालेज में अंग्रेजी प्रवक्ता के पद पर कार्यरत हैं।

चार ट्रकों की भिडंत में मजदूर की मौत, पांच घायल

गजरौला/पीलीभीत। थाना क्षेत्र में आज सुबह तड़के एक सड़क हादसा हुआ। पीलीभीत-पूरनपुर नेशनल हाईवे पर चार ट्रक आपस में टकरा गए, जिसमें एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में पांच अन्य लोग घायल हो गए।

मंगलवार सुबह लगभग 4 बजे गजरौला कलां निवासी 45 वर्षीय सोमपाल पुत्र तोताराम मजदूर था। वह भूसे की गाड़ी पर मजदूरी के लिए घर से निकला था। जरा चौकी के पास स्थित पेट्रोल पंप के समीप नेशनल हाईवे पर चार ट्रक अनियंत्रित होकर आपस में टकरा गए। ट्रकों की इस टक्कर में सोमपाल चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। राजेंद्र सहित पांच अन्य लोग इस हादसे में घायल हुए हैं।हादसे की सूचना मिलते ही गजरौला थाना पुलिस और जरा चौकी इंचार्ज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटवाकर यातायात बहाल किया और सोमपाल के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है उसकी मौत से घर में कोहराम मचा है होली की खुशियां मातम में तब्दील हो गई है। गजरौला थानाध्यक्ष ब्रजवीर सिंह ने बताया कि नेशनल हाईवे पर चार ट्रकों की टक्कर हुई है, जिसमें सोमपाल नामक एक व्यक्ति की मौत हो गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है और वाहनों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

रोते बिलखते परिजन

होली पर्व की जनपद वासियों को हार्दिक बधाई
नरेश बिश्वास
ग्राम प्रधान, सह सचिव
ग्राम पंचायत महोफ ब्लॉक
मरौरी पीलीभीत

पारिवारिक विवाद में हुआ खूनी संघर्ष, पत्नी के मायके वालों पर जान से मारने की धमकी का आरोप

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। थाना क्षेत्र के गांव मुडलिया गौसू में पारिवारिक कलह के चलते एक युवक और उसके माता-पिता पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवक की पत्नी ने मामूली कहासुनी के बाद अपने मायके वालों को बुला लिया।जिन्होंने घर में घुसकर लात-घूसों और बेल्ट से जमकर तांडव मचाया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम मुंडलिया गौसू निवासी साजिद पुत्र आशिक नबी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी करीब एक वर्ष पूर्व सितारगंज (उत्तराखंड) निवासी सायवा के साथ हुई थी। आरोप है कि उसकी पत्नी झगड़ालू किस्म की है। बीती 2 मार्च को पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसके बाद सायवा ने अपने मायके फोन कर दिया।

साजिद का आरोप है कि फोन करने के कुछ देर बाद ही सायवा के भाई नाजिम, सोहिल, साहिल और दानिश अपने चार अन्य अज्ञात साथियों के साथ साजिद के घर पर आ गये । इन लोगों ने घर में घुसकर तोड़फोड़ शुरू कर दी। जब साजिद और उसके माता-पिता ने बीच-बचाव किया, तो आरोपियों ने उन्हें भी बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। चीख-पुकार सुनकर पड़ोस के शाहीन, नईम और हनीफ खान मौके पर पहुंचे, जिन्हें देखकर हमलावर भाग निकले। जाते-जाते आरोपी जान से मारने की धमकी दे गए।

घटना के बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर आपबीती सुनाई। पुलिस ने साजिद की शिकायत रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश की जा रही है, और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रंग बरसे पर झूमे भाजपाई...

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। भारतीय जनता पार्टी की नगर टीम की ओर से मंगलवार को शहर के गैस चौराहे पर एक निजी बैंकेट हॉल पर होली का कार्यक्रम रखा गया था। फागुन के रंग में डूबे भाजपाई रंग बरसे भीगे चुनार वाली, आज ब्रज में होली रे रसिया... तमाम गानों पर थिरकते दिखे। भाजपा नगर अध्यक्ष इंद्रेश चौहान की ओर से आयोजित किए गए इस कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष आस्था अग्रवाल की ओर से किया गया। भगवा रंग और मोदी मुखौटा इस कार्यक्रम की शान रहा।

इस दौरान तमाम भाजपा कार्यकताओं के साथ-साथ व्यापारी नेता और आम जनता भी इस होली के उल्लास में डूबे नजर आए। कार्यक्रम के अंत तक मौजूद रहे पालिका अध्यक्ष के पति आशीर्वाद ने जब होली के प्रचलित गानों पर अपना नृत्य दिखाया तो सभी भाजपाई भी उनके साथ नृत्य करते दिखे। इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष इंद्रेश ने सभी को गुलाल लगा कर और मिठाई खिला कर स्वागत किया। कार्यक्रम में वतन दीप मिश्रा, प्रतीक सक्सेना, नितिन सक्सेना, रत्ना शुक्ला, अमन बाल्मीकि, अमरीश शर्मा, सागर देवल आदि मौजूद रहे

होली के गानों पर थिरकते भाजपाई

जिलाधिकारी ने अमृत लाल को किया सम्मानित

समाजसेवी अमृतलाल को सम्मानित करते जिला अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने शहर निवासी अमृत लाल को उनकी टीम सहित सम्मानित किया है। अमृत लाल ने अपने सहयोगिओं के साथ भरत नेपाल मैत्री महोत्सव में अपनी विशेष सेवाएं दी थीं। वह इससे पूर्व में भी जनपद ही नही दूरदराज के विभिन्न रोगों से ग्रसित मरीजों के लिए भी अपनी संस्था के माध्यम स्वास्थ्य लाभ दिलवा चुके हैं। उनकी संस्था प्रत्येक माह स्वास्थ्य शिविर लगवाकर विभिन्न मरीजों को स्वास्थ्य लाभ दिलवा रही है। वह मानव सेवा को ही अपना ध्येय मानते हैं।भारत नेपाल मैत्री महोत्सब में विशेष योगदान देने में उनके साथ विशाल टाकीज के मैनेजर असलम सहित तमाम लोग थे।

दुर्घटना ग्रस्त फोटोग्राफर के इलाज के लिए आगे आया संगठन

दुर्घटना ग्रस्त छायाकार को मदद करते संगठन के कार्यकर्ता

पीलीभीत। विगत सप्ताह भर पहले चोटिल हुए फोटोग्राफर्स एसोसिएशन के सदस्य फ्रीलांसर फोटोग्राफर यशपाल रस्तोगी को इलाज के लिए बरेली रेफर कर दिया गया था। अस्पताल से इलाज करा कर लौटे फोटोग्राफर को फोटोग्राफर्स एसोसिएशन की तरफ से रुपए 11000 का चेक प्रदान किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप थापर ने बताया कि हमने ऐसा संगठन तैयार किया है जो फोटोग्राफर्स के हितों के लिए काम करता है। इस संगठन से जुड़ने वाले प्रत्येक फोटोग्राफर के साथ प्रदेश भर के फोटोग्राफर कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहते हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष दिलीप थापर, सचिव अंशुल गौड़, संगठन मंत्री मनीष भारद्वाज,वरिष्ठ फोटोग्राफर पूरन प्रकाश बुधानी, सक्रिय सदस्य प्रदीप कुमार और चंद्र प्रकाश (अंशुल) मौजूद रहे।

ग्रहण के बाद घरों में हुई पूजा मंदिरों के खुल गये कपाट

ग्रहण के बाद मंदिरों में पूजा अर्चना करते वक्त

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। चंद्र ग्रहण की सूतक और ग्रहण खत्म होते ही लोगों ने घरों में स्नान करके ईश्वर की पूजा अर्चना शुरू कर दी। मंदिरो के भी कपाट खुल गये।दोपहर में ग्रहण लगने के बाद शाम को 6.47 बजे ग्रहण खत्म होते ही लोगों ने घरों में गंगा जल छिड़ककर शुद्ध किया। लोगों ने शहर में स्थित गौरीशंकर मंदिर, गंगा मंदिर, महामातेश्वरीमंदिर, यशवंतरी मंदिर में जाकर भी पूजा की। कुछ लोग तो नियमित मंदिर जाते हैं। शहर के गाँधी स्टेडियम रोड स्थित पंचमुखी बाबा के मंदिर जाकर पूजा की। पंचमुखी बाबा मंदिर के मुख्य श्रीश सक्सेना एडवोकेट ने बताया की आज मंगलबार का दिन होने के कारण श्रद्धाओं की संख्या वैसे ही रहती है। यह सारी श्रद्धालूओं की भीड़ एक साथ उमड़ पड़ी।

पेट दर्द पर झोलाछाप ने कर दिया अंडकोष का ऑपरेशन, तीन महीने बाद मौत

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। झोलाछाप के गलत ऑपरेशन और स्वास्थ्य विभाग की कथित लापरवाही के बीच फंसे युवक अजय ने आखिरकार तीन महीने बाद दम तोड़ दिया। पेट दर्द की शिकायत लेकर गए अजय का अंडकोष का ऑपरेशन कर दिया गया। हालत बिगड़ती रही, परिवार दफ्तरों के चक्कर काटता रहा, मगर कार्रवाई में देरी होती रही। अब मौत के बाद परिजन जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

बारादरी थाना क्षेत्र के डोहरा गौटिया निवासी शिशुपाल के बेटे अजय को 6 दिसंबर को पेट में तेज दर्द की शिकायत हुई। जांच रिपोर्ट लेकर परिवार पीलीभीत बाईपास स्थित प्रथ्वी फार्मा क्लीनिक पहुंचा। वहां जयवीर नामक व्यक्ति ने खुद को

डॉक्टर बताते हुए कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। आरोप है कि उसने पेशाब की जगह में पानी भरने की बात कहकर ऑपरेशन की सलाह दी और करीब 25 हजार रुपये ले लिए। कार्रवाई न होने से नाराज परिजन 4 फरवरी को अजय को ऑटो में लिटाकर सीएमओ कार्यालय पहुंचे। उस दौरान अजय लगातार उल्टियां कर रहा था। परिजनों ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग की मिलीभगत से झोलाछाप खुलेआम क्लीनिक चला रहे हैं और शिकायत के बावजूद मुकदमा दर्ज नहीं कराया जा रहा। हंगामे के बाद सीएमओ की ओर से आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई। हालांकि परिजनों का आरोप है कि यदि पहले सख्त कार्रवाई होती तो आज यह नौबत नहीं आती।

तीन महीने तक जूझने के बाद मौत

लगातार बिगड़ती तबीयत के बीच अजय जिंदगी की जंग लड़ता रहा। उपचार के बावजूद वह ठीक नहीं हो सका और मंगलवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पहले से दर्ज मुकदमे में लापरवाही से मौत की धारा बढ़ा दी है। परिवार में मातम पसरा है। परिजन स्वास्थ्य विभाग और आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

होली से पहले सड़कों पर योगी सरकार की सौगात

71 मार्गों को 1272.62 लाख जारी

फरीदपुर से सिरौली तक नवीनीकरण, 30 अप्रैल तक देना होगा उपयोगिता प्रमाणपत्र

- होली के बाद बरेली की जनता को समर्पित करें सभी सड़कें

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। योगी सरकार ने होली पर बरेली की जनता को बड़ी सौगात दी है। राज्य सड़क निधि से 71 सड़कों के निर्माण व मरम्मत कार्य के लिए 1272.62 लाख रुपये (करीब 12 करोड़ रुपये) जारी कर दिए हैं। निर्देश दिया गया है कि सभी कार्य 31 मार्च तक पूर्ण कर 30 अप्रैल तक उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को भेजा जाए।

फरीदपुर-बीसलपुर से रम्पुरा-सिरौली तक कार्य

फरीदपुर-बीसलपुर मार्ग के किमी तीन से 21 तक सामान्य मरम्मत व नवीनीकरण के लिए 72 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। रम्पुरा-अलीगंज-सिरौली मार्ग के किमी 15 से 41 तक नवीनीकरण के लिए 211.55 लाख रुपये की बड़ी धनराशि जारी की गई है।

टांडा से मुशराह मार्ग पर क्षतिग्रस्त ह्यूम पाइप पुलिया के स्थान पर आरसीसी पुलिया निर्माण को 3.32 लाख रुपये, टांडा-पड़वा-देवपुर आबादी भाग के निर्माण को आठ लाख रुपये दिए गए हैं।

सुरक्षा दीवार और संपर्क मार्गों पर जोर

आंवला वजीरगंज मार्ग पर कथरी स्थित महाराज के बाग के पास से मनौना तक सुरक्षा दीवार निर्माण को पांच लाख रुपये स्वीकृत हैं। बरेली-बदायूं मार्ग से वाहनपुर मार्ग के किमी एक में सुरक्षा दीवार के लिए 6.50 लाख रुपये जारी हुए हैं। परीथी-खंजनपुर-रम्तुल्लापुर संपर्क मार्ग, विशारतगंज रेलवे स्टेशन पोषक मार्ग सहित कई ग्रामीण संपर्क मार्गों पर मरम्मत और सुधार कार्य के लिए अलग-अलग मदों में धनराशि स्वीकृत की गई है।

रपटा पुल और ग्रामीण मार्गों को भी राहत

सिरौली-व्योधनखुर्द-अरिल नदी रपटा मार्ग के लिए 7.50 लाख रुपये, शाहपुर बनियान-सलेमपुर मार्ग के लिए 33.67 लाख रुपये, रम्पुरा-अलीगंज-सिरौली मार्ग को 28.25 लाख रुपये, रामनगर-टांडा से केसरपुर मार्ग को 9.25 लाख रुपये जारी किए गए हैं।

बरेली-बीसलपुर से सुन्नौरा मुरारपुर मार्ग, उगरौली-बरगांवा, नगरिया सादात-सिल्लापुर, मल्हपुर-मेहतरपुर, देवचरा-बल्लिया-रामपुर कांकर मार्ग समेत कई सड़कों पर मरम्मत व सुधार कार्य को मंजूरी मिली है।

31 मार्च तक लक्ष्य, 30 अप्रैल तक रिपोर्ट

शासन ने स्पष्ट किया है कि सभी निर्माण व मरम्मत कार्य 31 मार्च तक पूर्ण कर लिए जाएं। इसके बाद 30 अप्रैल तक उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को भेजना अनिवार्य होगा। जिले में लंबे समय से जर्जर सड़कों को लेकर उठ रही शिकायतों के बीच यह धनराशि विकास कार्यों को गति देगी। यदि समयसीमा में काम पूरा हुआ तो गर्मी से पहले लोगों को बेहतर सड़कों की सुविधा मिल सकेगी।

ढोल-नगाड़ों की गूंज में निकली प्राचीन नरसिंह भगवान की भव्य शोभायात्रा

- रास्ते भर पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। आस्था, उल्लास और परंपरा का अद्भुत संगम मंगलवार को चाहबाई क्षेत्र में देखने को मिला, जब प्राचीन श्री नरसिंह भगवान की भव्य शोभायात्रा पूरे धार्मिक जोश के साथ निकाली गई। भगवा ध्वज दिखाकर यात्रा का शुभारंभ किया गया। पूजन-अर्चन के बाद जैसे ही शोभायात्रा आगे बढ़ी, ढोल-नगाड़ों की गूंज से पूरा इलाका भक्तिमय हो उठा।

शोभायात्रा श्री चित्रगुप्त मंदिर, चाहवाई से शुरू होकर बानखाना, घोसियान मस्जिद, श्री गौरी शंकर मंदिर गुलाब नगर, बजरिया, श्री अग्रसेन विद्यालय, अलका होटल, दयानंद चौक, नॉवल्टी रोड, पुराना रोडवेज, श्री काली मंदिर श्यामगंज, गोपीनाथ, मठ की चौकी, शिवाजी मार्ग और महादेव सेतु होते हुए पुनः आरंभ स्थल चाहबाई पहुंची, जहां यात्रा का विश्राम हुआ। रास्ते भर क्षेत्रवासियों ने पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत किया और श्रद्धा भाव से आरती उतारी। श्रद्धालुओं की भीड़ यात्रा के साथ कदमताल करती रही।

कालीबाड़ी में दिखा जोश, युवाओं की मोर्चाबंदी

नॉवल्टी रोड के बाद कालीबाड़ी क्षेत्र में भक्तों का जोश देखते ही बना। यहां युवाओं ने पारंपरिक ढंग से मोर्चाबंदी कर यात्रा का स्वागत किया। जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा और श्रद्धालु देर तक धार्मिक उत्साह में सराबोर रहे।

आयोजन में ये रहे प्रमुख रूप से मौजूद

शोभायात्रा में अध्यक्ष पंडित विजय मन्नू महाराज, अनुराग अग्रवाल, नीरू भारद्वाज, राहुल ठाकुर, गोविंद पटवा, मनीष पाठक, हनी शुक्ला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। आयोजकों ने सभी भक्तों का आभार जताया और परंपरा को इसी भव्यता के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस तरह शहर में एक बार फिर आस्था और सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली।

भारतीय हस्तकला उत्सव का समापन, 17.65 लाख की बिक्री

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। बरेली छावनी में सात दिनों तक सजे 'भारतीय हस्तकला उत्सव' का मंगलवार को रंगारंग माहौल में समापन हो गया। देश के अलग-अलग हिस्सों से आए कारीगरों ने अपने हुनर का ऐसा रंग बिखेरा कि मेले में खरीददारों की भीड़ उमड़ती रही। आयोजन के दौरान कुल ?17,65,000 की बिक्री दर्ज की गई, जिससे कारीगरों के चेहरे खिल उठे।

उत्सव में हस्तकरघा वस्त्र, लकड़ी की नक्काशीदार कलाकृतियां, सजावटी सामान, पारंपरिक परिधान और हस्तनिर्मित उत्पादों की भरमार रही। खासतौर पर महिलाओं और युवाओं ने स्टॉलों पर जमकर खरीदारी की। शाम के समय परिवारों की भारी भीड़ के कारण पूरा परिसर मेले में तब्दील नजर आया।

कारीगरों का कहना था कि बरेली के लोगों ने न केवल उत्पादों की सराहना की, बल्कि खुले दिल से खरीदारी कर उनका हौसला भी बढ़ाया। कई स्टॉल संचालकों के अनुसार उन्हें उम्मीद से बेहतर

कारोबार मिला, जिससे स्थानीय हस्तशिल्प को नई ताकत मिली है। इस आयोजन का नेतृत्व डॉ. तनु जैन, सीईओ, बरेली कैंटोनमेंट बोर्ड ने किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से कारीगरों को सीधा बाजार मिलता है और भारतीय संस्कृति को नई पहचान मिलती है। उन्होंने आगंतुकों और प्रतिभागियों का आभार जताते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने की बात कही।

'वोकल फॉर लोकल' की भावना से जुड़े इस उत्सव ने यह साबित कर दिया कि हस्तनिर्मित उत्पादों के प्रति लोगों का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। बरेली छावनी बोर्ड ने संकेत दिए हैं कि आगे भी सांस्कृतिक और आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रमों का सिलसिला जारी रहेगा।

मजाक का विरोध करने पर चालक पर जानलेवा हमला

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली/बहेड़ी। गाड़ी मालिक से कथित तौर पर गंदी मजाक करने से मना करना चालक को भारी पड़ गया। विरोध करने पर कुछ लोगों ने चालक को घेरकर उसके सिर में कांटा मार दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित ने मामले की तहरीर पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम बंजरिया निवासी रियाज पुत्र नसीर अहमद ने बताया कि वह गोविंद की गाड़ी पर चालक है। आरोप है कि हसन और उसका भाई मोहम्मद अली पुत्रगण शाहीन खान, निवासी रेलवे स्टेशन किच्छा, उसके गाड़ी मालिक को अक्सर परेशान करते थे और गंदी मजाक किया करते थे। जब रियाज ने दोनों को इस

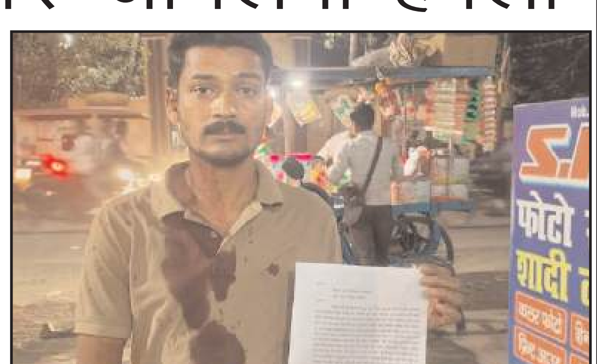

हरकत से बाज आने की नसीहत दी तो उन्होंने उसे धमकाया।

पीड़ित के अनुसार सोमवार शाम करीब छह बजे मोहम्मदपुर भट्टी के पास दोनों भाइयों ने उसे घेर लिया। कहासुनी के बाद आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया और सिर में कांता मार दिया। हमले में रियाज घायल हो गया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े, तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। घायल चालक ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नियमित ट्रेनें फुल, विशेष में सीटें खाली

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। होली के त्योहार पर घर पहुंचने की होड़ के बीच बरेली होकर गुजरने वाली नियमित ट्रेनें ठसाठस भरी हुई हैं। पूर्वांचल, बिहार और बंगाल की ओर जाने वाली गाड़ियों में कंफर्म टिकट मिलना लगभग नामुमकिन हो गया है। नो रूम की स्थिति के कारण कई ट्रेनों में बुकिंग तक बंद कर दी गई है।

रेलवे इस बार पिछले साल की तुलना में अधिक विशेष ट्रेनों का संचालन कर रहा है। इसके बावजूद इन गाड़ियों में अपेक्षाकृत सीटें खाली हैं। किराया ज्यादा होने और विशेष ट्रेनों के अक्सर देरी से चलने की आशंका के चलते यात्री मजबूरी में ही इनका रुख कर रहे हैं। हालांकि नियमित ट्रेनों में टिकट न मिलने पर अब लोग विशेष गाड़ियों में बुकिंग कराने लगे हैं।

किराया और समय बना बड़ा फैक्टर

नियमित ट्रेनों के मुकाबले विशेष गाड़ियों में किराया अधिक है। इसके साथ ही इन ट्रेनों की लेटलतीफी को लेकर यात्रियों में संशय बना रहता है। यही कारण है कि सीटें उपलब्ध होने के बावजूद कई लोग इंतजार की राह देख रहे हैं। होली से ठीक पहले कुछ विशेष ट्रेनों में भी सीटें फुल हो चुकी हैं।

होली से पहले बढ़ेगी मारामारी

त्योहार नजदीक आते ही यात्रियों की संख्या और बढ़ने की संभावना है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त कोच भी लगाए जा सकते हैं। वहीं यात्रियों से अपील की गई है कि वे समय रहते टिकट बुक करा लें और अधिकृत माध्यम से ही यात्रा करें।

फिलहाल स्थिति यह है कि नियमित ट्रेनों में सीट मिलना मुश्किल है और विशेष गाड़ियों में सीटें होते हुए भी यात्री सोच-समझकर फैसला कर रहे हैं। होली पर घर पहुंचने की चाह में रेलवे स्टेशन पर भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है।

इन विशेष ट्रेनों में सीटें उपलब्ध

रेलवे ने मंगलवार को जिन ट्रेनों में सीटें खाली होने की जानकारी दी, उनमें प्रमुख रूप से 05301 मऊ-अंबाला विशेषः 5 मार्च को एसी द्वितीय श्रेणी में 60, एसी तृतीय में 130 सीटें खाली। 05005 बढ़नी-अमृतसर विशेषः 4 मार्च को स्लीपर में 445 और 11 मार्च को 374 सीटें खाली। 05023 गोमतीनगर-खातीपुरा विशेषः 10 मार्च को एसी द्वितीय में 22, एसी तृतीय में 71 व स्लीपर में 419 सीटें खाली। 05060 लालकुआं-कोलकाता विशेषः 5 मार्च को एसी द्वितीय में 55 तथा एसी तृतीय इकोनॉमी में 164 बर्थ उपलब्ध। 04513 गोरखपुर-चंडीगढ़ विशेषः 6 मार्च को एसी द्वितीय में 46 और एसी तृतीय में 22 सीटें खाली। 05045 लालकुआं-राजकोट विशेषः 15 मार्च को स्लीपर में 371 और 22 मार्च को 462 सीटें उपलब्ध।

दिल्ली-लखनऊ रूट पर बसों की फूली सांस

- होली पर घर पहुंचने की होड़ में बढ़ा दबाव

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। कल रामबरात की वजह से चार घंटे ठहर गई बसों की रफ्तार आज भले सामान्य हो गई हो, लेकिन होली की घर वापसी ने दोनों बस अड्डों की तस्वीर बदल दी है। पुराना बस अड्डा हो या सेटेलाइट, हर ओर सिर्फ बैग पकड़े, टिकट तलाशते और खिड़की से झांकते यात्रियों की कतारें नजर आ रही हैं।

सुबह छह बजे से ही बस अड्डों पर हलचल बढ़ने लगी थी। कोई

दिल्ली जाने को बेचैन है, तो कोई लखनऊ की बस में जगह तलाश रहा है। आगरा और हल्द्वानी रूट पर भीड़ इतनी है कि कई यात्रियों को खड़े होकर सफर की तैयारी करनी पड़ रही है।

होली पर हर कोई अपने घर पहुंचना चाहता है। ऐसे में सीट मिले या न मिले, बस मिलनी जरूरी है। दिल्ली और लखनऊ रूट पर सबसे ज्यादा दबाव है। परिवहन निगम ने अतिरिक्त फेरे बढ़ाए हैं, लेकिन यात्रियों की संख्या उससे कहीं ज्यादा नजर आ रही है। कल की बंदी के बाद आज प्रशासन अलर्ट मोड में है। अधिकारियों की टीमें दोनों बस अड्डों पर नजर बनाए हुए हैं। पुलिस और ट्रैफिक कर्मी भीड़ को संभालने में जुटे हैं, ताकि कोई अव्यवस्था न फैले।

रास्ते में रुक-रुक कर सफर

आगरा रूट पर सड़क चौड़ीकरण और बदायूं मार्ग पर डायवर्जन ने बसों की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। कई बसें निर्धारित समय से देर से पहुंच रही हैं। इसके बावजूद यात्रियों का उत्साह कम नहीं हुआ है। बस अड्डों पर इंतजार करती आंखों में बस एक ही उम्मीद है, समय पर घर पहुंचने की। त्योहार के दबाव को देखते हुए परिवहन निगम ने दोनों बस अड्डों के हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं, ताकि यात्री बसों की जानकारी ले सकें। सेटेलाइट बस अड्डा 6389149100 और पुराना बस अड्डा 6389149018 के ये नंबर जारी किया है।

खेत में फंदे से लटका मिला युवक का शव

- प्रेमिका ने दो दिन पहले खाया था जहर

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। प्रेम संबंध के विवाद ने दो जिंदगियों को तबाह कर दिया। भमोरा क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार सुबह खेत में पेड़ पर रस्सी से फंदा लगाकर युवक ने आत्मघाती कदम उठा लिया। उसकी मौत हो गई, जबकि दो दिन पहले जहर खाने वाली उसकी प्रेमिका निजी अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है।

सुबह ग्रामीणों ने खेत में पेड़ से लटकता युवक का शव देखा तो सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस

मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान कृष्णपाल के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों के अनुसार, पड़ोसी गांव की युवती ने दो दिन पहले कथित तौर पर जहर खा लिया था। उसे गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि दोनों एक ही बिरादरी के थे और एक-दूसरे से प्रेम करते थे। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन किन परिस्थितियों में मामला आत्महत्या तक पहुंचा, इस पर परिवार के लोग कुछ भी स्पष्ट नहीं कर रहे हैं। गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं, मगर आधिकारिक तौर पर कोई कारण सामने नहीं आया है। थाना प्रभारी सनी चौधरी ने बताया कि मामला प्रथम दृष्टया प्रेम संबंध से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और युवती के बयान के बाद स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। गांव में इस घटना के बाद मातम पसरा है। दो परिवार गहरे सदमे में हैं, जबकि पूरे क्षेत्र में घटना को लेकर चर्चा का माहौल है।

युवक ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

- जानकारी मिलने के बाद परिजनों में मचा कोहराम

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहबाद। मंगलवार को तहसील क्षेत्र के पट्टी फाजिलाबाद गांव में 25 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना से गांव में शोक का माहौल है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। उसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक का फाइल फोटो

मिली जानकारी के अनुसार पट्टी फाजिलाबाद निवासी सोनू ने अपने घर के कमरे संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा ली। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर सैफनी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।मृतक अपने पीछे दो छोटे बच्चे छोड़ गया है, जिससे परिवार की स्थिति दुखद बनी हुई है। पुलिस इस मामले की गहनता से जांच कर रही है। सैफनी थाना प्रभारी अजय कुमार मिश्रा ने बताया,अभी आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चला है। हर पहलू पर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कुछ स्पष्ट हो पाएगा।

युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। होली की खुशियां मातम में बदल गई। युवक के मरने की जानकारी मिलने के बाद मृतक के घर पर रिश्तेदारों का तांता लगा रहा। युवक का शव घर आने का परिजन इंतजार करते रहे।आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चला है।हांलाकि पुलिस हर पहलू पर गंभीरता के साथ जांच करने की बात कह रही है।

आठ मार्च को होगा होली मिलन कार्यक्रम

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। मंगलवार को प्रिंस पार्क पुरानी आवास विकास कॉलोनी में गो सेवा गोपाल सेवा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में होली खेलने के दौरान रंगों से सावधानी तथा प्राकृतिक रंगों का प्रयोग कैसे किया जाए, एवं फूलों से रंग कैसे बनाया जाए यह बताया गया। समिति अध्यक्ष संदेश अग्रवाल ने कहा कि आठ मार्च रविवार को प्रिंस पार्क में होली मिलन समारोह आयोजित किया है। जिसमें समिति में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया जाएगा इस अवसर पर नरेश शर्मा, रामकिशोर शर्मा, सर्वेश अग्रवाल, मीना अग्रवाल, मधु बंसल,शैलेंद्र बंसल, महंत राजेश कुमार,सारिका गोयल, चितरंजन श्रीवास्तव,जीके श्रीवास्तव, तथा एडवोकेट विनोद कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

शहरवासियों को नहीं होगी पानी की किल्लत

- तीन बार होगी वाटर सप्लाई, होली पर रंगों और पानी से जमकर खेलिए

जागरण मोर्चा कार्यालय

मसवासी। होली पर्व पर शहरवासियों को पानी की किल्लत नहीं होगी। इसके लिए नगर पालिका ने विशेष व्यवस्था की है। होली के दिन पानी की सप्लाई तीन बार की जाएगी। आमतौर पर सुबह और शाम पानी दिया जाता है, लेकिन इस बार सुबह-दोपहर और शाम की भी व्यवस्था की है।

ईओ दुर्गेश्वर त्रिपाठी ने रमजान-होली को लेकर पालिका के अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देशित किया था कि दोनों पर्वों पर लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। इसी के चलते जलकल विभाग ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में खराब नलकूप, मोटर, वॉल्व को सही कराया है। ओवरहेड टैंकों पर डयूटी पर तैनात कर्मचारियों से कहा कि पानी की सप्लाई को एकदम चालू रखा जाए। गली-मोहल्लों में लीकेज लाइनें ठीक कराया गया है। ईओ ने बताया कि होली के त्योहार पर 24 घंटे कंट्रोल रूम संचालित रहेगा। आठ-आठ घंटे की अलग-अलग कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। होली पर सुबह, दोपहर और शाम तीन बार पानी की आपूर्ति कराई जाएगी। यदि कहीं पानी की समस्या रहेगी, तो टैंकरों से आपूर्ति कराई जाएगी। मालूम हो कि शहर में 27 ओवरहेड टैंक, 54 नलकूप है।

दो बाइकों की टक्कर में एक युवक की मौत, एक घायल

नहटौर। होली पर्व से ठीक पहले लिंक रोड पर मंगलवार की शाम दो बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया तथा त्यौहार की खुशियां मातम में बदल गईं।

जानकारी के अनुसार गांव बल्लाशेरपुर निवासी अभिषेक कुमार 20 वर्ष पुत्र मंटू सिंह नजदीकी गांव बढियोवाला से लौट रहे थे। इसी दौरान गांव निवासी राजपाल सिंह 50 वर्ष पुत्र परवीन सिंह बढियोवाला की ओर जा रहे थे। लिंक रोड पर दोनों की बाइक आमने-सामने टकरा गईं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल युवक को परिजन तत्काल सीएचसी ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरे घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

मारपीट के मामले में तीन पर केस दर्ज

शाहबाद। थाना क्षेत्र में पेड़ उखाड़ने से रोकने पर एक महिला समेत तीन लोगों को लाठी-डंडों और लात-घूंसों से पीटा गया। घटना बीती एक मार्च को बरखेड़ा गांव में हुई। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।पीड़िता रेखा ने अपनी शिकायत में बताया कि यशपाल पुत्र रतनलाल और अतरकली पत्नी रतनलाल उनके खेत पर लगे एक माह पुराने पेड़ उखाड़ रहे थे। जब रेखा की मां श्यामवती ने उन्हें ऐसा करने से रोका, तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। गाली देने का विरोध करने पर यशपाल, अतरकली और श्रीनिवास पुत्र रतनलाल ने रेखा, उनकी मां श्यामवती और शीला पर लाठी-डंडे और लात-घूंसों से हमला कर दिया। आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी।मारपीट के दौरान रेखा के सोने के कुंडल गिर गए। रेखा ने शाहबाद थाने पहुंचकर घटना की जानकारी दी और कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

निलंबित रेंजर ने डीएफओ पर लगाए करोड़ों की वसूली के आरोप

- टीम ने पांच आरोपियों को अपने साथ बैठाकर फोटो भी खिंचवाई

जागरण मोर्चा कार्यालय

मसवासी। खैर लकड़ी तस्करी प्रकरण अब वन विभाग के भीतर खुली जंग में बदलता दिख रहा है। पंजाब में पकड़े गए तस्करों में से दो मुख्य आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए बिना छोड़ने के आरोप में निलंबित हुए वन रेंजर ने अब डीएफओ पर ही गंभीर आरोप जड़ दिए हैं।

उनका दावा है कि पंजाब में छोड़े गए 12 आरोपियों से पांच-पांच लाख रुपये वसूले गए। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास छोड़े गए लोगों के बयान दर्ज हैं।।पूरा मामला 17 फरवरी का है, जब वन विभाग की टीम ने पंजाब में छापेमारी कर खैर की लकड़ी से भरा गोदाम पकड़ा था। बताया कि यह लकड़ी पीपली वन क्षेत्र से चोरी कर ले जाई गई थी। डीएफओ प्रणव जैन स्वयं टीम के साथ ट्रक का पीछा करते हुए पंजाब पहुंचे थे। गोदाम से भारी मात्रा में खैर की लकड़ी बरामद की गई और मौके पर मौजूद 18 लोगों को हिरासत में लिया था। इसके बाद घटनाक्रम ने मोड़ लिया। टीम ने नेपाल, जम्मू कश्मीर और अन्य राज्यों से जुड़े बताए जा रहे 11 लोगों को तस्करी में सक्रिय भूमिका न मिलने का हवाला देकर वहीं के परिचितों की सुपुर्दगी में छोड़ दिया। ठेकेदार रोपण निवासी राकेश, गदरपुर निवासी सोहन, बाजपुर निवासी राशिद अली, अब्दुल्ला नगर निवासी नवीजान समेत एक अन्य नेपाली नागरिक को हिरासत में लिया गया। दो आरोपित इस्माइल और आसिम को फरार बताया गया। टीम ने पांच आरोपियों को अपने साथ बैठाकर फोटो भी खिंचवाई। बाद में एक नेपाली बताए जा रहे पांचवें व्यक्ति को भी छोड़ दिया। चार आरोपियों को रामपुर लाया गया। यहां डीएफओ के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज कराने और आरोपियों को पुलिस के हवाले करने की प्रक्रिया शुरू हुई।विवाद तब गहराया जब आरोप लगा कि मुख्य आरोपी राकेश और सोहन का नाम तहरीर से हटाकर अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। इस घटनाक्रम के बाद डीएफओ ने रेंजर विजय सिंह की भूमिका संदिग्ध बताते हुए उन्हें निलंबित कर दिया। डीएफओ प्रणव जैन ने सभी आरोपों को निराधार बताया है। उनका कहना है कि जिन लोगों की तस्करी में सक्रिय संलिप्तता नहीं पाई गई, उन्हें टीम के सामूहिक निर्णय से छोड़ा गया। उन्होंने तर्क दिया कि यदि किसी तरह का लेनदेन करना होता तो ठेकेदार को नहीं छोड़ा जाता। उनका उद्देश्य मुख्य सरगना राकेश को जेल भेजकर पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करना था, लेकिन रेंजर ने बिना जानकारी दिए उसे छोड़ दिया। उधर निलंबित रेंजर विजय सिंह अपने निलंबन को गलत बताते हुए उच्च न्यायालय की शरण लेने की तैयारी में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन 12 लोगों को पंजाब में छोड़ा गया, उनसे पांच-पांच लाख रुपये वसूले गए। मामला अब उच्च स्तर तक पहुंच गया है और विभागीय हल्कों में खलबली मची हुई है। इसी बीच सलारपुर रेंज का कार्यभार रामपुर में तैनात वन रेंजर शिव शंकर यादव को सौंप दिया गया है, जो पंजाब में की गई कार्रवाई वाली टीम का हिस्सा भी थे।

खैर तस्करी कांड अब सिर्फ वन अपराध का मामला नहीं रह गया है, बल्कि विभागीय पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी बड़े सवाल खड़े कर रहा है। जांच के नतीजों पर सबकी नजर टिकी है।

एसपी से मिलकर कार्रवाई की मांग

जागरण मोर्चा कार्यालय

टांडा। कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना देकर बताया कि उसके गांव के एक दम्पति द्वारा लोगों के खिलाफ झूठे अनैतिक मुकदमे दर्ज कराकर अनुचित लाभ प्राप्त करने का धंधा किया जा रहा है। जिससे लोगों में भय का माहौल है। पीड़ित ने बताया कि उसके भाई के खिलाफ भी ऐसा ही झूठा मुकदमा लिखाने का प्रयास किया जा रहा है।पीड़ित ने एसपी से दम्पत्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराकर जांच एवं आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।कोतवाली पुलिस ने एसपी के आदेश पर दम्पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उसके गांव निवासी एक दम्पति द्वारा लोगों के खिलाफ गम्भीर एवं अनैतिक झूठे मुकदमें लिखवाकर रंगदारी वसूलने का धंधा किया जा रहा है।उसने बताया कि उसके भाई सरफराज व रिश्तेदार निजाम के विरूद्ध धारा 173(4) के तहत न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर झूठा मुकदमा लिखवाने का प्रयास किया गया।जिसे न्यायालय द्वारा निरस्त कर दिया गया।पीड़ित ने बताया कि उक्त दम्पति द्वारा पूर्व में गांव के कई लोगों के खिलाफ ऐसे ही झूठे एवं मनगढ़ंत मुकदमे दर्ज कराए जा चुके हैं।जोकि जांच में फर्जी साबित हुए।मई मामलों में रुपये लेकर समझौता कर लिया गया है। उक्त दम्पति के इस कृत्य से गांव वाले बेहद परेशान एवं भयभीत हैं। कोतवाली पुलिस ने एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गोसेवा गोपाल सेवा समिति ने वृद्धाश्रम में हर्षोल्लास के साथ मनाई होली

रामपुर। गोसेवा गोपाल सेवा समिति के पदाधिकारियों द्वारा वृद्धाश्रम पहुंचकर वहां रह रहे बुजुर्गों के साथ होली का पावन पर्व बड़े ही उत्साह और प्रेम के साथ मनाया गया। समिति के सदस्यों ने सभी वृद्धजनों को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं तथा गुजिया और समोसे वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान होली के गीतों से पूरा वातावरण आनंदमय हो गया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष संदेश अग्रवाल ने कहा कि होली केवल रंगों का ही नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सद्भाव और सम्मान का त्योहार है। वृद्धाश्रम आकर अपने बुजुर्गों के साथ यह पर्व मनाना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि समाज को समय-समय पर ऐसे स्थानों पर आकर बुजुर्गों के साथ समय बिताना चाहिए, ताकि उन्हें अपनापन और सम्मान का अनुभव हो सके।कार्यक्रम में जीके श्रीवास्तव, सारिका गोयल, रीतिका अग्रवाल, मनन अग्रवाल, विनोद श्रीवास्तव (एडवोकेट), माधुरी, राजधानी शर्मा, रामकिशोर शर्मा एवं राजरानी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट न डालें: कोतवाल प्रदीप कुमार

शाहबाद। मंगलवार को शाहबाद कोतवाली प्रभारी प्रदीप कुमार ने आगामी त्यौहार होली को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता की। इस दौरान मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कोतवाल प्रदीप कुमार ने लोगो से अनुरोध किया कि सोशल मीडिया पर कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट न डालें। साथ ही सौहार्द के साथ त्यौहार मनाएं। अफवाहों से बचें। क्षेत्र में अफवाह फैलाने वालों के बारे में पुलिस को तत्काल सूचना दें। युवाओं से बाइक पर ट्रिपल राइडिंग न करने की नसीहत दी। वही त्यौहार पर शराब के सेवन से दूर रहकर खुशी के साथ अपने के बीच त्यौहार मनाने की अपील भी की। कोतवाल प्रदीप कुमार ने कहा कि रंगोत्सव के अगले दिन शाहबाद में निकलने वाले चौपाई के जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से निकाले ताकि हम लोग एक अच्छे नागरिक होने का सुबूत दे सकें।

शहजादनगर में थाना प्रभारी ने दो हेड कांस्टेबल को किया लाइन हाजिर

धमोरा। शहजादनगर थाना प्रभारी कुलदीप राणा ने अपने दो हेड कांस्टेबलों को लाइन हाजिर कर दिया है। बताया जा रहा है। कि रात्रि के चलते एक ट्रक चालक अपनी गाड़ी से तेल निकाल रहा था। जिसके चलते ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल अनुज कुमार और हेड कांस्टेबल भूदेव सिंह से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। जिसके बाद कांस्टेबलों ने युवक से मारपीट कर दी। जिसके चलते दोनों हेड कांस्टेबलों से ट्रक चालक की हुई नोंकझोंक के बाद थाना प्रभारी कुलदीप राणा ने कार्यवाही करते हुए दोनों कांस्टेबलों को लाइन हाजिर करते हुए पुलिस लाइन भेज दिया है। थाना प्रभारी कुलदीप राणा ने बताया कि किसी बात को लेकर शहजादनगर में कहासुनी हो गई थी। जिसको लेकर दोनों हेड कांस्टेबल लाइन हाजिर कर दिए पुलिस लाइन भेज दिया है।

सूचना

उत्तर प्रदेश का तेजी से बढ़ता अखबार जागरण मोर्चा 9 मार्च से आपके के बीच आ रहा है। जिसमें जागरण मोर्चा को मुरादाबाद मंडल और जिला रामपुर में रिपोर्टरों और एजेंसी के लिए लोगों की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें मोबाइल नंबर

7906815587,9758444242

निर्मलुपर में आधी रात अराजक तत्वों ने जलाई होली, प्रदर्शन

जागरण मोर्चा कार्यालय

ठाकुरद्वारा। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम निर्मलुपर में सोमवार देर रात उस समय तनाव की स्थिति बन गई, जब कुछ अज्ञात लोगों द्वारा निर्धारित समय से पहले ही होलिका दहन कर दिया गया। घटना से ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया और लोगों ने मौके पर पहुंचकर हाथों में गाने लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों के अनुसार गांव में सामूहिक सहमति से होलिका दहन का समय मंगलवार की सवेरे 4:00 बजे तय किया गया था, लेकिन रात करीब 12 बजे कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने बिना किसी सूचना और परंपरा का पालन किए होली में आग लगा दी। सुबह जानकारी मिलने पर गांव के बड़ी संख्या में लोग होलिका दहन स्थल पर एकत्र हो गए।

आक्रोशित ग्रामीणों ने हाथों में गन्ने लेकर प्रदर्शन करते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि वर्षों से गांव में आपसी सहमति और धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार होलिका दहन किया जाता रहा है, लेकिन इस बार कुछ अराजक तत्वों ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की है।घटना की सूचना मिलते ही रात में ही पुलिस गांव पहुंच गई थी और ग्रामीणों से जानकारी लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों ने पुलिस को लिखित एवं मौखिक शिकायत देकर होली में आग लगाने वाले अज्ञात लोगों की पहचान कर कार्रवाई की मांग की है।पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा दोषियों की पहचान कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गांव में फिलहाल स्थिति सामान्य बताई जा रही है, लेकिन एहतियात के तौर पर पुलिस नजर बनाए हुए है। ग्रामीणों ने प्रशासन से भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है। प्रदर्शन में पूर्व प्रधान युवराज सिंह, अतर सिंह अरविंद सिंह, प्रमोद सिंह, विष्णु सिंह, महिपाल सिंह,अशोक कुमार, राजीव कुमार, सुभाष सिंह,अंकित कुमार, वेद प्रकाश ,अमित कुमार ,संतोष सिंह, कंचन सिंह ,पुष्पेंद्र सिंह, आदि मौजूद रहे।

होली पर फुलसंदा में निकली शोभायात्रा

- जगह-जगह पुष्पवर्षा करके हुआ स्वागत

जागरण मोर्चा कार्यालय

नहटौर। क्षेत्र के ग्राम फुलसंदा में होली के पावन पर्व पर मंगलवार को होली एवं देवताओं की झांकी बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ निकाली।श्रद्धा और उल्लास से ओत-प्रोत इस शोभायात्रा में विभिन्न देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं।

ग्राम फुलसंदा में एक तू सच्चा तेरा नाम सच्चा के जयघोष के साथ पुरानी हवेली से देव झांकी का शुभारंभ हुआ। शोभायात्रा फुलसंदा खाकम, हीरा और गंगदास तीनों ग्रामों के निर्धारित मार्गों से होती हुई निकाली गई। रास्ते भर श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर झांकियों का स्वागत किया। ग्रामीणों ने अपने घरों के बाहर खड़े होकर आरती उतारी और प्रसाद वितरण भी किया।

शोभायात्रा में हनुमान, राधा-कृष्ण तथा शिव-पार्वती की मनमोहक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। कलाकारों ने सजीव प्रस्तुति देकर दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। रंग-बिरंगे परिधानों और सुसज्जित रथों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।बैंड-बाजों पर धार्मिक धुनें गूंजती रहीं, जबकि युवा ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे। बच्चों और महिलाओं में भी खासा उत्साह देखने को मिला। शोभायात्रा के दौरान पूरे गांव में मेले जैसा माहौल बना रहा।होली कमेटी के अध्यक्ष आकाश के नेतृत्व में कुलवीर सिंह, डॉ. राजवीर सिंह, टिंकूल कुमार, विकास कुमार, बंटू कुमार, प्रशांत कुमार, सचिन टांक, पंकज कुमार, अरविंद कुमार, अश्वनी कुमार, शिवा कुमार सहित कमेटी के अन्य सदस्य शोभायात्रा की व्यवस्था संभालते नजर आए। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल भी तैनात रहा।

चंद्र ग्रहण के दौरान बंद रहे नगर व देहात के मंदिरों के कपाट

जागरण मोर्चा कार्यालय

ठाकुरद्वारा। चंद्र ग्रहण होने के चलते नगर व देहात क्षेत्र में मंदिरों के कपाट लगभग बंद रहे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने चंद्र ग्रहण के सूतक काल से लेकर मोक्ष होने तक परंपराओं का ध्यान रखते हुए कार्य किया। और रंगों और गुलाल से होली भी नहीं खेली गई । चंद्रमा को मोक्ष मिलने के बाद श्रद्धालुओं ने विधिपूर्वक स्नान पूजन आदि कर दान करते हुए पुण्य लाभ उठाया।

मंगलवार को चंद्र ग्रहण होने के कारण मंदिरों के कपाट बंद रहे। तहसील स्थित प्राचीन शिव हनुमान मंदिर, पिपल टोला स्थितशिव धाम पंचशील मंदिर, मोहल्ला जोशियां स्थित हरिहर 84 घंटा मंदिर, बड़ा बाजार स्थित खाकेश्वर मंदिर, हरी नगर रोड स्थित कालरात्रि मंदिर, चित्रगुप्त मंदिर, मोहल्ला बंजारन स्थित शिव मंदिर, इसी के साथ ठाकुरद्वारा जसपुर मार्ग पर स्थित फैजुल्लागंज के ताल पर इस दिन स्थित प्राचीन शिव मंदिर, रामनगर खागू वाला, रतु पुरा, शरीफ नगर, गोपी वाला निर्मलपुर, मुख्य बाजार स्थित लगभग सभी मंदिरों के कपाट चंद्र ग्रहण के दौरान बंद रहे। श्रद्धालुओं ने सुबह 6:20 से चंद्र ग्रहण के सूतक काल से लेकर चंद्रमा के ग्रहण प्रवेश दोपहर 2 14, स्पर्श समय अपराहन 3:20 और शाम को मोक्ष हो जाने तक परंपराओं का ध्यान रखते हुए कार्य किया। चंद्रमा को मोक्ष मिलने समय शाम 6:45 और शाम लगभग 7:45 पर पूरी तरह चंद्रमा के छाया से मुक्त हो जाने के बाद श्रद्धालुओं ने विधिपूर्वक स्नान पूजन आदि कर दान करते हुए पुण्य लाभ उठाया।

कुछ जानकार श्रद्धालुओं ने चंद्र ग्रहण के दौरान मंत्र जाप कीर्तन आदि करते हुए समय का सदुपयोग किया।

सोमवार से मंगलवार की तड़के तक आस्था

- श्रद्धा व मंत्रो उचारण और भक्ति के साथ हुआ होलिका दहन
- कुछ क्षेत्रों में बुधवार की तड़के होगा होलिका दहन

जागरण मोर्चा कार्यालय

ठाकुरद्वारा। सोमवार की रात रात से लेकर मंगलवार की तड़के तक अलग-अलग निर्धारित समय और मुहूर्त के अनुसार आस्था श्रद्धा और भक्ति के साथ परंपरागत तरीके से तहसील क्षेत्र में होलिका दहन किया। रामनगर खागूवाला सहित आधा दर्जन गांवों में आज बुधवार की तड़के होलिका दहन किया जाएगा ।

सोमवार की रात ठाकुरद्वारा नगर एवं देहात क्षेत्र में विधि विधान के साथ परंपरागत तरीके से होली का पूजन करने के उपरांत निर्धारित समय और मुहूर्त के अनुसार श्रद्धालुओं ने दहन किया। होलिका दहन होने के साथ ही पूरे क्षेत्र में रंगोत्सव की धूम मच गई। युवा वर्ग में होली को लेकर उत्साह है। कई स्थानों पर युवाओं को होली के गीतों तथा ढोल की थाप पर नृत्य करते देखा गया। सोमवार की रात होलिका दहन का शुभ मुहूर्त रात्रि 12.05 से 01:26 था। होलिका दहन 1/2 स्थान को छोड़कर न केवल नगर में गांधी आश्रम के पास हाईवे पर स्थित मंगलवार को चंद्र ग्रहण होने के कारण होली का रंग नहीं खेला जा सका इसलिए बुधवार को नगर में टेसू अबीर गुलाल बरसेगा। नगर में सूखा एवं गीला रंग कमेटियों द्वारा रंगों की शोभायात्रा भी धूमधाम से निकाली जाएगी।

पंडित ललित प्रसाद शास्त्री ने बताया कि होलिका दहन के समय जहां एक ओर विधि विधान से भगवान नरसिंह और उनके प्रिय भक्त प्रहलाद को याद करते हुए होलीका की अग्नि प्रज्वलित कर अपने भीतर के ईर्ष्या द्वेष अहंकार को दहन किया जाता है वहीं दूसरी ओर शरद ऋतु से बसंत और ग्रीष्म के अद्भुत समन्वय को परिभाषित करते हुए नई फसल जौं और गन्ने के साथ होलिका की परिक्रमा कर अर्पित की जाती है ताकि नई फसल स्वास्थ्य को उत्तम बनाए रखे।दुलहैंडी पर सुरक्षा के दृष्टिगत भी पुलिस एवं प्रशासन ने अपनी तैयारियों को अमली जामा पहना दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज परमार सिंह ने बताया कि होली के जुलूस में अधीनस्थ पुलिसकर्मियों को कड़ाई से नियमों का पालन करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उधर उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि किसी पर जबरदस्ती रंग नहीं डालें।

आज खेला जाएगा रंग, जम कर हुई बाजारों में खरीदारी

- मंगलवार तड़के होलिका में लगाई,एक दूसरे को दी बधाई

जागरण मोर्चा कार्यालय

पुलिस लाइन में पूजा अर्चना करते एसपी,एएसपी, रंगों से सजी दुकान

रामपुर। बुधवार को रंग खेला जाएगा। जिसको देखते हुए मंगलवार सुबह से रंग की दुकानों पर लोगों की भीड़ रही। मंगलवार तड़के लोगों ने होलिका का पूजन करके उसमें आग लगा दी।जिस पर गन्ने भूने गए। उसके बाद लोगों ने घरों में रखी होली में भी आग लगाई।

बुधवार को रंगों का पर्व होली मनाई जाएगी। जिसके चलते मंगलवार को बाजारों में सुबह से ही खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी। बुधवार का रंग होने के कारण लोगों द्वारा घरेलू सामान रंग गुलाल एवं पिचकारियों की जमकर खरीदारी की। रंग, गुलाल, पिचकारी, मिठाई और कपड़ों की दुकानों पर लोगों की भीड़ रही। नगर के बाजारों में चहल-पहल बनी रही। त्योहारी खरीदारी के चलते मुख्य बाजारों में काफी भीड़ रही।कई स्थानों पर पुलिसकर्मी ट्रैफिक व्यवस्था को नियंत्रित करते रहे। पुलिस प्रशासन द्वारा नगर में पैदल मार्च कर हालात का जायजा लिया।अधिकारियों ने संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण किया। पैदल मार्च के दौरान बाजारों, चौराहों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया।अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों से बातचीत कर शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

पूजा अर्चना के बाद हुआ होलिका दहन

रामपुरः सोमवार को होली पर्व के पावन अवसर पर पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र द्वारा अपनी धर्मपत्नी पूनम मिश्र के साथ पुलिस लाइन में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर होलिका दहन किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पुलिस परिवार के सदस्यों को होली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए आपसी सौहार्द, भाईचारे एवं शांति के साथ त्योहार मनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी टांडा,लाइन सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी एवं पुलिस परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

गानों पर नाचते रहे युवक

कई स्थानों पर युवकों के ग्रुपों ने एकत्रित होकर डीजे लगवाए थे। जहां मंगलवार सुबह से ही लोग होली के रंग में हो गए थे। पूरे दिन युवकों के ग्रुप होली के गानों पर नाचते रहे। इसके अलावा बसों और ट्रेनों में भी काफी भीड़ रही। मंगलवार को भी दूसरे जिलों में नौकरी करने वाले लोग अपने घरों के लिए वाहनों से रवाना होते रहे। ताकि समय से घर पहुंचकर परिजनों के साथ होली मना सके।

जिला अस्पताल में तैनात फिजिशियन की सेवाएं समाप्त

- दो माह में जा चुके है दो डॉक्टर, सेवाएं प्रभावित

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। होली के उल्लास के बीच जिलेवासियों के लिए चिंताजनक खबर है। जिला अस्पताल में तैनात फिजिशियन डॉ. हसीब अहमद सिद्दीकी का अनुबंध तीन मार्च को पूर्ण हो गया है। फिजिशियन की सेवाएं मंगलवार को समाप्त हो चुकी है। ऐसे में फिजीशियन की कुर्सी खाली हो गई है। दो माह के अंदर अस्पताल में सर्जन दो समेत चिकित्सक कम हो गए है।

जिला अस्पताल में स्वीकृत 30 चिकित्सकों के पदों के सापेक्ष वर्तमान समय में सिर्फ 10 चिकित्सक ही तैनात है। पिछले दिनों यहां पर जनरल सर्जन डॉ.आरिफ रसूल की कार्यावधि पूर्ण हो जाने पर उनको यहां से हटा दिया गया है। उनके स्थान पर अभी तक सर्जन नहीं आए है। अस्पताल में हर महीने करीब 30 से 35 आपरेशन होते थे। अब फिजिशियन डॉ. हसीब सिद्दीकी का भी अनुबंध तीन मार्च को समाप्त हो गई है। डॉ.हसीब सिद्दीकी का अनुबंध पूर्ण होने पर अन्य फिजिशियनों पर भार पड़ेगा। जिसमें डॉ.दशरथ सिंह, डॉ. डीके वर्मा, डॉ. राय शामिल है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.बीसी सक्सेना ने बताया कि चिकित्सकों की कमी को लेकर शासन से पत्राचार किया जा रहा है इसकी रिपोर्ट को शासन को भेजी जा रही है। हमारे पास तीन फिजिशियन है।

होली को लेकर लिए गए 16 सैंपल, 4.93 क्विंटल नष्ट

- जिलाधिकारी के निर्देश पर सहायक आयुक्त ने की छापेमारी

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। होली के अवसर पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने जनपद में बड़े पैमाने पर छापेमारी की है। छापेमारी के दौरान खाद्य पदार्थों के 16 सैंपल,पदार्थों में मिलावट का संदेह मिलने पाए जाने पर 4 क्विंटल 93 किलो माल भी नष्ट कराया है। जिसकी कीमत 1.50 लाख रुपये बताई गई है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने जिले में कई जगहों पर छापेमारी की है। सहायक आयुक्त सुनील कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम ने शहर, स्वार-टांडा, बिलासपुर, शाहबाद, केमरी, सैफनी समेत कस्बा क्षेत्र में कई प्रतिष्ठानों पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान देसी घी, मिर्च पाउडर, लाल मिर्च, नमकीन, सरसों का तेल, पिसा हुआ धनिया, क्रीम, दूध, दही, पनीर, खोया समेत अन्य पदार्थों के सैंपल लिए गए हैं। इसके अलावा पदार्थों में मिलावट का संदेह होने पर 4.93 क्विंटल माल नष्ट कराया। जिसमें रसगुल्ला, छेना, रंगीन कचरी, देसी घी समेत अन्य पदार्थ शामिल है। सहायक आयुक्त ने बताया कि होली पर्व पर जनपद में 16 खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए गए है इसके अलावा पदार्थों में मिलावट की आशंका होने पर नष्ट कराया है। यह पदार्थ सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

असली, नकली मावा की ऐसे करें पहचान

खाद्य विभाग के जानकारों के अनुसार असली मावे का स्वाद हल्का मीठा और दूधिया होता है। जबकि नकली मावे का स्वाद अजीब, कड़वा या बिल्कुल फीका हो सकता है। पानी में डालकर टेस्ट करें थोड़ा सा मावा गर्म पानी में डालें। अगर वह धीरे-धीरे घुल जाए और दूध जैसा रंग छोड़े, तो वह असली है। अगर पानी ज्यादा सफेद या गाढ़ा हो जाए, तो मावा नकली हो सकता है।

बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में तीन घायल, दो रेफर

शाहबाद। मंगलवार को शाहबाद क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में दंपति समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी शाहबाद में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार जनपद बदायूं के थाना ऊगेती क्षेत्र के रतनपुर निवासी सैफ अली खान अपनी पत्नी गुले शादाब के साथ अपनी ससुराल मधुपुरी दवाई लेने जा रहे थे। इसी दौरान शाहबाद थाना क्षेत्र के बरखेड़ा निवासी मुनेंद्र भी शाहबाद से अपने गांव लौट रहे थे। तुरखेड़ा के पास दोनों बाइकें आमने-सामने टकरा गईं। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सीएचसी शाहबाद पहुंचाया गया।डॉक्टरों ने सभी घायलों को प्राथमिक उपचार दिया। सैफअली और मुनेंद्र की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

बिना परमिट,टैक्स बसें व ओवरलोड डंपर सीज, 3.04 लाख का जुमार्ना

- बिना फिटनेस, टैक्स व ओवरलोड वाहनों पर प्रशासन सख्त

जागरण मोर्चा कार्यालय

बस में चेकिंग करते एआरटीओ

रामपुर। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देशन में उप संभागीय अधिकारी राजेश कुमार श्रीवास्तव ने रात्रिकालीन चेकिंग अभियान में बड़ी कार्रवाई की। जिसमें बिना परमिट,टैक्स बसें व ओवरलोड डंप सीज करके 3.04 लाख का जुमार्ना लगाया।

जनपद में परिवहन नियमों के प्रभावी अनुपालन के लिए उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के रामपुर रोडवेज बस स्टेशन क्षेत्र में बिना वैध परमिट एवं टैक्स के संचालित दो बसों को पकड़ा गया। उक्त बसों में निर्धारित क्षमता से लगभग 40 यात्री अधिक पाए गए, जिस पर दोनों बसों को सीज करते हुए चालान की कार्रवाई की गई। इसी क्रम में दो डंपर बिना वैध फिटनेस एवं टैक्स तथा ओवरलोडिंग में संचालित पाए गए, जिन्हें तत्काल प्रभाव से सीज किया गया। साथ ही पांच अन्य डम्परों का भी विभिन्न परिवहन नियमों के उल्लंघन में चालान किया गया। सभी बसों एवं डम्परों पर की गई कार्रवाई में कुल 3.04 लाख का जुमार्ना आरोपित किया गया।प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यातायात नियमों की अवहेलना, बिना परमिट/टैक्स संचालन एवं ओवरलोडिंग के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी, ताकि सड़क सुरक्षा एवं यात्री हितों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

यूपी 112 परफॉरमेंस डैशबोर्ड में माह फरवरी प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया

रामपुर। यूपी 112 परफॉरमेंस डैशबोर्ड माह फरवरी वर्ष 2026 में पोर्टल के रैंकिंग सिस्टम में उत्तर प्रदेश में 94.72 अंक प्राप्त कर रामपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। परियोजना यूपी 112 में पोर्टल के रैंकिंग सिस्टम में जनपद रामपुर लगातार माह सितम्बर, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर वर्ष 2024 और माह-जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर वर्ष-2025 एवं जनवरी ,फरवरी 2026 में उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा है रैंकिंग सिस्टम में मुख्य तौर पर सभी पीआरवी का औसत रिस्पांस टाईम, एक्नॉलेजमेंट/ इनरुट / अराईव टाइम, पीआरवी उपलब्धता, कॉलर फीड बैक, आरओआईपी एक्टिविटी, इवेंट क्लोजर सिस्टम, अरली अराईव व विजिलेंस जांच रिपोर्ट के अंको के आधार पर जनपद की रैंकिंग तय की जाती है । पुलिस अधीक्षक के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी यूपी 112 के कुशल नेतृत्व में परियोजना यूपी-112 जनपद उत्तर प्रदेश में लगातार 18 वीं बार प्रथम स्थान पर रहा है । जनपद रामपुर के प्रथम स्थान पर आने पर पुलिस अधीक्षक द्वारा यूपी 112 जनपद रामपुर की टीम पूरी टीम को बधाई देते हुये कहा है कि यह आपके समर्पण का फल है और इसी प्रकार निरंतरता के साथ प्रयास करते रहे।

बाजारों में जाकर महिलाओं को किया जागरूक

रामपुर। मिशन शक्ति- पांच अभियान के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिले के सभी थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति केंद्र की टीमों एवं जनपद स्तरीय टीम द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। थाना-स्तरीय टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत बाजारों, शॉपिंग मॉल, पार्क एवं सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया। जिसमें महिला सुरक्षा एवं आत्मरक्षा से जुड़े आवश्यक उपाय, कानूनी अधिकार, नारी सम्मान से संबंधित प्रावधान एवं हेल्पलाइन सेवाओं 1090 (महिला शक्ति हेल्पलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) की कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता तथा घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, ऑनलाइन उत्पीड़न तथा इनके विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की प्रक्रिया के बारे में बताया। मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं,बालिकाओं को पंपलेट, कॉमिक्स एवं जागरूकता सामग्री वितरित की। ताकि वे अपने अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों को आसानी से समझ सकें और आवश्यकता पड़ने पर उनका प्रभावी उपयोग कर सकें।

सांठगांठ करके की गई डीसीडीएफ बिल्डिंग की नीलामी

रामपुर। जिला सहकारी विकास संघ लिमिटेड के चेयरमैन सुभाष गुप्ता ने डीसीडीएफ बिल्डिंग की नीलामी में सांठगांठ के आरोप लगाए है। उन्होंने सहायक आयुक्त को लिखे पत्र में कहा है कि जिला सहकारी विकास संघ लिमिटेड की पायल होटल के सामने बिल्डिंग है। जिसमें 13 दुकानें, 7 फ्लैट है इसका निर्माण वर्ष 1952 में हुआ है। कहा कि इमारत की नीलामी तहसीलदार, डीसीबी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने 26.50 लाख रुपये में कर दी।

चेयरमैन ने कहा कि चंद्रसेन नीलामी लगाए गए थे। लेकिन नीलामी प्रक्रिया कराने वाले अधिकारियों ने चंद्रसेन का ड्राफ्ट जमा किया गया। न ही चंद्रसेन को बोली बोलने के लिए अनुमति नहीं दी गई। जबकि बिल्डिंग का ध्वस्तीकरण 35 लाख रुपये में लेने के लिए तैयार है। चेयरमैन सुभाष गुप्ता ने आरोप लगाया है कि नीलामी प्रक्रिया पूरी सांठगांठ करके की गई है। विभाग को राजस्व की हानि की गई है। इस बिल्डिंग की नीलामी अगर खुले में होगी तो कम से कम 45 से 50 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। इसलिए नीलामी प्रक्रिया को तुरंत ही वापस लिया जाए।

रोजा अल्लाह की अदालत में रोजदार की मगफिरत का वकील बन जाताः हाफिज साफवान

- होटल जीएम प्लाजा में हुआ समारोह का आयोजन

जागरण मोर्चा कार्यालय

जनरल वाला बाग नई मस्जिद में मुकम्मल हुआ कुरआन

रामपुर। डिग्री कालेज रोड जनरल वाला बाग नई मस्जिद में तरावीह की नमाज के दौरान कुरान मजीद मुकम्मल हो गया। तरावीह के दौरान हाफिज सफ्फान खान ने दो पारे रोजाना सुनाए। जबकि सामा के फराइज अरबाज खान ने अदा किए।

इस मौके पर बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष के वसीम खान के साहबजादे हाफिज सफ्फान खान (18) ने कहा कि कुरान वह किताब है जिसका कोई मुतबादिल नहीं है। आल्हा ताला ने रमजान के मुबारक महीने में कुरआन मजीद नाजिल किया । दुनिया की सारी किताबों में सबसे अफजल कुरान है। माहे रमजान में कुरआन की तिलावत करने से अल्लाह की रहमत बरसती है। इस महीने में मिस्कीन, कमजोर पड़ोसी और गरीब रिश्तेदारों की दिल खोलकर मदद करनी चाहिए। खुदा का भी यही पैगाम है। हम ज्यादा से ज्यादा अल्लाह की इबादत करें। उन्होने कहा कि हमे रमजान में पाबंदी से रोजा रखने चाहिए।अल्लाह ने मुसलमानों को रमजान के पूरे महीने रोजे रखने का हुकुम दिया है। जो भी बगैर किसी मजबूरी जानबूझकर एक रोजा भी छोड़ दे तो वह सख्त गुनाहगार होगा। रोजा नेकी के मकान में मगफिरत का चिराग है। पाबंदी के साथ रखा गया रोजा अल्लाह की अदालत में रोजदार की मगफिरत का वकील बन जाता है। लिहाजा रोजेदार किसी का दिल न दुखाएं और गरीबों की दिल खोलकर मदद करें।इस मौके पर उस्ताद अरशद अली हाजी बाबर खान, वसीम खान ,शादाब खान ,नूर आलम ,राजू खान ,जमाल , गफ्फार सईद, राजू खान , आदि मौजूद रहे।

ईरान के सर्वोच्च नेता को खिराजे अकीदत पेश करने पहुंचे नवेद मियां

जागरण मोर्चा कार्यालय

रामपुर। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामनेई की मौत पर शोक जताने का सिलसिला जारी है। सोमवार रात्रि पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां ने मस्जिदे जेहरा में आयोजित मजलिसे तरहीम में शिकरत की।

पूर्व मंत्री नवेद मियां ने ईरान के सुप्रीम लीडर को खिराजे अक ीदत पेश करते हुए कहा कि नाइंसाफी का मुकाबला करते हुए खुद व अपने पूरे परिवार को कुर्बान कर दिया, लेकिन अमेरिका और इजराइल के आगे घुटने ठेकना मंजूर नहीं किया। अयातुल्ला अली खामेनेई की शहादत ग्यारह रमजान को हुई है, जिसकी वजह से गम और गुस्से का माहौल है।नवेद मियां ने इस मौके पर शिया जामा मस्जिद इमाम सैयद अली मोहम्मद नकवी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि दुनिया ने देख लिया कि अमेरिका और इजराइल ने किस तरीके से दहशतगर्दी की है।जिस तरीके से यह दोनों मुल्क पूरी दुनिया को जंग में धकेल रहे हैं वह अफसोसजनक है। शिया धर्मगुरु की मौत से पूरे विश्व के मुस्लिम समुदाय में आक्रोश है। पूर्व मंत्री के पीआरओ काशिफ खां ने बताया कि ईरान के सुप्रीम लीडर को खिराजे अकीदत पेश करने के लिए 5 मार्च को रात्रि 9 बजे इमामबाड़ा किला में मजलिस का आयोजन किया जाएगा। पूर्व मंत्री नवेद मियां द्वारा इस मजलिस का आयोजन किया जाएगा।

रामगंगा पुल की रेलिंग से टकराई युवक की बाइक, युवक जख्मी

शाहबाद। मंगलवार को शाहबाद के रामगंगा पुल की रेलिंग से बाइक टकराने से हुई दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक अपने दोस्त से मिलकर लौट रहा था। शाहबाद थाना क्षेत्र के चकरपुर कदीम निवासी 30 वर्षीय नरेश मिलक थाना क्षेत्र के रेवड़ी कला गांव में अपने दोस्त से मिलकर वापस आ रहा था। रामगंगा पुल पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर रेलिंग से टकरा गई। दुर्घटना में नरेश गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने घटना की जानकारी एंबुलेंस को दी मौके पर पहुंची एंबुलेंस यूपी 32 ईजी 4929 के ईएमटी जगदीप पायलट सुनील कुमार की सहायता से घायल को सीएचसी शाहबाद पहुंचाया।डॉक्टरों ने घायल नरेश को प्राथमिक उपचार दिया और उसके बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

सांसद ने संसद भवन की नई दिल्ली जामा मस्जिद में किया कुरान करीम मुकम्मल

- देश की खुशहाली, भाईचारे और तरक्की के लिए मांगी दुआएं

जागरण मोर्चा कार्यालय

संसद भवन की नई दिल्ली जामा मस्जिद में कुरान मुकम्मल के दौरान मौजूद सांसद

रामपुर। सांसद और संसद भवन स्थित नई दिल्ली जामा मस्जिद के इमाम, मौलाना मोहिब्बुल्लाह नदवी ने रमजान-उल-मुबारक की 13 वीं तरावीह के दिन संसद परिसर मौजूद नई दिल्ली जामा मस्जिद में पवित्र कुरान (कलाम-ए-पाक) मुकम्मल करने की ऐतिहासिक सआदत हासिल की। इस रूहानी महफिल पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की।

कुरान मुकम्मल होने के उपरांत आयोजित विशेष दुआ में मौलाना नदवी ने भावुक अपील करते हुए देश के उज्जवल भविष्य के लिए दुआ की देश के हर कोने में आपसी सौहार्द, शांति और भाईचारा कायम रहे। भारत विकास की नई ऊंचाइयों को छुए और विश्व पटल पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में उभरे।देश के स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में ज्ञान का प्रकाश फैले ताकि आने वाली नस्लें शिक्षित और तहजीब याफ़्ता बनें। माहे रमजान का यह महीना हमें गरीबों के दर्द को समझने और निस्वार्थ सेवा करने का संदेश देता है।इस मुबारक मौके पर अरशद मदनी (इमाम, मोतीलाल नेहरू मस्जिद), राय साहब (पूर्व कमिश्नर, दिल्ली) और डॉ. हफीर्जुरहमान दुआ मैं मौजूद रहे। साथ ही, कफील , सैफ अनवर,सांसद प्रतिनिधि महबूब अली पाशा एडवोकेट मौलाना रफी नूरी, नासिर शेख, आसिफ अली, जमील सैफी, सैफ, पूर्व प्रधान सत्तार, डॉ. आजम,अब्दुल्लाह, सलीम, मुकर्रम, अरशद अली एडवोकेट, मास्टर अख्तर अली और वाजिद हाफिज सहित कई अन्य गणमान्य हस्तियां भी इस रूहानी मजलिस का हिस्सा बने। सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने सभी उपस्थित लोगों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि पवित्र कुरान का मुकम्मल होना न केवल एक धार्मिक रसूमात है। और यह सच्चाई और ईमानदारी के मार्ग पर चलने का संकल्प भी है। यह जानकारी सांसद मीडिया प्रभारी महबूब अली पाशा एडवोकेट ने दी।

रंग से पूर्व बाजारों में उमड़ी भीड़

- **लोगों का उत्साह चरम पर, प्रशासन सतर्क**

जागरण मोर्चा कार्यालय

बाजार में खरीदारी करते लोग

हसनपुर। नगर में होली का उत्साह चरम पर है। मंगलवार को बाजारों में सुबह से ही खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी, बुधवार का रंग होने के कारण लोगों द्वारा घरेलू सामान रंग गुलाल एवं पिचकारियों की जमकर खरीदारी की। रंग, गुलाल, पिचकारी, मिठाई और कपड़ों की दुकानों पर लोगों की लंबी कतारें देखी गईं। नगर के बाजारों में चहल-पहल बनी रही। त्योहारी खरीदारी के चलते मुख्य बाजारों में यातायात दबाव भी बढ़ा। कई स्थानों पर पुलिसकर्मियों को ट्रैफिक नियंत्रित करते देखा गया।

व्यापारी वर्ग के अनुसार मंगलवार को सामान्य दिनों की तुलना में बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई। होली को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत प्रशासन सक्रिय रहा। पुलिस प्रशासन द्वारा नगर में पैदल मार्च कर हालात का जायजा लिया। अधिकारियों ने संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण किया और पुलिस बल को सतर्क रहने के निर्देश दिए। पैदल मार्च के दौरान बाजारों, प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों से बातचीत कर शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

मोहल्ले वासियों ने होली मिलन कार्यक्रम का किया आयोजन

- **एक दूसरे को गुलाल लगाकर एवं गले मिलकर दी होली की बधाई**

जागरण मोर्चा कार्यालय

होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन

हसनपुर। नगर के एक मोहल्ले के निवासियों ने होली के अवसर पर होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया।होली मिलन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष एवं नगर पालिका अध्यक्ष सम्मिलित हुए। मोहल्ले वासियों ने एक दूसरे के गुलाल लगाकर होली की बधाई दी।

सोमवार की देर रात्रि नगर की राजपूत कॉलोनी में कॉलोनी वासियों द्वारा रंगों के त्योहार होली से पूर्व एक होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी एवं नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी सम्मिलित हुए। मोहल्लेवासियों ने एक दूसरे के गुलाल लगाकर होली की बधाई दी वहीं बाहर से आए कलाकारों द्वारा होली के भजनों पर बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी गई। नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने कहा कि होली का पर्व सारे मतभेद बुलाकर मनाने का पर्व है।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, चैयरमैन हसनपुर राजपाल सैनी, चंद्रपाल खड़गवंशी, हिमांशु त्यागी, जिला उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल, व्यापारी नेता अंकुर अग्रवाल, सभासद यशपाल चौहान, टीनू बाबा,मुकेश कुमार, हर्षित सिंघल सहित काफी संख्या में कॉलोनी वासी मौजूद रहे।

भाकियू बीआर अंबेडकर क्षेत्र की समस्याओं को लेकर मिले सपा सुप्रीमो से

जागरण मोर्चा कार्यालय

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव से मुलाकात करते किसान

हसनपुर। सरकार द्वारा औद्योगिक गलियारे के नाम पर किसानों की जबरदस्ती ली जा रही भूमि के मामले में भाकियू बीआर अंबेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ दिग्विजय सिंह भाटी के नेतृत्व में कई गांव के किस सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव से मिले और समस्या का समाधान करने की मांग की।

तहसील क्षेत्र के गांव मंगरौला, दौलतपुर, ढकिया खादर, हाकम पुर, रुस्तमपुर सहित कई गांव की जमीन सरकार द्वारा औद्योगिक गलियारों में प्रस्तावित की गई है। सरकार के निर्देश पर अधिकारियों द्वारा लगभग 3000 बीघा जमीन जबरदस्ती किसानों से कम रेट में बैनामा कराई जा रही है। पूर्व में किसानों द्वारा भारतीय किसान यूनियन बी आर अंबेडकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ दिग्विजय सिंह भाटी को बुलाकर पंचायत की गई थी जिसमें निर्णय लिया,कि सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव से मुलाकात कर अपनी समस्या रखेंगे। सोमवार को डॉक्टर दिग्विजय सिंह भाटी के नेतृत्व में कई गांव के ग्रामीण सैफई स्थित आवास पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मुलाकात की। उन्हें पूरी समस्या बताई जिस पर अखिलेश यादव ने किसानों को विश्वास दिलाया कि वह उनकी समस्याओं को सपा विधायकों एवं सांसदों के माध्यम से विधानसभा और लोकसभा में उठाने का कार्य करेंगे। मुलाकात करने वालों में डॉक्टर दिग्विजय सिंह भाटी,अमरजीत, किरनपाल,सोनू, देवा, मंथन,रूम सिंह आदि मौजूद रहे।

छोटे बच्चे लगातार खेल रहे तीन दिन से होली

जागरण मोर्चा कार्यालय

हसनपुर। रंगों के त्योहार होली को मनाने से घर-घर में खुशियां आती हैं। यह एक ऐसा त्योहार है जब लोग सारे गिले-शिकवे भुलाकर साथ में रंगों से खूब खेलते हैं। बच्चे भी इस त्योहार पर खूब मजे करते हैं। होली का दिन मौज मस्ती और ढेर सारी हुड़दंग के नाम रहता है।इसलिए इन्हें ही इसका सबसे ज्यादा इंतजार होता है। बच्चे एक हफ्ते पहले ही रंग, गुब्बारे और पिचकारी के साथ तैयार हो जाते हैं। स्कूल की छुट्टी होती है तो स्कूल में बच्चे एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली खेलते हैं वही ट्यूशन पर भी बच्चों द्वारा जमकर होली खेली जा रही है। ट्यूशन के समय सड़कों पर बच्चे रंगों में डूबे हुए नजर आते हैं।

संदिग्ध अवस्था में मिली महिला कांस्टेबल-युवती प्रकरण से मचा बवाल

जागरण मोर्चा कार्यालय

हसनपुर। थाना क्षेत्र के गांव हाकम पुर में स्थित नव निर्मित पुलिस चौकी उस समय विवादों में आ गई, जब एक कांस्टेबल पर रात करीब 10 बजे एक युवती को बाइक से चौकी पर लाने के गंभीर आरोप सामने आए। बताया जाता है कि उक्त युवती आसपास के किसी गांव की रहने वाली थी। आरोप है कि कांस्टेबल युवती को रंगरेलियां मनाने के इरादे से पुलिस चौकी लेकर पहुंचा था। देर रात चौकी परिसर में युवती की मौजूदगी देख स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। मौके पर हंगामा खड़ा हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवती को चौकी में देखकर ग्रामीणों ने कांस्टेबल से सवाल-जवाब शुरू कर दिए। देखते ही देखते लोगों की भीड़ जुट गई और मामला तूल पकड़ने लगा। लोगों का कहना था कि पुलिस चौकी जैसे संवेदनशील स्थान पर इस तरह की गतिविधि न केवल अनुशासनहीनता है, बल्कि पुलिस की छवि को भी धूमिल करती है। बढ़ते हंगामे और लोगों की नाराजगी को देखते हुए कांस्टेबल युवती को बाइक पर बैठाकर वहां से ले गया।

आरोप है कि कांस्टेबल युवती को जंगल की ओर छोड़ने गया। इसी दौरान किसी राहगीर या ग्रामीण ने कांस्टेबल द्वारा युवती को बाइक पर बैठाकर ले जाते हुए वीडियो बना लिया। यह वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया। वायरल वीडियो को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं और लोग पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं।इस संबंध में थाना रहरा के थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि उनके संज्ञान में इस तरह का कोई मामला नहीं है। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो और लगाए जा रहे आरोपों की जानकारी प्राप्त की जा रही है। यदि जांच में कोई पुलिसकर्मी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवक को रौंदा, हालत गंभीर

हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र के कालाखेड़ा मील गेट के पास एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। कोतवाली क्षेत्र के गांव कालाखेड़ा निवासी प्रथी सिंह का पुत्र करन रविवार रात करीब 10 बजे अपनी मोटरसाइकिल से कोतवाली क्षेत्र के गांव शाहपुर कला से वापिस अपने गांव काला खेड़ा लौट रहा था। जैसे ही वह चीनी मिल गेट के पास पहुंचा, तो सामने से आ रहे। एक ट्रैक्टर के अज्ञात चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दी।इस भीषण हादसे में करने के शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं और उसकी मोटरसाइकिल भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। पीड़ित पिता ने थाना में तहरीर देकर अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी

चंद्र ग्रहण के दौरान बंद रहे नगर व क्षेत्र में मंदिरों के कपाट

चंद्र ग्रहण के दौरान मंदिरों के बंद कपाट

कांठ। चंद्र ग्रहण होने के चलते नगर व क्षेत्र में मंदिरों के कपाट लगभग बंद रहे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने चंद्र ग्रहण के सूतक काल से लेकर मोक्ष होने तक परंपराओं का ध्यान रखते हुए कार्य किया। चंद्रमा को मोक्ष मिलने के बाद श्रद्धालुओं ने विधिपूर्वक स्नान पूजन आदि कर दान करते हुए पुण्य लाभ उठाया।

मंगलवार को चंद्र ग्रहण होने के कारण मंदिरों के कपाट बंद रहे। मुख्य बाजार स्थित वैश्य बिश्नोई शिव मंदिर माता महाकाली मंदिर माहेश्वरी शिव मंदिर ब्राह्मण धर्मशाला के सामने स्थित शिव मंदिर मोहिनी वाला मंदिर आदि लगभग सभी मंदिरों के कपाट चंद्र ग्रहण के दौरान बंद रहे। श्रद्धालुओं ने सुबह 6:20 से चंद्र ग्रहण के सूतक काल से लेकर चंद्रमा के ग्रहण प्रवेश दोपहर 2 14, स्पर्श समय अपराहन 3:20 और शाम को मोक्ष हो जाने तक परंपराओं का ध्यान रखते हुए कार्य किया। चंद्रमा को मोक्ष मिलने समय शाम 6:45 और शाम लगभग 7:45 पर पूरी तरह चंद्रमा के छाया से मुक्त हो जाने के बाद श्रद्धालुओं ने विधिपूर्वक स्नान पूजन आदि कर दान करते हुए पुण्य लाभ उठाया। कुछ जानकार श्रद्धालुओं ने चंद्र ग्रहण के दौरान मंत्र जाप कीर्तन आदि करते हुए समय का सदुपयोग किया।

चंद्र ग्रहण के कारण सोमवार को हुआ होलिका दहन

जागरण मोर्चा कार्यालय

शेरकोट। नगर में इस वर्ष होलिका दहन सोमवार की रात्रि को सम्पन्न किया गया।

जलती होली

मंगलवार को पड़ रहे चंद्र ग्रहण के कारण परंपरागत मान्यताओं के अनुसार होलिका दहन का कार्यक्रम एक दिन पूर्व ही आयोजित किया गया।थाना क्षेत्र के ग्राम महमदाबाद,नसीरदिवाला तथा परमावाला को छोड़कर 52 स्थानों पर होलिका दहन हुआ।

नगर के विभिन्न मोहल्लों के लगभग तेईस स्थानों सहित ग्रामीण क्षेत्र के 29 स्थानों पर विधि-विधान के साथ होलिका दहन किया गया। अधिकांश स्थानों पर कार्यक्रम रात्रि 11 बजे तक सम्पन्न हो गया, जबकि कुछ स्थानों पर परंपरा अनुसार सुबह 5 बजे तक होलिका दहन का अनुष्ठान चलता रहा।श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं नगर की खुशहाली की कामना की। आयोजन के दौरान पुलिस प्रशासन भी सतर्क रहा तथा सभी स्थानों पर शांति व्यवस्था बनी रही।चंद्र ग्रहण को देखते हुए धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप समय परिवर्तन किया गया, जिसे नगरवासियों ने सहर्ष स्वीकार करते हुए उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार ने बताया कि ग्राम महमदाबाद में मंगलवार की रात्रि व नसीम तथा परमावाला में बुधवार की सुबह होलिका दहन किये जाने की सूचना प्राप्त हुई है।

नगर में होलिका दहन से अहंकार और अधर्म का हुआ विनाश

जागरण मोर्चा कार्यालय

होलिका दहन के दौरान मौजूद लोग

किरतपुर। नगर मे पूरे विधि विधान से होलिका दहन कार्यक्रम संपन्न हुआ। सुरक्षा की दृष्टि से होलिका दहन कार्यक्रम मे पुलिस कर्मी तैनात रहे। हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी नगर मे हर्षोल्लास के साथ जगह जगह होलिका दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे बच्चों व महिलाओ ने खूब रंग गुलाल उड़ाकर होली भी खेली।नगर स्थित होली वाले कुए पर हर वर्ष की तरहा सोमवार रात्रि 10 बजे होली दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे होलिका का पूरे विधि विधान से पंडित नंदीश्वर ने पूजा अर्चना कराई।

जिसके मुख्य यजमान अनिल अग्रवाल व उनका परिवार रहा।उसके पश्चात मुख्य यजमान मे होलिका मे अग्नि दी जिससे होलिका दहन हुई और सत्य ओर भगती की विजय एवं अहंकार ओर अधर्म का विनाश का प्रतीक माना जाने वाला होली का त्यौहार वहां मौजूद बच्चे,महिला व पुरुषों ने एक दूसरे से गले मिलकर रंग लगाकर एक दूसरे के साथ होली का त्यौहार मनाया। कार्यक्रम में मौजूद युवाओं ने ढोल की थाप पर जमकर डांस किया व खूब रंग गुलाल उड़ाते हुए एक दूसरे को गुलाल लगाया और प्रसाद मिश्रण किया। होलिका दहन के समय मोहल्ले वासियों नगर वासियों की काफी भीड़ देखने को मिली। विक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से ऋषभ सिंगल,कपिल रस्तोगी, नवनीत मित्तल, अमित अग्रवाल, अशोक गुप्ता, दिव्यम अरोड़ा, पल्लव अग्रवाल, विजय कालरा, दीपक रस्तोगी, तिलक कालरा, हितेश मेहरा,साहिल अग्रवाल,चीनू अग्रवाल,अंकुश जैन,अनंत जैन,अतुल रस्तोगी, अंकित रस्तोगी,सागर माहेश्वरी, वासु महवश्वरी,सचिन अग्रवाल कपड़े वाले, अनुज अग्रवाल, गौरव जैन, हिमेन्द्र राजपूत,आदि सेकड़ो महिलाये मौजूद रही।

नगर में जल निगम की लापरवाही से द्वारा नागरिक त्रस्त

कांठ। लगभग एक वर्ष से सरकार के निदेर्शानुसार स्वच्छ जल अभियान के अंतर्गत नगर में पाइप बिछाए गए थे जिसका कार्य अभी तक भी पूर्ण नहीं हो पाया है और जगह-जगह गड्ढे होने से आम रास्ते बंद हो गये हैं।त्योहार के मौके पर भी गड्ढों की खुदाई होने से आम नागरिक बहुत ही परेशान हैं।

लगभग 1 वर्ष से नगर में स्वच्छ जल कार्यक्रम के अंतर्गत पानी सप्लाई टेस्टिंग का कार्य मौहल्ला बिशनपुरा में पट्टी वाले में लगभग 6 महीने से चल रहा है लेकिन जल निगम के अधिकारियों कि लापरवाही के कारण नागरिकों को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। होली का त्यौहार चल रहा है फिर भी नगर में मुख्य मार्ग पर गड्ढे की खुदाई करके छोड़ दिया है।जिसके कारण नागरिकों का निकलना मुश्किल हो रहा है। जल निगम के जेई से संपर्क किया तो उन्होंने कहा कि अंतिम चरण का कार्य चल रहा है। टेस्टिंग में जहां-जहां पर भी परेशानियां पानी की सप्लाई में रुकावट आई है उसे ठीक किया जा रहा है। नागरिकों का कहना है कि 6 महीने में जब कार्य पूर्ण नहीं हो पाया तो अभी कैसे आशा की जा सकती है। नगरवासियो में रोष व्याप्त है। नगर वासियों ने शीघ्र ही उच्च अधिकारियों से नगर की सड़कों को ठीक कराने की उपस्थित रहे।

आस्था, श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ होलिका दहन

- **आज क्षेत्र में रंगों की होली, बरसेगा रंग**

गांधी आश्रम के निकट मुहूर्त और निर्धारित समय पर होलिका दहन करते श्रद्धालु

कांठ। सोमवार की रात पूर्व निर्धारित समय और मुहूर्त के अनुसार आस्था श्रद्धा और भक्ति के साथ परंपरागत तरीके से तहसील क्षेत्र में होलिका दहन हुआ। बुधवार को कांठ नगर एवं क्षेत्र में धूमधाम से रंगो की होली दुल्हैंडी का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा।

सोमवार की रात कांठ नगर एवं देहात क्षेत्र में विधि विधान के साथ परंपरागत तरीके से होली का पूजन करने के बाद निर्धारित समय और मुहूर्त के अनुसार श्रद्धालुओं ने दहन किया। होलिका दहन होने के साथ ही पूरे क्षेत्र में रंगोत्सव की धूम मच गई। युवा वर्ग में होली को लेकर उत्साह है। कई स्थानों पर युवाओं को होली के गीतों तथा ढोल की थाप पर नृत्य करते देखा गया। सोमवार की रात होलिका दहन का शुभ मुहूर्त रात्रि 12.05 से 01:26 था। होलिका दहन 1/2 स्थान को छोड़कर न केवल नगर में गांधी आश्रम के पास हाईवे पर स्थित होली का दहन स्थल से लेकर ग्राम बेगमपुर आदि स्थानों पर किया गया बल्कि अन्य ग्रामों में भी हुआ। मंगलवार को चंद्र ग्रहण होने के कारण होली का रंग नहीं खेला जा सका इसलिए बुधवार को नगर में टेसू अबीर गुलाल बरसेगा। नगर में सूखा एवं गीला रंग कमेटियों द्वारा रंगों की शोभायात्रा भी धूमधाम से निकाली जाएगी।आचार्य भावेश शर्मा ने बताया कि होलिका दहन के समय जहां एक ओर विधि विधान से भगवान नरसिंह और उनके प्रिय भक्त प्रहलाद को याद करते हुए होली का की अग्नि प्रज्वलित कर अपने भीतर के ईर्ष्या द्वेष अहंकार को दहन किया जाता है वहीं दूसरी ओर शरद ऋतु से बसंत और ग्रीष्म के अद्भुत समन्वय को परिभाषित करते हुए नई फसल जौं और गन्ने के साथ होलिका की परिक्रमा कर अर्पित की जाती है ताकि नई फसल स्वास्थ्य को उत्तम बनाए रखे।दुलहैंडी पर सुरक्षा के दृष्टिगत भी पुलिस एवं प्रशासन ने अपनी तैयारियों को अमली जामा पहना दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेश पाल सिंह ने बताया कि होली के जुलूस में अधीनस्थ पुलिसकर्मियों को कड़ाई से नियमों का पालन करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उधर उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि किसी पर जबरदस्ती रंग नहीं डालें।

नगर में क्षेत्र में आधा दर्जन स्थानों पर निकाली जाएगी रंग की शोभायात्रा

कांठ। आज होली के पावन पर्व के मद्देनजर नगर में गीला और सूखा रंग की विशाल शोभायात्रा प्रतिवर्ष की भांति निकाली जाएगी इसके लिए आयोजक समितियां ने तैयारी पूरी कर ली है टेसू के रंग को पकाने की व्यवस्था और उसकी जिम्मेदारी भी सौंप दी गई है। कई स्थानों पर टेसू का रंग पकाया जाएगा। नगर के अलावा ग्राम सलेमपुर ग्राम नया गांव ग्राम पैगंबरपुर, ग्राम नवादा आदि में भी रंगोत्सव की शोभायात्रा धूमधाम और परंपरा के साथ निकाली जाएगी सभी स्थानों पर आयोजक कमेटी द्वारा तैयारी की जा रही है जबकि पुलिस प्रशासन भी होली का दहन से लेकर रंगों की शोभायात्रा के प्रति सजग और सतर्क है।

एआई के संदर्भ में भारत की सबसे बड़ी ताकत

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने विश्व समुदाय को यह स्पष्ट संकेत दे दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भारत अब नीति निर्धारण और वैश्विक दिशा तय करने वाला देश बन चुका है। 89 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी तथा 88 देशों द्वारा हस्ताक्षरित नई दिल्ली घोषणा ने भारत के मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण को जब अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्रदान की, तब इसके साथ यह भी तय हो गया कि भारत अब एआई क्राति में आर्थिक, सामाजिक और नैतिक आयामों को समेटने वाला देश बनने जा रहा है।

दरअसल, नई दिल्ली घोषणा का मूल दर्शन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस विचार में निहित है, जिसमें एआई को मानव कल्याण का साधन माना गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट किया कि यह घोषणापत्र सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की भावना से प्रेरित है। इसका उद्देश्य एआई संसाधनों और उसके लाभों को कुछ देशों या कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय पूरी मानवता तक पहुंचाना है। घोषणा में सात प्रमुख स्तंभों को आधार बनाया गया है; एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण, आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई, सुरक्षित और भरोसेमंद एआई, विज्ञान के लिए एआई, सामाजिक सशक्तिकरण, मानव पूंजी विकास तथा लचीली और ऊर्जा-कुशल प्रणालियां। यहां यह ढांचा वैश्विक सहयोग की नई संरचना प्रस्तुत करता हुआ दिखा है, जिसमें राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान करते हुए साझा प्रगति को प्राथमिकता दी गई है। 700 अरब डॉलर तक पूंजीगत व्यय की तैयारी

इस समिट ने एक और महत्वपूर्ण संदेश दिया कि भारत एआई निवेश का नया वैश्विक केंद्र बन रहा है। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अल्फाबेट जैसी दिग्गज कंपनियां एआई पर वैश्विक स्तर पर लगभग 700 अरब डॉलर तक पूंजीगत व्यय की तैयारी में हैं। भारत में बड़े औद्योगिक समूहों ने भी अभूतपूर्व निवेश योजनाओं की घोषणा की है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लगभग 110 अरब डॉलर डेटा सेंटर और संबंधित अवसंरचना में निवेश की योजना बना रही है, जबकि अदाणी ग्रुप ने अगले दस वर्षों में 100 अरब डॉलर एआई आधारित डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए निर्धारित किए हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने इस दशक के अंत तक ग्लोबल साउथ देशों में 50 अरब डॉलर निवेश की दिशा में बढ़ने की बात कही है।

भारत की डिजिटल संप्रभुता की वैश्विक धाक

ओपनएआई और एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेज ने टाटा समूह के साथ मिलकर भारत में एआई क्षमताओं को मजबूत करने का संकल्प लिया है। ब्लैकस्टोन ने भारतीय एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी नेयसा में 600 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। एनवीडिया ने भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाने की घोषणा की है। ये निवेश केवल पूंजी प्रवाह नहीं हैं; ये भारत की डिजिटल संप्रभुता, डेटा अवसंरचना और तकनीकी आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने की दिशा में संरचनात्मक परिवर्तन का संकेत हैं।

भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्र

समिट में वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की उपस्थिति ने भारत की बढ़ती साख को और मजबूत किया। ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन, अल्फाबेट के सुंदर पिचाई, एंथ्रोपिक के डारियो अमोदेई और गूगल डीपमाइंड के डेमिस हासाबिस जैसे वैश्विक नेता इस आयोजन में शामिल हुए। निश्चित ही यह भागीदारी संकेत है कि भारत अब वैश्विक तकनीकी विमर्श का केंद्र बन चुका है। अमेरिका और भारत के बीच पैक्स सिलिका समझौते ने सिलिकॉन आधारित तकनीकों की वैश्विक आपूर्ति शृंखला को सुरक्षित करने के सहयोग को नया आयाम दिया है। भारत द्वारा 18 अरब डॉलर की सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी देना इस रणनीतिक दृष्टि का आधार है।

एआई के संदर्भ में भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका समावेशी दृष्टिकोण है। यहां एआई को केवल कॉर्पोरेट लाभ का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का उपकरण माना जा रहा है। इसका सबसे सशक्त उदाहरण कृषि क्षेत्र में दिखाई देता है। इस संदर्भ में मुंबई में आयोजित इ्र्रइद्न्द्ध 2026 सम्मेलन को देखा जा सकता है, जिसमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्पष्ट कहा कि भारत की अगली कृषि क्रांति एआई संचालित होगी।

इंडिया एआई मिशन, जिसका बजट 10,372 करोड़ रुपये है, स्वदेशी सुपरकंप्यूटिंग क्षमता, डेटा सेट और स्टार्टअप ढांचे को मजबूत कर रहा है। भारतजन के तहत विकसित इद्न्द्ध घ्थ्न्थ्द्ध मॉडल 22 भारतीय भाषाओं में किसानों को सलाह प्रदान कर रहा है। यह भाषाई समावेशन एआई को वास्तविक अर्थों में जन-केंद्रित बनाता है। ड्रोन और उपग्रह आधारित मैपिंग से लेकर जलवायु पूर्वानुमान और जैव प्रौद्योगिकी तक, एआई का एकीकृत उपयोग कृषि को अधिक सटीक, टिकाऊ और लाभकारी बना रहा है। यदि 60 करोड़ किसानों की उत्पादकता में केवल 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है, तो यह इस सदी का सबसे बड़ा गरीबी-निवारण अवसर सिद्ध हो सकता है, और भारत इस परिवर्तन का सह-निर्माता बन रहा है।

ओपन-सोर्स और ऊर्जा-कुशल एआई मॉडल बना भारत की ताकत

भारत की रणनीति का एक और महत्वपूर्ण आयाम ओपन-सोर्स और ऊर्जा-कुशल एआई मॉडल है। पश्चिमी देशों के बंद और पेटेंट-आधारित ढांचे के विपरीत, भारत सुलभ और पारदर्शी एआई पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहा है। कम लागत वाले डेटा सेंटर, ऊर्जा दक्ष अवसंरचना और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए छोटे, उद्देश्य-विशिष्ट एआई मॉडल भारत को व्यापक सामाजिक परिवर्तन की दिशा में अग्रसर कर रहे हैं। कम कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में मोबाइल आधारित एआई समाधान यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि तकनीक का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

भारत की जनसंख्या संरचना भी इस परिवर्तन को गति दे रही है। 1.4 अरब की आबादी, विशाल युवा प्रतिभा-आधार और तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था इसे वैश्विक एआई हब बनने के लिए उपयुक्त बनाती है। आधार, यूपीआई और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मजबूत आधारभूत ढांचे एआई अनुप्रयोगों के लिए तैयार मंच प्रदान करते हैं। नीतिगत स्पष्टता, निवेश की बाढ़ और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का संयोजन भारत को एक अद्वितीय स्थिति में खड़ा करता है।

भारत विश्व व्यवस्था का एक प्रमुख एआई निर्माता बनने की ओर अग्रसर

अतः इस संदर्भ में कहना यही है कि नई दिल्ली घोषणा ने आज ये संदेश दिया है कि एआई का उद्देश्य दक्षता बढ़ाने के साथ ही समानता और समावेशन सुनिश्चित करना है। निवेश प्रतिबद्धताएं भारत को अवसंरचना और नवाचार की शक्ति प्रदान कर रही हैं, जबकि कृषि जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रयोग यह सिद्ध कर रहे हैं कि एआई जमीन पर वास्तविक परिवर्तन ला सकता है।

इस आधार पर यही सच प्रतीत होता है कि यदि बीती सदी औद्योगिक क्रांति की थी और वर्तमान सदी डिजिटल क्रांति की है तो आने वाला दशक एआई क्रांति का होगा। इस क्रांति की धुरी वही देश बन सकता है, जोकि तकनीक को मानव कल्याण से जोड़कर वैश्विक सहयोग का सेतु बन सके। साथ ही जिसमें नवाचार को समावेशी बनाने की क्षमता हो। कहना होगा कि आज ये संकेत स्पष्ट हैं; भारत उसी दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है और एआई के युग में विश्व व्यवस्था का एक प्रमुख निर्माता बनने की ओर अग्रसर है।

आकर्षक शब्दों की आड़ में कार्यक्रमों की संख्या बढ़ी

कैलाश चन्द्र

वर्तमान समय में भारतीय समाज एक ऐसे वैचारिक दौर से गुजर रहा है, जिसमें संस्कृति, परिवार, नैतिकता और राष्ट्रीय पहचान से जुड़े प्रश्न नए रूप में सामने आ रहे हैं। भोपाल फिल्म फ़ेस्टिवल को लेकर उठा विवाद किसी आयोजन की सामान्य नीति समीक्षा का विषय न होकर यह भारतीय समाज की वैचारिक दिशा और सांस्कृतिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। जिस आयोजन का सह-प्रस्तुतिकरण मध्यप्रदेश पर्यटन जैसे सरकारी संस्थान ने किया, वही मंच उन फिल्मों और व्यक्तियों को प्रदान करता दिखाई दिया, जो लंबे समय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के विरोध में विचार अभियान चलाते रहे हैं। यह परिस्थिति संकेत देती है कि सांस्कृतिक क्षेत्र में एक सुनियोजित वैचारिक प्रवाह सक्रिय है, जिसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक संरचनाओं को बदलना है।

पिछले वर्षों में 'वोक' और 'प्रगतिशील' जैसे आकर्षक शब्दों की आड़ में ऐसे कार्यक्रमों की संख्या बढ़ी है, जिनका उद्देश्य धीरे-धीरे सामाजिक मान्यताओं को परिवर्तित करना और नई मानसिकता को सामान्य बनाना है। इन आयोजनों में प्रस्तुत फिल्मों की विषयवस्तु पर दृष्टि डालने से स्पष्ट होता है कि कथा और कला के माध्यम से वैचारिक संदेश स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उदाहरणस्वरूप 'किस' (२०२२) और 'कुचुर (द इच)' जैसी फिल्मों की मूल थीम समलैंगिकता, किशोर मनोविज्ञान और आनंद की अवधारणा को एक विशेष दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है। इन फिल्मों के माध्यम से ऐसे विषयों को केंद्र में रखा गया है, जो भारतीय पारिवारिक और सामाजिक संरचना में संवेदनशील माने जाते हैं।

निर्देशक वरुण ग्रोवर जैसे व्यक्तित्व, जो लंबे समय से वामपंथी विचारधारा के समर्थक माने जाते हैं और सरकार, भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर खुली टिप्पणियों के लिए चर्चित रहे हैं, ऐसे आयोजनों में प्रमुख स्थान प्राप्त करते हैं। तब स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या करदाताओं के धन का उपयोग उन कार्यक्रमों के लिए किया जाना उचित है, जो भारतीय समाज की परंपरागत मान्यताओं और राष्ट्रवादी विमर्श की आलोचना को प्रोत्साहित करते हों। यह प्रश्न अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरोध का नहीं, बल्कि राज्य की वैचारिक तटस्थता और सांस्कृतिक उत्तरदायित्व का है।

वोक विचारधारा को यदि गहराई से समझा जाए तो यह महज सामाजिक जागरूकता का आंदोलन नहीं प्रतीत होती, सांस्कृतिक मार्क्सवाद की आधुनिक अभिव्यक्ति के रूप में उभरती है। इसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक इकाइयों जैसे परिवार, धर्म, संस्कृति, स्त्री-पुरुष संबंध और नैतिक अनुशासन को पुनर्परिभाषित करना है। इस विचारधारा में व्यक्ति को सामूहिकता से ऊपर रखा जाता है, इच्छा को मर्यादा से अधिक महत्व दिया जाता है और आनंद को जीवन का मूल मूल्य घोषित किया जाता है। फिल्में और दृश्य माध्यम इस दिशा में अत्यंत प्रभावी साधन बन जाते हैं, क्योंकि वे भावनाओं, कथानक और कला के आवरण में विचारों को सहज रूप से स्थापित कर देते हैं।

किशोरावस्था जीवन का अत्यंत संवेदनशील चरण है। इस आयु में प्रस्तुत कथाएँ और दृश्य लंबे समय तक मानसिक संरचना को प्रभावित करते हैं। यदि फिल्मों में किशोर पात्रों के माध्यम से समलैंगिक संबंधों या शारीरिक आनंद को केंद्रीय विषय बनाया जाए, तो उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव दूरगामी हो सकता है। 'किस' (२०२२) में दो किशोर लड़कों के बीच चुंबन को कथा का केंद्र बनाना और 'कुचुर (द इच)' में किशोरी के शारीरिक अनुभवों को सामान्य प्रक्रिया के रूप में प्रस्तुत करना कला की अभिव्यक्ति से आगे बढ़कर सामाजिक दिशा निर्धारण का प्रयास प्रतीत होता है। प्रश्न यह है कि क्या इन विषयों का प्रस्तुतीकरण मार्गदर्शन के उद्देश्य से है या प्रयोगवाद को प्रोत्साहन देने के लिए। भारतीय चिंतन में कामना और संबंधों को सदैव जिम्मेदारी, संयम और सामाजिक संतुलन के साथ जोड़ा गया है। यहां स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं, बल्कि आत्मनियंत्रण और कर्तव्यबोध से जुड़ा है। जब कला और अभिव्यक्ति के नाम पर किशोर जिज्ञासाओं को उन्मुक्त प्रयोग का क्षेत्र बना दिया जाता है, तब वह परंपरागत नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाने के साथ-साथ भावनात्मक विकास को भी प्रभावित करता है। परिवार और संस्कार को दमनकारी संरचना के रूप में प्रस्तुत करना व्यक्ति को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से दूर ले जा सकता है। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे सामाजिक संतुलन को विचलित करती है और व्यक्तिवाद को बढ़ावा देती है।

मीडिया का एक वर्ग ऐसे आयोजनों को मानवाधिकार और प्रगतिशीलता का प्रतीक बताता है। राष्ट्रीय दृष्टिकोण यह पूछता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा क्या है ? क्या स्वतंत्रता का अर्थ सामाजिक अराजकता है ?क्या कला का दायित्व समाज निर्माण है या विघटन ?विमर्श को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है मानो परंपरा समर्थक वर्ग अभिव्यक्ति का विरोध कर रहा हो, जबकि वास्तविकता में संघर्ष दो विचारधाराओं के बीच है। एक ओर हजारों वर्षों की सभ्यता से निर्मित सांस्कृतिक संरचना है, दूसरी ओर पश्चिम प्रेरित प्रयोगवादी प्रवृत्तियां। यह विषय किसी एक फिल्म फ़ेस्टिवल तक सीमित नहीं है। यह प्रश्न तय करेगा कि आने वाली पीढ़ियां किस मानसिकता के साथ विकसित होंगी, परिवार संस्था का भविष्य क्या होगा और समाज मर्यादाओं को कितना महत्व देगा। यदि विश्वविद्यालय, चिकित्सा महाविद्यालय, पर्यटन विभाग और अन्य सरकारी संस्थान भी वैचारिक प्रयोगों के मंच बन जाएँ, तब यह सांस्कृतिक सुरक्षा का विषय बन जाता है। राज्य की भूमिका तटस्थ संरक्षक की होनी चाहिए, न कि किसी एक विचारधारा के संवाहक की।

भोपाल फिल्म फ़ेस्टिवल एक उदाहरण के रूप में सामने आया है, जो दर्शाता है कि किस प्रकार वोक एजेंडा कलात्मक आवरण और मीडिया समर्थन के सहारे समाज में स्थान बनाने का प्रयास करता है। भारत हजारों वर्षों की सांस्कृतिक परंपरा वाला राष्ट्र है, जिसने अनेक वैचारिक आक्रमणों का सामना किया है।

पिछले वर्षों में 'वोक' और 'प्रगतिशील' जैसे आकर्षक शब्दों की आड़ में ऐसे कार्यक्रमों की संख्या बढ़ी है, जिनका उद्देश्य धीरे-धीरे सामाजिक मान्यताओं को परिवर्तित करना और नई मानसिकता को सामान्य बनाना है। इन आयोजनों में प्रस्तुत फिल्मों की विषयवस्तु पर दृष्टि डालने से स्पष्ट होता है कि कथा और कला के माध्यम से वैचारिक संदेश स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उदाहरणस्वरूप 'किस' (२०२२) और 'कुचुर (द इच)' जैसी फिल्मों की मूल थीम समलैंगिकता, किशोर मनोविज्ञान और आनंद की अवधारणा को एक विशेष दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है। इन फिल्मों के माध्यम से ऐसे विषयों को केंद्र में रखा गया है, जो भारतीय पारिवारिक और सामाजिक संरचना में संवेदनशील माने जाते हैं। निर्देशक वरुण ग्रोवर जैसे व्यक्तित्व, जो लंबे समय से वामपंथी विचारधारा के समर्थक माने जाते हैं और सरकार, भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर खुली टिप्पणियों के लिए चर्चित रहे हैं, ऐसे आयोजनों में प्रमुख स्थान प्राप्त करते हैं। तब स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि क्या करदाताओं के धन का उपयोग उन कार्यक्रमों के लिए किया जाना उचित है, जो भारतीय समाज की परंपरागत मान्यताओं और राष्ट्रवादी विमर्श की आलोचना को प्रोत्साहित करते हों। यह प्रश्न अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरोध का नहीं, बल्कि राज्य की वैचारिक तटस्थता और सांस्कृतिक उत्तरदायित्व का है। वोक विचारधारा को यदि गहराई से समझा जाए तो यह महज सामाजिक जागरूकता का आंदोलन नहीं प्रतीत होती, सांस्कृतिक मार्क्सवाद की आधुनिक अभिव्यक्ति के रूप में उभरती है। इसका लक्ष्य समाज की पारंपरिक इकाइयों जैसे परिवार, धर्म, संस्कृति, स्त्री-पुरुष संबंध और नैतिक अनुशासन को पुनर्परिभाषित करना है। इस विचारधारा में व्यक्ति को सामूहिकता से ऊपर रखा जाता है, इच्छा को मर्यादा से अधिक महत्व दिया जाता है और आनंद को जीवन का मूल मूल्य घोषित किया जाता है। फिल्में और दृश्य माध्यम इस दिशा में अत्यंत प्रभावी साधन बन जाते हैं, क्योंकि वे भावनाओं, कथानक और कला के आवरण में विचारों को सहज रूप से स्थापित कर देते हैं। किशोरावस्था जीवन का अत्यंत संवेदनशील चरण है। इस आयु में प्रस्तुत कथाएँ और दृश्य लंबे समय तक मानसिक संरचना को प्रभावित करते हैं। यदि फिल्मों में किशोर पात्रों के माध्यम से समलैंगिक संबंधों या शारीरिक आनंद को केंद्रीय विषय बनाया जाए, तो उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव दूरगामी हो सकता है। 'किस' (२०२२) में दो किशोर लड़कों के बीच चुंबन को कथा का केंद्र बनाना और 'कुचुर (द इच)' में किशोरी के शारीरिक अनुभवों को सामान्य प्रक्रिया के रूप में प्रस्तुत करना कला की अभिव्यक्ति से आगे बढ़कर सामाजिक दिशा निर्धारण का प्रयास प्रतीत होता है। प्रश्न यह है कि क्या इन विषयों का प्रस्तुतीकरण मार्गदर्शन के उद्देश्य से है या प्रयोगवाद को प्रोत्साहन देने के लिए। भारतीय चिंतन में कामना और संबंधों को सदैव जिम्मेदारी, संयम और सामाजिक संतुलन के साथ जोड़ा गया है। यहां स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं, बल्कि आत्मनियंत्रण और कर्तव्यबोध से जुड़ा है। जब कला और अभिव्यक्ति के नाम पर किशोर जिज्ञासाओं को उन्मुक्त प्रयोग का क्षेत्र बना दिया जाता है, तब वह परंपरागत नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाने के साथ-साथ भावनात्मक विकास को भी प्रभावित करता है। परिवार और संस्कार को दमनकारी संरचना के रूप में प्रस्तुत करना व्यक्ति को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से दूर ले जा सकता है। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे सामाजिक संतुलन को विचलित करती है और व्यक्तिवाद को बढ़ावा देती है। मीडिया का एक वर्ग ऐसे आयोजनों को मानवाधिकार और प्रगतिशीलता का प्रतीक बताता है। राष्ट्रीय दृष्टिकोण यह पूछता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा क्या है ? क्या स्वतंत्रता का अर्थ सामाजिक अराजकता है ?क्या कला का दायित्व समाज निर्माण है या विघटन ?विमर्श को इस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है मानो परंपरा समर्थक वर्ग अभिव्यक्ति का विरोध कर रहा हो, जबकि वास्तविकता में संघर्ष दो विचारधाराओं के बीच है। एक ओर हजारों वर्षों की सभ्यता से निर्मित सांस्कृतिक संरचना है, दूसरी ओर पश्चिम प्रेरित प्रयोगवादी प्रवृत्तियां। यह विषय किसी एक फिल्म फ़ेस्टिवल तक सीमित नहीं है। यह प्रश्न तय करेगा कि आने वाली पीढ़ियां किस मानसिकता के साथ विकसित होंगी, परिवार संस्था का भविष्य क्या होगा और समाज मर्यादाओं को कितना महत्व देगा। यदि विश्वविद्यालय, चिकित्सा महाविद्यालय, पर्यटन विभाग और अन्य सरकारी संस्थान भी वैचारिक प्रयोगों के मंच बन जाएँ, तब यह सांस्कृतिक सुरक्षा का विषय बन जाता है। राज्य की भूमिका तटस्थ संरक्षक की होनी चाहिए, न कि किसी एक विचारधारा के संवाहक की। भोपाल फिल्म फ़ेस्टिवल एक उदाहरण के रूप में सामने आया है, जो दर्शाता है कि किस प्रकार वोक एजेंडा कलात्मक आवरण और मीडिया समर्थन के सहारे समाज में स्थान बनाने का प्रयास करता है। भारत हजारों वर्षों की सांस्कृतिक परंपरा वाला राष्ट्र है, जिसने अनेक वैचारिक आक्रमणों का सामना किया है। इस दृढ़ता को बनाए रखने के लिए समाज को सजग रहना होगा। कला को वैचारिक हथियार बनने से रोकना, करदाताओं के धन का उत्तरदायी उपयोग सुनिश्चित करना और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की मांग है। भारत को अपनी आत्मा के साथ आगे बढ़ना है।

दिल्ली सरकार का एक साल और बदलाव की बयार

मनोज कुमार मिश्र

27 साल के लंबे अंतराल के बाद दिल्ली में रेखा गुप्ता की अगुवाई में बनी भाजपा सरकार ने साल भर के शासन में भविष्य की विकसित दिल्ली की ठोस बुनियाद रखी। 20 फरवरी,2026 को सरकार के एक साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंत्रिमंडल के अपने सभी सहयोगियों के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। इस मौके पर पहला कदम बदलाव का, एक साल विकास का, नाम से एक बुकलेट भी जारी की गई। इसमें दावा किया गया कि दिल्ली की भाजपा सरकार ने बहाने बनाने के बजाए कड़ी मेहनत करके भविष्य की जरूरतों के हिसाब से विकसित दिल्ली बनाने के लिए हर दिन काम किए। 365 दिन में 370 आयुष्मान आरोग्य मंदिर(डिस्पेंसरी) बने, इसकी संख्या इस साल 1100 करने का लक्ष्य है। पांच रुपये में गरीबों को भाजन उपलब्ध कराने के लिए 71 अटल कैंटीन शुरू की गई। अभी हर रोज करीब 71 हजार लोग खाना खा रहे हैं। साल भर में ही पानी, बिजली, स्वास्थ्य, सार्वजनिक परिवहन, प्रदूषण दूर करने, यमुना की सफाई और दिल्ली के मूलभूत ढांचे को बेहतर करने की ठोस बुनियाद रखी गई हैं। जन सुनवाई की हर स्तर पर व्यवस्था और आम जन की शिकायतों पर कड़ाई से अमल होना शुरू हो गया है। वैसे अभी सरकार के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है। उसका सामना करने और उसका निबटारा करने के लिए सरकार को लगातार युद्ध स्तर पर काम करना होगा।

वादे के मुताबिक मंत्रिमंडल की पहली बैठक में आम लोगों को मुफ्त उपचार के लिए आयुष्मान योजना न केवल दिल्ली में लागू किया गया। अब तक इस योजना में सात साख से ज्यादा लोग पंजीकरण कराकर इसका लाभ उठा रहे हैं। झुग्गी बस्तियों के लिए सात सौ करोड़ का बजट जारी किया गया है। दिल्ली में देश का सर्वाधिक न्यूनतम वेतन 22411 रुपये प्रति महीना लागू किया गया। कामकाजी महिलाओं की सुविधा के लिए 500 पालन केन्द्र खोले गए हैं। परिवहन क्षेत्र में चार हजार से अधिक ई-बसें चलाई जा रहा है। नौ हजार से ज्यादा चार्जिंग स्टेशन बनाए गए हैं। नई ईवी नीति, ई- बाइक, ई-टैक्सी को बढ़ावा देने के अलावा दिल्ली के आखिरी छोर तक सार्वजनिक वाहन को पहुंचाने की दिशा में सरकार काम कर रही है। वैसे सरकार को हाई कोर्ट के हलफनामे के हिसाब से 11 हजार बसों को सड़क पर लाने की भी चुनौती है। यमुना साफ करने के लिए बड़े पैमाने पर काम हो रहा है। 37 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में से 28 को अपग्रेड किया गया है। नौ पर काम चल कहा है। 12 नए संयंत्र बनेंगे। दिल्ली को वायु प्रदूषण से मुक्त करने से लेकर दिल्ली के मूलभूत ढांचे को विकसित करने से लेकर दिल्ली को आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त शहर बनाने के प्रयास के लिए दिल्ली सरकार केन्द्र की सरकार के सहयोग से दिन-रात काम कर रही है।

वादे के मुताबिक मंत्रिमंडल की पहली बैठक में आम लोगों को मुफ्त उपचार के लिए आयुष्मान योजना न केवल दिल्ली में लागू किया गया। अब तक इस योजना में सात साख से ज्यादा लोग पंजीकरण कराकर इसका लाभ उठा रहे हैं। झुग्गी बस्तियों के लिए सात सौ करोड़ का बजट जारी किया गया है। दिल्ली में देश का सर्वाधिक न्यूनतम वेतन 22411 रुपये प्रति महीना लागू किया गया। कामकाजी महिलाओं की सुविधा के लिए 500 पालन केन्द्र खोले गए हैं। परिवहन क्षेत्र में चार हजार से अधिक ई–बसें चलाई जा रहा है। नौ हजार से ज्यादा चार्जिंग स्टेशन बनाए गए हैं। नई ईवी नीति, ई– बाइक, ई–टैक्सी को बढ़ावा देने के अलावा दिल्ली के आखिरी छोर तक सार्वजनिक वाहन को पहुंचाने की दिशा में सरकार काम कर रही है। वैसे सरकार को हाई कोर्ट के हलफनामे के हिसाब से 11 हजार बसों को सड़क पर लाने की भी चुनौती है। यमुना साफ करने के लिए बड़े पैमाने पर काम हो रहा है। 37 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में से 28 को अपग्रेड किया गया है। नौ पर काम चल कहा है। 12 नए संयंत्र बनेंगे। दिल्ली को वायु प्रदूषण से मुक्त करने से लेकर दिल्ली के मूलभूत ढांचे को विकसित करने से लेकर दिल्ली को आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त शहर बनाने के प्रयास के लिए दिल्ली सरकार केन्द्र की सरकार के सहयोग से दिन–रात काम कर रही है। साल 1993 में दिल्ली में नए प्रशासनिक ढांचे में विधानसभा बनने पर हुए पहले चुनाव में भाजपा की सरकार बनी। पांच साल में तीन मुख्यमंत्री बदलने के बावजूद उस सरकार ने कई ठोस काम किए। पहली बार यमुना के जल में राज्य की तरह दिल्ली को हिस्सा मिला। दिल्ली सरकार ने अपने अधिकार बढ़ाकर बिजली बोर्ड बनाकर बिजली का उत्पादन बढ़ाया। नए स्कूल कालेज ही नहीं नया विश्वविद्यालय बनाया गया। नए अस्पताल बने और बड़ी संख्या में दिल्ली के हर कोने में निर्माण कार्य हुए।

साल 1993 में दिल्ली में नए प्रशासनिक ढांचे में विधानसभा बनने पर हुए पहले चुनाव में भाजपा की सरकार बनी। पांच साल में तीन मुख्यमंत्री बदलने के बावजूद उस सरकार ने कई ठोस काम किए। पहली बार यमुना के जल में राज्य की तरह दिल्ली को हिस्सा मिला। दिल्ली सरकार ने अपने अधिकार बढ़ाकर बिजली बोर्ड बनाकर बिजली का उत्पादन बढ़ाया। नए स्कूल कालेज ही नहीं नया विश्वविद्यालय बनाया गया। नए अस्पताल बने और बड़ी संख्या में दिल्ली के हर कोने में निर्माण कार्य हुए। दिल्ली मेट्रो की नींव रखी गई।1984 के सिख दंगा पीडितों को न्याय दिलाने के प्रयास हुए। इस सिलसिले को 1998 में शीला दीक्षित की अगुवाई बनी कांग्रेस सरकार ने और आगे बढ़ाया। दिल्ली के मूलभूत ढांचे के विकसित करने की सर्वाधिक श्रेय शीला दीक्षित के जाता है। पूरी दिल्ली में काम हुए। दिल्ली फ्लाईओवर का शहर बना। असंभव माने जाने वाले बारापूला नाले को ढक कर कई किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर बना। ऐतिहासिक सलीम गढ़ किला के ऊपर से सड़क निकाली गई। मेट्रो दिल्ली समेत पूरी एनसीआर(राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में पहुंचा। 15 साल शीला दीक्षित के शासन के बाद आंदोलन से निकली आम आदमी पार्टी(आआपा) की दिल्ली में सरकार दस साल रही। बीच में करीब साल भर के लिए राष्ट्रपति शासन भी लगा। आआपा की अनुभवहीन सरकार ने कामकाज से ज्यादा विवाद ही किया। विकास कार्य पटरी से उतर गई। आम लोगों को लुभाने के लिए सरकार केवल मुफ्त की रेवड़ियां बांटती रही। इसी के बल पर वे दो बार प्रचंड बहुमत से विधानसभा चुनाव जीत गए। उसके बाद साल भर पहले भाजपा की सरकार बनी। चुनाव प्रचार में भाजपा के नेताओं ने बड़े-बड़े वादे किए थे। उनमें से कुछ पर तो अमल शुरू हो गए हैं लेकिन काफी काम अभी करने हैं। कायदे में आआपा शासन के दस साल ने दिल्ली में विकास की दिशा ही बदल दी थी। उसे वापस पटरी पर लाना भाजपा सरकार के लिए पहली चुनौती थी। उसमें वे कामयाब रहे। दिल्ली की समस्या अनोखी है। उसका इलाका तो 1483 किलोमीटर ही रहना है लेकिन आबादी बेहिसाब बढ़ रही है। दिल्ली की आबादी में हर साल पांच लाख अतिरिक्त आबादी जुड़ती है। देश की राजधानी होने और नोट-वोट की राजनीति में कोई भी राजनीतिक दल इस पर अंकुश लगाना नहीं चाहता है। दिल्ली का अपना कुछ नहीं है। मौसम से लेकर बिजली-पानी के लिए दिल्ली पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। दिल्ली की सड़कों भी एक सीमा से ज्यादा नहीं बढ़ सकती। शीला दीक्षित ने भी सड़क के ऊपर सड़क (डबल डेकर रोड) बनाने की योजना बनाई थी, उस पर अमल रेखा गुप्ता सरकार करने वाली है। सड़कों से वाहनों की भीड़ कम होना कठिन हो गया है। पेरेफ़ेरियल सड़कों के अलावा चार सौ किलोमीटर मेट्रो चलने और दिल्ली से मेरठ के लिए नमो भारत रेल शुरू होने आदि के बावजूद सड़कों पर भीड़ लगातार बढ़ रही है। केन्द्र सरकार ने दो और रास्तों पर नमो भारत रेल चलाने की घोषणा की है।

कैसे शुरू हुई होलीपर रंग खेलनेकी परम्परा

होली की रंगभरी मस्ती के पीछे गहरी धार्मिक और सांस्कृतिक जड़ें छिपी हैं। ब्रज की कथाओं से शुरू हुई यह परंपरा पहले पूरी तरह प्राकृतिक रंगों से मनाई जाती थी। समय बदला और त्योहार के तरीके भी बदल गए। आज होली का नाम आते ही आंखों के सामने रंग, पिचकारी और गुलाल की तस्वीर उभरती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जब बाजार में तैयार रंग नहीं मिलते थे, तब लोग होली कैसे मनाते थे? क्या उस समय भी ऐसे ही रंग उड़ते थे या त्योहार का रूप कुछ और था? होली की परंपरा सिर्फ मस्ती की नहीं, बल्कि आस्था, प्रेम और प्रकृति से जुड़ी कहानी भी है। इसकी जड़ें इतिहास और पौराणिक कथाओं में गहराई तक जाती हैं।

होली हिंदू धर्म का प्रमुख त्योहार है, जो दो दिनों तक मनाया जाता है. पहले दिन होलिका दहन होता है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। इसकी कथा प्रह्लाद, हिरण्यकश्यप और उसकी बहन होलिका से जुड़ी है। मान्यता है कि भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए भगवान ने हस्तक्षेप किया और होलिका अग्नि में भस्म हो गईं। तभी से होलिका दहन की परंपरा शुरू हुई थी। रंगों वाली होली का संबंध कृष्ण और राधा की कथाओं से जोड़ा जाता है। ब्रज क्षेत्र में मान्यता है कि कृष्ण ने सबसे पहले राधा और उनकी सखियों के साथ रंग खेला था। कहा जाता है कि अपने सांवले रंग को लेकर कृष्ण चिंतित थे, तब माता यशोदा ने उन्हें राधा को रंग लगाने की सलाह दी। इस प्रेम भरे प्रसंग ने ब्रज में रंगों की होली की परंपरा को जन्म दिया, जो धीरे-धीरे पूरे उत्तर भारत में फैल गई। आज भी मथुरा और वृंदावन में यह परंपरा खास उत्साह से निभाई जाती है। पुराने समय में रासायनिक रंग नहीं होते थे. होली पूरी तरह प्राकृतिक तरीकों से मनाई जाती थी। लोग पलाश यानी टेसू के फूलों को पानी में भिगोकर केसरिया रंग तैयार करते थे। यह रंग त्वचा के लिए सुरक्षित माना जाता था. पीला रंग बनाने के लिए हल्दी का इस्तेमाल होता था और चंदन का लेप लगाकर तिलक किया जाता था। फूलों की होली भी आम थी। गुलाब, गेंदे और टेसू की पंखुड़ियों से लोग एक-दूसरे पर रंग बरसाते थे। इसे प्रकृति के करीब माना जाता था। उस दौर में होली का मकसद सिर्फ रंग लगाना नहीं, बल्कि मेलजोल बढ़ाना और रिश्तों को मजबूत करना था। होली केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक मिलन का अवसर भी है. गांवों और कस्बों में लोग ढोलक और मंजीरे के साथ फाग गाते थे। घरों में गुझिया, मालपुआ और दही बड़े जैसे पारंपरिक पकवान बनते थे। लोग पुराने मतभेद भूलकर गले मिलते थे। समय के साथ बाजार में केमिकल रंग आए, जिससे त्योहार का रूप बदला। हालांकि आज भी कई लोग प्राकृतिक रंगों की ओर लौटने की कोशिश कर रहे हैं।

समाधि - जीवन का परम लक्ष्य

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

योग में समाधि एक जीवित चेतना की स्थिति है–पूर्ण सजगता, पूर्ण विश्रांति और आत्मस्थित आनन्द की अवस्था। जहाँ से समस्त सुख का उद्गम होता है, उस आनन्दस्वरूप आत्मा में स्थित होना ही समाधि है। समाधि का अर्थ है–अपने भीतर ऐसे रम जाना कि बाह्य तृष्णाएँ स्वतः शिथिल हो जाएँ। इसमें कोई कृत्रिम संकुचन, मानसिक दबाव और बाह्य आरोपित गम्भीरता नहीं होती। यह तो आन्तरिक तृप्ति की अवस्था है, जहाँ मन स्थिर, हल्का और आनन्दित हो जाता है। किसी प्रयास के द्वारा समाधि अवस्था को न तो समझा जा सकता है और न प्राप्त किया जा सकता है। विवेक एवम् जागरूकता को प्रयास के द्वारा नहीं पाया जा सकता। विश्राम पूर्वक स्वयं में स्थापित होना होगा। अप्रयास पूर्वक विश्राम में दृढ़ होकर, समाधि को प्राप्त किया जाता है। समाधि एक ही प्रकार की नहीं होती; उसके अनेक स्तर बताए गए हैं– सवितर्क, निर्वितर्क, विचारानुगम, आनन्दानुगम तथा अस्मितानुगम समाधि आदि। सवितर्क समाधि में बुद्धि जाग्रत रहती है। तर्क भी रहता है, ज्ञान भी रहता है, व्यवहार भी चलता रहता है। व्यक्ति चलता-फिरता है, खाता-पीता है, सोचता भी है, परंतु मन में कोई उथल-पुथल नहीं होती। न राग, न द्वेष, न पीड़ा, न क्लेश–केवल एक शांत, प्रसन्न चित्त की अवस्था रहती है। मन स्तंभ के समान स्थिर, दृष्टि स्पष्ट, बुद्धि तीक्ष्ण और शरीर समभाव में रहता है। यही सवितर्क समाधि की अवस्था है। इसके बाद निर्वितर्क समाधि आती है, जहाँ तर्क और विचार लुप्त हो जाते हैं। मन पूर्णतः अंतर्मुख हो जाता है, अत्यंत शांत और प्रसन्न। श्वास अत्यंत सूक्ष्म हो जाती है, मानो चल ही नहीं रही हो। एक शून्याकार अनुभव होता है–मैं कुछ भी नहीं हूँ। यह पूर्ण निस्तरंग, निर्विचार स्थिति ही निर्वितर्क समाधि है। इस प्रकार अनेक प्रकार की समाधियों का वर्णन योग शास्त्रों में किया गया है। समाधि के विभिन्न स्तरों से प्रज्ञा पुष्ट होती है, जीवन परिपूर्ण होता है और जीवन का परम लक्ष्य सिद्ध होने लगता है। समाधि से क्या होता है? व्यक्ति सिद्ध होता है। सिद्ध अर्थात् पूर्ण–जहाँ किसी प्रकार की कमी शेष नहीं रहती। सभी कर्म, जो कमियों को दूर करने के लिए थे, अपने आप शांत हो जाते हैं। जैसे गंगा निरंतर बहती हुई सागर की ओर जाती है; उसका प्रवाह सागर तक पहुँचने के लिए ही है। परंतु एक बार जब गंगा सागर में मिल जाती है, तब वह अलग से कहाँ प्रवाहित होती है? उसी प्रकार, जब चित्त परम चेतना में लीन हो जाता है, तब साधना की गति समाप्त होकर पूर्णता की शाँति में विलीन हो जाती है।

दुबईमें फंसी एक्ट्रेस सोनल चौहान

अमेरिका–ईरान संघर्ष के बढ़ते तनाव के बीच हवाई उड़ानों में भी व्यवधान पड़ा है। इस कारण कई भारतीय स्टार्स भी दुबई में फंसे हैं और पीएम मोदी से मदद गुहार लगा रहे हैं। अभिनेत्री सोनल चौहान ने भी दुबई में फंसने के बाद पीएम मोदी से सोशल मीडिया पर मदद की अपील की थी। अब अभिनेत्री ने अपने फैंस को आश्वस्त किया है कि वह सुरक्षित हैं। सोशल मीडिया पर एक नए अपडेट में सोनल ने बताया कि दुबई में अब स्थिति कंट्रोल में है और उन्होंने सभी से न घबराने की अपील की है। सोनल चौहान ने अपने इंस्टाग्राम एक नई स्टोरी साझा करके फैंस और शुभचिंतकों को आश्वस्त किया कि वो अब सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि मुझे मैसेज करने और मेरा हालचाल पूछने वाले सभी लोगों को धन्यवाद। जवाब न दे पाने के लिए मुझे खेद है। आपकी चिंता मेरे लिए बहुत मायने रखती है। मैं सुरक्षित हूं और आपको विश्वास दिलाती हूं कि अधिकारी सभी की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। घबराने की कोई बात नहीं है। यकीनन, दुबई दुनिया का सबसे सुरक्षित स्थान है। सभी की सुरक्षा और देखभाल की जा रही है। स्थिति पूरी तरह कंट्रोल में है। मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि घबराहट न फैलाएं। सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करती हूं। सोनल अमेरिका–ईरान संघर्ष के बीच वह दुबई में फंसी हुई हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संपर्क कर भारत में सुरक्षित वापसी के लिए सरकारी सहायता मांगी थी। इससे पहले शनिवार को सोनल ने इंस्टाग्राम पर भारतीय सरकार से अपील करते हुए अपनी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए मदद मांगी। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पोस्ट साझा करते हुए बताया था कि वह इस समय दुबई में फंसी हुई हैं।

स्क्रीनने बना दिया है बच्चे को जिद्दी, फोन छीनना नहीं, आदत बदलना है जरूरी

आज का बचपन पहले जैसा नहीं रहा. खिलौनों और पार्क की जगह अब मोबाइल, टैबलेट और टीवी ने ले ली है. कई घरों में तो हाल ये है कि बच्चा बिना फोन के खाना नहीं खाता, शांत नहीं बैठता और जरा–सी देर में चिड़चिड़ा हो जाता है.। माता–पिता अक्सर इसे जिद समझ लेते हैं, लेकिन असल में यह स्क्रीन डिपेंडेंसी की शुरुआत होती है। धीरे–धीरे बच्चा हर खाली पल में स्क्रीन चाहता है और जब उसे नहीं मिलती, तो गुस्सा, रोना या बेचैनी दिखाता है। यह सिर्फ आदत का मामला नहीं है, बल्कि बच्चे के दिमाग, नींद, व्यवहार और सीखने की क्षमता पर भी असर डालता है। ज्यादा स्क्रीन देखने से ध्यान कम होना, सामाजिक दूरी, नींद खराब होना और जल्दी चिड़चिड़ापन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। अच्छी बात यह है कि थोड़ी समझदारी और सही पेरेंटिंग से इस आदत को धीरे–धीरे कम किया जा सकता है। इसके लिए सख्ती से ज्यादा निरंतरता और व्यवहार में बदलाव जरूरी होता है, अगर आपका बच्चा भी फोन के बिना परेशान हो जाता है, तो ये 5 आसान और असरदार टिप्स स्क्रीन पर उसकी निर्भरता कम करने में आपकी मदद कर सकते हैं.बच्चे सुनने से ज्यादा देखने से सीखते हैं, अगर घर में बड़े हर समय फोन पर लगे रहें, तो बच्चा भी यही सामान्य मानता है। इसलिए सबसे पहला बदलाव माता–पिता को खुद में लाना होता है. जब आप बच्चे के साथ हों, तो फोन दूर रखें। उससे बात करते समय स्क्रीन न देखें। घर में नो फोन टाइम तय करें, जैसे खाना खाते समय या परिवार के साथ बैठते समय। जब बच्चा देखेगा कि मम्मी–पापा भी बिना फोन के खुश और व्यस्त रहते हैं, तो उसका नजरिया अपने आप बदलेगा.बच्चों को स्पष्ट नियम समझ में आते हैं। इसलिए घर में कुछ जगहें और समय ऐसे तय करें जहां स्क्रीन बिल्कुल न हो। जैसे बेडरूम, डाइनिंग टेबल या पढ़ाई की जगह. साथ ही एक नियम बनाएं कि सोने से कम से कम एक घंटा पहले कोई स्क्रीन नहीं चलेगी. इससे बच्चे की नींद सुधरेगी और दिमाग को आराम मिलेगा. जब यह नियम पूरे परिवार पर लागू होगा, तो बच्चा इसे सजा नहीं बल्कि सामान्य दिनचर्या मानेगा.अक्सर बच्चे बोरियत से बचने के लिए फोन मांगते हैं, अगर उनके पास करने के लिए रोचक काम हों, तो स्क्रीन की जरूरत कम हो जाती है। बच्चे को आउटडोर गेम्स, ड्रॉइंग, पज़ल, ब्लॉक्स, कहानी की किताबें, म्यूजिक या डांस जैसी एक्टिविटी में लगाएं। खास बात यह है कि शुरुआत में आप भी उसके साथ शामिल हों। जब बच्चा मजा महसूस करेगा, तो उसका ध्यान धीरे–धीरे स्क्रीन से हटकर वास्तविक गतिविधियों में लगेगा. क्रिएटिव कामों से बच्चे को उपलब्धि का एहसास मिलता है, जो डिजिटल मनोरंजन से ज्यादा संतोष देता है.कई माता–पिता कहते हैं –होमवर्क कर लो, फिर फोन मिलेगा। इससे बच्चा फोन को सबसे बड़ा इनाम मानने लगता है। धीरे–धीरे उसकी चाह और बढ़ जाती है। बेहतर तरीका यह है कि स्क्रीन टाइम को सामान्य गतिविधि की तरह रखें, न कि शर्त या लालच की तरह। दिन का एक तय समय रखें, जैसे 30–45 मिनट. यह समय निश्चित और सीमित होना चाहिए. जब नियम साफ और स्थिर रहते हैं, तो बच्चा स्क्रीन को खास चीज नहीं बल्कि रोजमर्रा का छोटा हिस्सा मानता है।

रश्मिका और विजयने नये घरमें की सत्यनारायण पूजा

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने 26 फरवरी को उदयपुर में शादी की है। शादी के बाद विजय के पैतृक गांव थुम्मनपेट (तेलंगाना) का दौरा किया। वहां उन्होंने अपने नए घर में सत्यनारायण पूजा की। इस पूजा की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। इस वीडियो में फैंस को दोनों की साथ में केमिस्ट्री बहुत प्यारी लग रही है। गांव वालों ने जोड़े का बहुत धूमधाम से स्वागत किया। पारंपरिक रस्में पूरी कीं और उन्हें नए घर में प्रवेश कराया। विजय ने पहले ही थुम्मनपेट में एक नया घर बनवाया था। शादी के बाद यह रश्मिका और परिवार के साथ उनकी पहली मुलाकात थी। इस दौरान विजय बेज रंग के कुर्ते में दिखे, जबकि रश्मिका ऑफ–व्हाइट और ऑरेंज वाली साड़ी में बहुत खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने मंदिर के गहने पहने और चमेली के फूलों से लुक पूरा किया। पूजा

के बाद दंपति ने परिवार, दोस्तों और गांव वालों को खाना खिलाया। रश्मिका और विजय के इस पूजा वीडियो में दोनों की केमिस्ट्री फैंस को बेहद पसंद आ रही है। इस वीडियो में दोनों पूजा के वक्त बेहद खुश नजर आ रहे हैं। साथ ही दोनों एक–दूसरे को देखकर मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को रश्मिका और विजय के फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, विजय ने जीवन में जीत हासिल कर ली, दूसरे फैन ने लिखा, दोनों की जोड़ी बेहद खूबसूरत है, एक और फैन ने लिखा, खूबसूरत जोड़ी। रश्मिका और विजय की शादी 26 फरवरी 2026 को उदयपुर के आईटीसी मोमेंटोस में हुई थी। यह एक छोटी–सी भव्य शादी थी, जिसमें सिर्फ परिवार और करीबी दोस्त शामिल हुए। शादी के बाद वे 27 फरवरी को हैदराबाद लौट आए। अब 4 मार्च को हैदराबाद में एक बड़ा रिसेप्शन होगा। रिसेप्शन में मेहमानों की भीड़ को देखते हुए अतिथि सूची को सीमित रखा गया है। इस रिसेप्शन में तेलुगु, तमिल, मलयालम और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े सितारे, साथ ही शहर के नेता और मशहूर लोग शामिल होंगे।

इस होली घरपर बनायें रंग–गुलाल

होली का त्योहार नजदीक है। इस मौके पर लोग रंग–गुलाल खेलते हैं। हालांकि बाजार में मिलने वाले सिंथेटिक रंग स्किन और हेल्थ, दोनों के लिए नुकसानदायक होते हैं। बाजार में मिलने वाले सिंथेटिक रंगों में हानिकारक केमिकल्स मिलाए जाते हैं। इनसे स्किन रैशेज, आंखों में जलन, एलर्जी और सांस संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। बच्चों पर इसका असर ज्यादा गंभीर हो सकता है। ऐसे में अगर आप सेहत से समझौता किए बिना होली का आनंद लेना चाहते हैं तो ऑर्गेनिक रंग–गुलाल बेहतर विकल्प हैं। इन्हें घर पर भी आसानी से बनाया जा सकता है। बाजार में मिलने वाले सस्ते और सिंथेटिक रंगों में कई सारे केमिकल्स हो सकते हैं। जैसेकि–कॉपर सल्फेट (हरा रंग),लेड ऑक्साइड (काला रंग),मरकरी सल्फाइड (लाल रंग),क्रोमियम आयोडाइड (बैंगनी रंग),एल्युमिनियम ब्रोमाइड (चांदी रंग),प्रशिया ब्लू (नीला रंग) ये रंग कई हेल्थ प्रॉब्लम्स का कारण बन सकते हैं। जैसेकि– स्किन रैशेज,स्किन एलर्जी, जलन,आंखों में जलन,सूजन और इंफेक्शन,सांस संबंधी समस्याएं,अस्थमा,किडनी डैमेज,गंभीर मामलों में कैंसर का रिस्क,बच्चों और सेंसिटिव स्किन वाले लोगों में केमिकल युक्त रंगों का प्रभाव ज्यादा गंभीर हो सकता है। घर पर ऑर्गेनिक रंग–गुलाल बनाना आसान है। इसके कुछ आसान तरीके समझिए– नारंगी- संतरे के छिलकों को सुखाकर बारीक पीस लें। इसमें थोड़ा कॉर्न फ्लोर और थोड़ी हल्दी मिलाएं। मिश्रण को छलनी से छान लें। आपका खुशबूदार नारंगी गुलाल तैयार है। हरा- पालक, धनिया या पुदीने की पत्तियों को पीसकर उसका रस निकालें। इसमें गुलाब जल मिलाएं। सूखे गुलाल के लिए इस मिश्रण को कॉर्न फ्लोर में मिलाकर धूप में सुखाएं और फिर छान लें। गुलाबी- चुकंदर का जूस लें। इसमें गुलाब जल और जरूरत के अनुसार कॉर्न फ्लोर मिलाएं। अच्छी तरह मिक्स कर धूप में सुखाएं और बारीक पीसकर छान लें।

लाल- गुड़हल के फूल या गुलाब की पंखुड़ियों को भिगोकर पीस लें। इसमें कॉर्न फ्लोर मिलाकर सुखाएं और बारीक पाउडर तैयार कर लें। पीला- थोड़ी हल्दी को गर्म पानी में उबालें। ठंडा होने पर इसमें कॉर्न फ्लोर और गुलाब जल मिलाएं। इसे सुखाकर पीस लें। चाहें तो हल्दी और बेसन को मिलाकर भी पीला गुलाल बना सकते हैं। अगर आप गीला (लिक्विड) रंग बना रहे हैं तो यह 10–15 मिनट में तैयार हो जाता है। गुलाल बनाने के लिए धूप में सुखाने की प्रक्रिया के कारण 2 से 3 दिन का समय लग सकता है। ऑर्गेनिक रंग न केवल स्किन के लिए सेफ होते हैं, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल भी होते हैं। घर पर रंग बनाना सुरक्षित विकल्प है। लेकिन कुछ सावधानियां बरतना बेहद जरूरी है। जैसेकि– किसी भी रंग का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। जलन पैदा करने वाली सामग्री इस्तेमाल न करें। खराब या सड़ी–गली पत्तियां और फूल इस्तेमाल न करें। गुलाल को अच्छी तरह सुखाएं। अगर नमी रह गई तो फफूंद लग सकती है। बनाने के बाद बारीक छलनी से छानें, क्योंकि मोटे कण स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। साफ बर्तन और मिक्सर इस्तेमाल करें। गंदे उपकरणों से संक्रमण का खतरा हो सकता है। तैयार गुलाल को सूखी, साफ जगह पर रखें। बच्चों, बुजुर्गों और एलर्जी वाले लोगों के लिए हल्के रंग ही बनाएं। इन सावधानियों के साथ आप सुरक्षित और खुशहाल होली मना सकते हैं। इसे एयरटाइट डिब्बे में 1–2 हफ्ते तक सुरक्षित रख सकते हैं। अगर रंग में नमी रह गई तो उसमें फफूंद लग सकती है। लिक्विड रंग 1–2 दिन के भीतर इस्तेमाल कर लेना बेहतर है, क्योंकि ये जल्दी खराब हो सकते हैं। ज्यादातर ऑर्गेनिक रंग हल्के होते हैं और सामान्य धुलाई से निकल जाते हैं। फिर भी चुकंदर, हल्दी या फूलों से बने गहरे रंग हल्का दाग छोड़ सकते हैं। इसलिए होली खेलते समय पुराने या हल्के रंग के कपड़े पहनना बेहतर होता है। ऑर्गेनिक रंग केमिकल रंगों की तुलना में ज्यादा सुरक्षित होते हैं। लेकिन छोटे बच्चों के लिए इन्हें पूरी तरह रिस्क फ्री नहीं कहा जा सकता। कुछ बच्चों की स्किन सेंसिटिव होती है, जिससे प्राकृतिक चीजों से भी एलर्जी हो सकती है। इसलिए– बच्चों को रंग लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। हल्के ऑर्गेनिक गुलाल का ही इस्तेमाल करें। चेहरे पर न लगाएं तो बेहतर है।

त्योहारपर घर बनायें पान शाट्स, होली पार्टीका बनेगा परफेक्ट शो–स्टापर

होली रंगों और पकवानों का का त्योहार है। भारी-भरकम गुझिया और नमकीन खाने के बाद अक्सर मन करता है कि कुछ ऐसा मिले जो हाजमे में मदद करे और मुंह का स्वाद भी तरोताजा कर दे। अगर आप इस होली अपनी पार्टी में कुछ हटके ट्राई करना चाहते हैं, तो 'पान शॉट्स' से बेहतर कुछ नहीं हो सकता. यह एक ऐसा ड्रिंक है जो डेजर्ट और माउथ-फ्रेशनर दोनों का काम करता है। पान के पत्तों, ठंडी-ठंडी आइसक्रीम और खुशबूदार गुलकंद का यह मेल आपके मेहमानों की सारी थकान मिटा देगा।

क्यों खास है पान शॉट्स

अक्सर खाने के बाद पान खाने का रिवाज हमारे देश में पुराना है. पान शॉट्स उसी परंपरा का एक मॉडर्न और कूल वर्जन है. इसमें इस्तेमाल होने वाले पान के पत्ते और सौंफ पाचन में मदद करते हैं, जबकि गुलकंद और वनीला आइसक्रीम इसे एक क्रीमी और मीठा अहसास देते हैं। हर घूंट में आपको वो ताजगी मिलेगी जो भीषण गर्मी और रंगों की थकान के बीच संजीवनी का काम करेगी,जरूरी सामग्री-कलकत्ता पान के पत्ते- 4 (छोटे टुकड़ों में तोड़े हुए) गुलकंद- 4 बड़े चम्मच,पान मसाला (मीठा): 2.5 बड़े चम्मच (किसी भी पान की दुकान पर उपलब्ध) सौंफ। 1 छोटा चम्मच,वनीला आइसक्रीम: 2.5 कप बर्फ के टुकड़े- 10,पत्ते तैयार करें- सबसे पहले कलकत्ता पान के ताजे पत्ते लें। इन्हें अच्छे से धोकर हाथों से छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ लें और ब्लेंडर में डालें,मसाले मिलाएं- अब ब्लेंडर में गुलकंद, मीठा पान मसाला और सौंफ डालें। अगर आपको गुलकंद न मिले तो आप चीनी और रोज सिरप डाल सकते हैं, लेकिन असली स्वाद गुलकंद से ही आता है,ठंडक और क्रीमीनेस- इसमें बर्फ के टुकड़े और वनीला आइसक्रीम मिलाएं. बर्फ न केवल इसे ठंडा रखेगी बल्कि ड्रिंक को एक अच्छी बनावट भी देगी। अगर आप आइसक्रीम नहीं डालना चाहते, तो फुल फैट गाढ़ा दूध भी इस्तेमाल कर सकते हैं।,ब्लेंड करें। मिक्सर का ढक्कन बंद करें और इसे तब तक चलाएं जब तक कि सारा मिश्रण एक स्मूथ और क्रीमी ड्रिंक न बन जाए.,फ्रिज में रखें। तैयार मिश्रण को एक कांच के जार में निकालें और कम से कम 1 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। यह कदम बहुत जरूरी है क्योंकि इससे सभी मसालों और पान का स्वाद निखरकर आता है.,सर्व करें। परोसने से पहले इसे छोटे 'शॉट ग्लासेस' में निकालें। ऊपर से बारीक कटे पिस्ता, बादाम या थोड़ा और पान मसाला डालकर गार्निश करें। होली पर अक्सर बहुत ज्यादा तला-भुना खाना खाया जाता है। ऐसे में यह ठंडा पान शॉट न केवल स्वाद बदलता है बल्कि भारीपन को भी कम करता है। इसे बनाना इतना आसान है कि आप मेहमानों के आने से पहले ही इसे बनाकर फ्रिज में रख सकते हैं और ऐन वक्त पर बस शॉट ग्लासेस में डालकर सर्व कर सकते हैं। प्रो टिप: अगर आप इसे बच्चों के लिए बना रहे हैं, तो इसमें टूटी-फ्रूटी भी डाल सकते हैं, जो उन्हें बहुत पसंद आएगी।

दुनिया का सबसे बड़ा पत्ता जिसमें छिप जाये पूरा आदमी

क्या आपको मालूम है कि दुनिया में किसी पेड़ पर लगने वाला वो बड़ा पत्ता कौन सा है, जिसको अगर सामने रखें तो उसके पीछे पूरा का पूरा आदमी छिप जाए। चौड़ा भी खूब और लंबा भी, जैसा आप इस चित्र में देख ही रहे हैं कि ये पत्ता इतना लंबा चौड़ा है कि इसके पीछे एक शख्स अगर खड़ा हो जाए तो सामने से नजर ही नहीं आएगा। ये अमेजन के जंगलों के एक पेड़ पर लगता है। ये ब्राज़ील के अमेजन में पाया जाता है। माना जाता है कि ये कोकोलोबा गिगांटिफोलिया नाम के वृक्ष की प्रजाति का पत्ता है। इसके विशाल पत्ते 2.5 मीटर (8 फीट) तक लंबे हो सकते हैं तो कम से कम एक से दो मीटर चौड़ा। हालांकि ये दुर्लभ पेड़ है। इसकी प्रजाति को बचाने में वैज्ञानिक लगे हुए हैं। 1982 में ब्राज़ील के अमेजन में घूमते हुए वनस्पतिशास्त्रियों ने पहली बार अज्ञात कोकोलोबा वृक्ष का एक पौधा देखा। उनके पत्ते इतने बड़े थे कि वो उसे चाहकर भी नहीं ला पाए। तब शोधकर्ताओं ने उसकी तस्वीरें जरूर खींचीं थीं। उसके बाद हाल ही में वैज्ञानिकों ने इसे फिर अमेजन के जंगलों में देखा। आप आइए आपको एक पत्ते के बारे में बताते हैं जो 20-25 मीटर तक ऊंचा हो सकता है और इसे दुनिया का सबसे लंबा पाम पत्ता कहते हैं। इसके पत्ते पृथ्वी पर जमीन पर होने वाले किसी पेड़ के सबसे बड़े और लंबे पत्ते माने जाते हैं। ये 3-4 मीटर तक चौड़ा, यानी एक पत्ता लगभग 8 से 9 मंजिला इमारत जितना लंबा हो सकता है। ध्यान दें ये एक पत्ता ही होता है, कई पत्तियों का गुच्छा नहीं। ये मध्य अफ्रीका में पाया जाता है। इससे रस्सियां, छप्पर, चटाइयां बनती हैं। स्थानीय लोग इससे झोपड़ी की पूरी छत ढक देते हैं। एक ही पत्ता काफी होता है। इस पेड़ को साइंस की भाषा में राफिया रेंगालिज कहा जाता है।

बेशक आप कहें कि केला का पत्ता भी 2 से 3 मीटर लंबा होता है और नारियल का पत्ता 4 से 6 मीटर, लेकिन ये दोनों ही दुनिया के बड़े पत्ते नहीं माने जाते। ये लंबे तो होते हैं लेकिन इनकी चौड़ाई ज्यादा नहीं होती। एक पेड़ होता है मैकेरेंगा गिगांटी, इसका पत्ता भी काफी बड़ा होता है। ये गोल होता है। इसका व्यास 1-1.5 मीटर तक होता है। ये किसी छाते या गोल टेबल जैसा होता है। ये पूरी तरह गोल पत्ता होता है। ये मलेशिया, इंडोनेशिया जैसे देशों में होता है। ये पत्ता इतना बड़ा होता है कि स्थानीय लोग इससे बारिश का छाता बना लेते हैं। बंदर और पक्षी इसे प्लेट की तरह इस्तेमाल करते देखे गए हैं। पत्तियों की दुनिया हैरान करने वाली चीजें भी होती हैं। जैसे कांटों वाला खतरनाक पत्ता। ये एगेवे अमेरिकाना पेड़ का पत्ता होता है। इस पत्ते के किनारे उस्तरे जैसे कांटे होते हैं, और ये कड़ा होता है। शरीर में घुस सकता है। इसका इस्तेमाल पहले सूई के रूप में भी होता था। जिसमें एक सुराख करके धागा डाला जाता था और इससे कपड़े सिले जाते थे। हथियार की तरह भी इसका इस्तेमाल होता है। डेंड्रोक्नाइड मोरोक्साइड पेड़ का पत्ता इतना खतरनाक होता है कि इसको छूने भर से पूरे शरीर में जलन और चुभन महसूस होने लगती है। आस्ट्रेलिया में इसे सुसाइड प्लांट भी कहा जाता है। इसे छूने का मतलब है महीनों का दर्द झेलना। इसके पत्तों में बाल जैसे रोएं होते हैं, जो स्किन के स्पर्श में आते ही डंक जैसा मारते हैं। इसे पौधों की दुनिया का बिच्छू कहा जाता है, क्या सबसे बदबूदार पत्ते के बारे में सुना है या सबसे तीखी गंध वाले पत्ते के बारे में। ये पाइपर बैटल के नाम से जाना जाता है। इसमें तीखी जैविक गंध, इसे अगर चबाएं तो जीभ पर सुगंधित तेल जैसा महसूस होता है। इसके आसपास कीड़े नहीं फटकते। इसका इस्तेमाल इस तरह के द्रव में किया जाता है, जहां मच्छर और कीड़ों को भगाना है। ये आयुर्वेदिक एंटीसेप्टिक का काम भी करता है, और दुनिया का सबसे कीमती पत्ता कौन सा माना जाता है। दुनिया का सबसे ज्यादा पिया जाने वाला कीमती पेय इसी पत्ते से तैयार होता है। इसे चाय का पत्ता कह सकते हैं। इसकी कुछ किस्में तो सोने से महंगी होती हैं। खासकर व्हाइट टी बड्स। एक पत्ता ऐसा भी है जो मांस खाता है। नेपेंथेस रेजा नाम के पौधे का ये पत्ता ही घड़ा बन जाता है। कीड़े ही नहीं, कभी-कभी चूहे तक पचाता है। मिमोसा पुदीका नाम के पौधे के पत्ते रात में मुड़ जाता है और रात में खुद को बंद करके सोता है। गिंकोगो बिलोबा नाम के पौधे के पत्ते अपना रंग बदलते रहते हैं। कभी हरा से सुनहरा तो कभी कुछ और और रंग का हो जाता है।

इस गांव में आग से खेली जाती है होली

होली रंगों का त्योहार है और फाल्गुन पूर्णिमा को बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। यह भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है, जिसमें लोग एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, नए कपड़े पहनते हैं और मिठाइयां बांटकर खुशियां मनाते हैं। लेकिन भारत की सांस्कृतिक विविधता के चलते, होली सिर्फरंग और गुलाल तक ही सीमित नहीं है। देश के विभिन्न हिस्सों में लोग इसे पानी, मिट्टी, राख, सब्जियां, लड्डू, फूल, गाय का गोबर, लठमार और यहां तक कि आग से भी खेलते हैं। जी हां, भारत में एक ऐसा गांव भी है जहां लोग सुरक्षा और परंपरा के साथ आग के बीच होली मनाते हैं, जो इस त्योहार को और भी अनोखा और साहसिक बना देता है। **मल्कार्नेम गांव की अनोखी परंपरा**- दक्षिण गोवा के पणजी से लगभग 80 किलोमीटर दूर स्थित मल्कार्नेम गांव अपने अनोखे उत्सव के लिए प्रसिद्ध है। यहां के लोग अपने शरीर पर गर्म अंगारे बरसाते हुए होली खेलते हैं। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है और इसे देखने वाले अक्सर हैरान रह जाते हैं। कई राज्यों में होली का त्योहार अगले दिन 'होलिका दहन' से शुरू होता है, जिसे बुराई के अंत का प्रतीक माना जाता है। लेकिन मल्कार्नेम गांव में लोग इसे बिल्कुल अलग तरीके से मनाते हैं। यहां होली केवल रंगों और खुशियों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह साहस, धैर्य और परंपरा का प्रतीक भी है। **आग से होली खेलने का साहसिक उत्सव**- गांव के लोग त्योहार के दौरान अपने शरीर पर अंगारों को सहन करते हैं और आग से खेलते हैं। यह दृश्य सुनने में भले ही डरावना लगे, लेकिन स्थानीय लोग इसे अपनी सांस्कृतिक पहचान और श्रद्धा का हिस्सा मानते हैं। हर साल, लोग इस उत्सव में भाग लेकर अपनी बहादुरी और परंपरा के प्रति सम्मान का परिचय देते हैं।

होलाष्टक के दौरान इन राशियों को बरतनी होगी सतर्कता

हिंदू पंचांग के अनुसार होली से आठ दिन पहले होलाष्टक की शुरुआत होती है। धार्मिक मान्यताओं में इस अवधि को मांगलिक कार्यों के लिए शुभ नहीं माना जाता। कहा जाता है कि इन दिनों ग्रहों की स्थिति उग्र रहती है, जिससे नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ सकता है। वर्ष 2026 में होलाष्टक का आरंभ 24 फरवरी 2026 से होगा और इसका समापन 3 मार्च 2026 को होलिका दहन के दिन होगा। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इस बार होलाष्टक का प्रभाव कुछ राशियों पर अधिक देखने को मिल सकता है।

आइए जानते हैं किन 6 राशियों को इस दौरान विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। **मेष राशि**- होलाष्टक का समय मेष राशि के जातकों के लिए चुनौतीपूर्ण रह सकता है। जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में विवाद की स्थिति बन सकती है। पारिवारिक तनाव और दांपत्य जीवन में मतभेद संभव हैं। इस दौरान धैर्य बनाए रखना आवश्यक होगा। पेट से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याएं भी परेशान कर सकती हैं, इसलिए खान-पान पर विशेष ध्यान दें। **कर्क राशि**- कर्क राशि वालों को सेहत को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। इन आठ दिनों में स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव संभव है। करियर से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय टालना बेहतर रहेगा। प्रेम संबंधों में विवाद से बचें, अन्यथा रिश्तों में दूरी आ सकती है। संयम और समझदारी से काम लेना लाभकारी रहेगा। **सिंह राशि**- सिंह राशि के जातकों को इस दौरान लोगों पर आंख मूंदकर भरोसा करने से बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में लापरवाही नुकसानदायक साबित हो सकती है। व्यापारियों को जोखिम भरे निवेश से बचना चाहिए। अचानक खर्च बढ़ने से आर्थिक दबाव महसूस हो सकता है। बजट संतुलित रखना जरूरी होगा। **वृश्चिक राशि**- वृश्चिक राशि के लिए होलाष्टक के आठ दिन कुछ बाधाएं लेकर आ सकते हैं। कार्यों में रुकावट और आर्थिक तंगी की स्थिति बन सकती है। रिश्तों में भी तनाव संभव है। पार्टनर की भावनाओं को समझना और संवाद बनाए रखना जरूरी रहेगा। धैर्य और संयम से स्थिति संभाली जा सकती है। **कुंभ राशि**- कुंभ राशि के जातकों को आर्थिक मामलों में विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। इस दौरान बड़ा निवेश करने या किसी को धन उधार देने से बचें। वाहन चलाते समय सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। स्वास्थ्य और वित्त दोनों मामलों में सतर्कता आवश्यक है। **मीन राशि**- मीन राशि के नौकरीपेशा और कारोबारी लोगों को कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। काम में रुकावटें और खर्चों में वृद्धि तनाव का कारण बन सकती है। पारिवारिक जीवन में भी मतभेद संभव हैं। रिश्तों में किसी तीसरे व्यक्ति की दखलअंदाजी से बचें और संवाद बनाए रखें। **क्या रखें ध्यान ?** होलाष्टक में विवाह, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य न करें। महत्वपूर्ण वित्तीय निर्णय टालना बेहतर हो सकता है। पूजा-पाठ, दान-पुण्य और संयम से समय बिताना शुभ माना जाता है। होलाष्टक को आध्यात्मिक दृष्टि से आत्मचिंतन और सावधानी का समय माना गया है।

खाना खाने के बाद पानी पीना गलत नहीं, बस जान लो कुछ तरीके

अक्सर बड़े-बुजुर्ग कहते हैं खाना खाने के तुरंत बाद पानी मत पियो, वरना पाचन खराब हो जाएगा। लेकिन क्या यह सलाह सच में वैज्ञानिक रूप से सही है? विशेषज्ञों के अनुसार सामान्य मात्रा में पानी पीना नुकसानदायक नहीं है। हमारा पेट बहुत समझदारी से काम करता है। जब हम खाना खाते हैं, तो पेट में गैस्ट्रिक जूस और एंजाइम बनते हैं जो भोजन को पचाते हैं। थोड़ी मात्रा में पानी इन एंजाइम्स को 'पतला' करके बेअसर नहीं करता। यानी यह धारणा कि पानी पाचन रस को खत्म कर देता है वैज्ञानिक रूप से सही नहीं है। **फिर यह मिथक कैसे बना ?** कुछ लोगों को खाना खाने के तुरंत बाद ज्यादा पानी पीने से पेट फूलना, भारीपन,एसिडिटी, डकार जैसी समस्या हो सकती है। इसलिए अनुभव के आधार पर यह सलाह फैल गई कि पानी मत पियो। हड्डियों और जोड़ों के डॉक्टर बताते हैं कि शरीर में सही हाइड्रेशन बहुत जरूरी है। पानी शरीर के जोड़ों में लुब्रिकेशन बनाए रखता है, डिस्क और कार्टिलेज को स्वस्थ रखने में मदद करता है, मांसपेशियों के काम करने में सहायक है। इसलिए पानी से बचना नहीं, बल्कि संतुलन रखना जरूरी है। **सही तरीका क्या है ?** खाना खाते समय छोटे-छोटे घूंट में पानी पी सकते हैं।, बहुत ज्यादा ठंडा पानी तुरंत बाद न पिएं। भारी भोजन के बाद 20,30 मिनट में सामान्य मात्रा में पानी लेना बेहतर है। पूरे दिन 7,8 गिलास पानी जरूर पिएं। जिन्हें एसिडिटी या डकार की समस्या है, जिनका पाचन कमजोर है, जिन्हें पेट में जल्दी गैस बनती है ऐसे लोग खाने के तुरंत बाद बहुत ज्यादा पानी न पिएं। खाने के बाद पानी बिल्कुल नहीं पीना चाहिए, यह पूरी तरह वैज्ञानिक रूप से सही सलाह नहीं है।

डिजिटल अरेस्ट का खौफ जारी

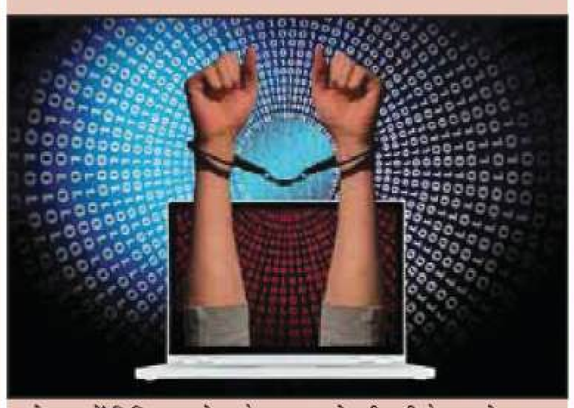

देशभर में डिजिटल अरेस्ट के नाम पर हो रही ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। हाल ही में 86 वर्षीय रिटायर्ड बैंक मैनेजर से करीब 1.3 करोड़ रुपये ठग लिए गए। ठगों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर वीडियो कॉल पर वर्दी में बात की और फर्जी गिरफ्तारी वारंट दिखाया। उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी दी गई और डिजिटल निगरानी में होने का दावा किया गया. डर के माहौल में उनसे कई खातों में रकम ट्रांसफर करवाई गई। बाद में परिवार को शक हुआ तो मामला उजागर हुआ और जांच शुरू हुई। इसी तरह इरिंजालकुड़ा में एक 84 वर्षीय उद्योगपति से 5.4 करोड़ रुपये और एक बुजुर्ग दंपती से 1.5 करोड़ रुपये ठगे गए. कहीं खुद को प्रवर्तन एजेंसी का अधिकारी बताया गया, तो कहीं आधार कार्ड को आतंकी मामले से जोड़ने का झूठा आरोप लगाकर डर पैदा किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, यह सिर्फ साइबर क्राइम नहीं बल्कि मानसिक नियंत्रण की रणनीति है। ठग तीन हथियारों का इस्तेमाल करते हैं-अधिकार , जल्दबाजी और गोपनीयता जब किसी को बताया जाता है कि उसके नाम पर गिरफ्तारी वारंट है या वह जांच के घेरे में है तो सबसे पहले उसकी प्रतिष्ठा बचाने की चिंता हावी हो जाती है। इसी दबाव में लोग बिना सत्यापन के निर्देश मान लेते हैं। अचानक खतरे का संकेत मिलने पर दिमाग फाइट या फ्लाइट मोड में चला जाता है. ऐसे समय में तर्कशील सोच कमजोर पड़ जाती है और व्यक्ति तुरंत राहत पाने के लिए कदम उठाता है। वीडियो कॉल पर वर्दी, आधिकारिक बैकग्राउंड, कानूनी भाषा और नकली दस्तावेज दिखाकर ठग वास्तविकता जैसा माहौल बना देते हैं. हमारा दिमाग जो देखता है उसे सच मानने लगता है यही उनकी सबसे बड़ी चाल है.शिक्षा व्यक्ति को जानकारी तो देती है लेकिन भावनात्मक दबाव से पूरी तरह सुरक्षित नहीं बनाती। उच्च पद या सामाजिक प्रतिष्ठा रखने वाले लोग बदनामी के डर से और जल्दी घबरा जाते हैं। ठग इसी इमेज पर वार करते हैं जैसे आधार या बैंक खाते को जांच से जोड़कर इसे व्यक्तिगत हमला बना देना.ठग पूछताछ जैसी शैली अपनाते हैं कड़े लहजे में बात, लगातार निगरानी का एहसास और कॉल काटने पर कानूनी कार्रवाई की धमकी। पीड़ित को लगता है कि कॉल छोड़ना और भी ज्यादा जोखिम है। लगातार दबाव से मानसिक थकान बढ़ती है और अंत में जो कहा जा रहा है वही कर देना आसान विकल्प लगने लगता है।विशेषज्ञ मानते हैं कि सिर्फ यह जान लेना कि ऐसा स्कैम होता है, पर्याप्त नहीं है। लोगों को भावनात्मक अभ्यास की जरूरत है जैसे घबराहट की स्थिति में खुद से कहना, मैं कॉल काटकर आधिकारिक नंबर से पुष्टि करूंगा।

पैरों में सोने के गहने पहनना क्यों माना जाता है अशुभ ?

सोने के गहने महिलाओं की सुंदरता में चार चांद लगाते हैं और हिंदू संस्कृति में इनका विशेष महत्व भी है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पैरों में सोने के गहने पहनना शुभ नहीं माना जाता? धार्मिक मान्यताओं और वैज्ञानिक कारणों के अनुसार, कमर के नीचे सोने के आभूषण पहनने से व्यक्ति को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आइए विस्तार से समझते हैं इसके पीछे की वजह। हिंदू धर्म में सोना, चांदी और हीरे के गहनों को शुभ माना गया है। खासतौर पर शादीशुदा महिलाएं सोने और चांदी के आभूषण पहनती हैं। जहां ये गहने सौंदर्य बढ़ाते हैं, वहीं गलत स्थान पर पहने जाएं तो नकारात्मक प्रभाव भी डाल सकते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सोने के गहने कभी भी कमर के नीचे नहीं पहनने चाहिए। ऐसा करने से जीवन में आर्थिक, मानसिक और पारिवारिक परेशानियां बढ़ सकती हैं। **वैज्ञानिक कारण: शरीर के तापमान से जुड़ा है संबंध**- वैज्ञानिक दृष्टि से माना जाता है कि सोना शरीर में गर्मी बढ़ाता है, जबकि चांदी शरीर को ठंडक प्रदान करती है। इसी वजह से परंपरा में कमर के ऊपर सोने और कमर के नीचे चांदी के आभूषण पहनने की सलाह दी जाती है, ताकि शरीर की ऊर्जा और तापमान संतुलित बना रहे। यदि पैरों में सोने के गहने पहने जाएं, तो इससे शरीर में ऊर्जा का संतुलन बिगड़ सकता है, जिसके कारण थकान, चिड़चिड़ापन और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। **धार्मिक कारण: भगवान विष्णु और लक्ष्मी से जुड़ी मान्यता**- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सोना देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है और यह भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। ऐसे में पैरों में सोने के गहने, जैसे पायल या बिछिया पहनना देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु का अपमान माना जाता है। मान्यता है कि इससे भगवान विष्णु नाराज हो जाते हैं और लक्ष्मी जी रूठकर घर से चली जाती हैं, जिसके परिणामस्वरूप आर्थिक तंगी, कलह और पारिवारिक परेशानियां शुरू हो सकती हैं। **इसलिए पैरों में पहनें चांदी के गहने**- इसीलिए पैरों में चांदी के गहने पहनने की परंपरा है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार पायल, बिछिया और पैरों के अन्य आभूषण हमेशा चांदी के बने होने चाहिए, न कि सोने के। चांदी को धार्मिक रूप से शुभ माना जाता है और यह शरीर को ठंडक प्रदान करती है, जिससे स्वास्थ्य संतुलन बना रहता है। यही कारण है कि परंपरा में पैरों के लिए चांदी के गहनों को उचित और लाभकारी माना गया है। सोने के गहने भले ही सुंदर और कीमती हों, लेकिन उन्हें सही स्थान पर पहनना बेहद जरूरी है। धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों ही दृष्टिकोण से पैरों में सोने के गहने पहनना अशुभ माना गया है। इसलिए परंपराओं का पालन करें और गहनों को सही तरीके से धारण करें, ताकि जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहे।

अपनी जिंदगी

वर्षों की सेवा

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

जो व्यक्ति जिम्मेदारी लेते हैं, वह अक्सर प्रार्थना नहीं करते, और कई बार, जो प्रार्थना करते हैं वह जिम्मेदारी नहीं लेते। आध्यात्म से यह दोनों एक साथ सम्भव हैं। सेवा और साधना साथ साथ चलते हैं। जितना आप ध्यान में गहरे उतरते हैं, उतना ही आप अपना आनंद दूसरों के साथ बाँटना चाहते हैं। यदि आप दूसरों की सेवा करते हैं, आपको उसका पुण्य प्राप्त होता है। कई लोग केवल इसलिए सेवा करते हैं क्योंकि उससे उन्हें अत्यधिक लाभ व पुण्य प्राप्त होता है। यदि लोग प्रसन्न होते हैं, उन्हें ऐसा आभास होता है कि शायद कभी भूतकाल में उन्होंने कुछ सेवा करी होगी। उसी तरह, यदि आप खुश नहीं, तो सेवा कीजिए; आपका मनोबल बढ़ेगा और आप आनन्दित महसूस करेंगे। जितना आप दूसरों को देंगे, उतनी ही शक्ति व उतना ही प्राचुर्य आपके जीवन में आएगा। जब हम जीवन में सेवा को प्रथम स्थान देते हैं, भय का नाश करता है, हमारे मन में एकाग्रता आती है, हमारे कर्मों में निरुद्देश्यता आती है और हम आनंदित रहते हैं। जब हम सेवा करते हैं, हम स्वयं ही सहज हो जाते हैं और हममें मानवीय मूल्यों का उत्थान होता है, इससे हम एक भयरहित और अवसाद रहित समाज का निर्माण करने में सक्षम होते हैं। युवाओं के लिए, आध्यात्म का लक्ष्य दूसरों के साथ बाँटने के गुण को और आत्मविश्वास को विकसित करना है। यदि आपके भीतर सेवा करने का भाव जागता है, तब आप अपनी चिंता न करें; यह दिव्यता आपका ध्यान रखेगी। आप पैसे की भी ज्यादा चिंता न करें। यदि आप प्रेम और कृतज्ञता से भरपूर हैं, तब वहाँ भय का स्थान नहीं। सेवा अवसाद का सबसे बेहतरीन उपचार है। जिस भी दिन आप निराश व दु:खी महसूस करें, बाहर निकलें और लोगों से पूछें, मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ? आप जो भी सेवा करेंगे वह आपके भीतर एक आंदोलन लाएगी। जब आप यह पूछते हैं कि मैं ही क्यों? अथवा मेरा क्या? तब ही आप दु:खी होते हैं। इससे अच्छा तो होगा कि आप कुछ प्राणायाम करें, सुदर्शन क्रिया करें और प्रतिदिन कुछ क्षण का मौन रखें। यह आपके मन और शरीर को ऊर्जावान बनाएगा और आपकी ऊर्जा का स्तर बढ़ाएगा।

जब हम जीवन में सेवा को प्रथम स्थान देते हैं, भय का नाश करता है, हमारे मन में एकाग्रता आती है, हमारे कर्मों में निरुद्देश्यता आती है और हम आनदित रहते हैं। जब हम सेवा करते हैं, हम स्वयं ही सहज हो जाते हैं और हममें मानवीय मूल्यों का उत्थान होता है, इससे हम एक भयरहित और अवसाद रहित समाज का निर्माण करने में सक्षम होते हैं।

रंग-संसार

पूनम पांडे ने वृंदावन में किये बांके बिहारी के दर्शन

वैसे तो एक्ट्रेस पूनम पांडे को उनके बोल्ड बयान और कपड़ों को लेकर ही जाना जाता है लेकिन हाल ही में उनका एक अलग ही अंदाज देखने को मिला। वह इन दिनों कृष्ण नगरी यानी कि वृंदावन में हैं जहां उन्हा आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद महाराज जी के दर्शन किए। इस दौरान वह काफी भावुक हो गई और फूट-फूट कर रोने लगी। उनके फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। प्रेमानंद महाराज जी से वृंदावन के श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में मिलने हजारों की संख्या में भक्त आते हैं और अपने जीवन के कष्टों को बयां करके मार्ग दर्शन मांगते हैं। इन्हीं भक्तों की भीड़ में पूनम पांडे भी नजर आई। वह आखों में आंसू लिए महाराज जी के प्रवचन सुनती नजर आई। बहुत ही विश्वास से पूनम पांडे ने अपने दोनों हाथों को ऊपर उठाया हुआ है। उनका यह रूप शायद पहले कभी किसी ने नहीं देखा होगा। इस दौरान एक्ट्रेस गुलाबी रंग के सूट में नजर आई।एक वीडियो में देखा गया कि वह वो मथुरा की गलियों का आनंद ले रही हैं और बांके बिहारी के दर्शन कर रो पड़ती हैं। उनके तस्वीरों पर लोग तरह- तरह के कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ले लिखा- अब तुम महाराज जी की शरण में आ गई हो तो दोबारा कोई गलत काम मत करना।

हर पल धर्मेन्द्र को याद करती हैं हेमा

दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र 24 नवंबर 2025 को इस दुनिया को अलविदा कह गए थे। उनके निधन से उनके फैंस को बड़ा झटका लग था। वहीं, उनकी फैमिली अभी भी एक्टर को खोने के गम से बाहर नहीं आ पा रही है। हाल ही में जब 79वें ब्रिटिश एकेडमी फिल्म पुरस्कार यानी बाफ्टा में दिवंगत एक्टर को श्रद्धांजलि दी गई तो उनकी पत्नी हेमा मालिनी भावुक हो गई और कहा कि वह हर पल उन्हें याद करती हैं। बाफ्टा अवॉर्ड सेरेमनी में धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि दिए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए हेमा मालिनी ने कहा जिस तरह बाफ्टा में उन्हें याद किया गया, यह ट्रिब्यूट उनके लिए दिल को छू लेने वाला था, क्योंकि धर्मेंद्र की लोकप्रियता सरहदों से परे थी। हेमा मालिनी ने कहा कि धर्मेंद्र सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के स्टार थे। वह ऐसी शख्सियत थे जिनकी चमक सरहदों से कहीं आगे तक फैली हुई थी। उनके चाहने वाले दुनिया के हर कोने में मौजूद थे। हे भगवान, विदेशों में लोग उन्हें देखकर जिस तरह दीवाने हो जाते थे, वह सचमुच हैरान कर देने वाला नजारा होता था। दिवंगत पति के साथ अपनी यादों को ताजा करते हुए हेमा मालिनी ने कहा-हम दोनों ही काफी व्यस्त रहते थे। करियर के पीक पर हम दोनों के पास ही समय नहीं होता था।

बिली जीन किंग कप के लिए भारतीय महिला टीम घोषित, वैष्णवी आडकर को मिला पहली बार मौका

नई दिल्ली। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने बिली जीन किंग कप एशिया-ओशिआनिया ग्रुप-क्र टूर्नामेंट के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा कर दी है। 7 से 11 अप्रैल तक यह प्रतियोगिता दिल्ली के डीएलटीए स्टेडियम में खेली जाएगी। 21 वर्षीय वैष्णवी आडकर को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। एआईटीए के आधिकारिक बयान के अनुसार 2 मार्च 2026 को प्रोफ़ेशनल चयन समिति की बैठक में रैंकिंग, प्रदर्शन और उपलब्धता के आधार पर पांच खिलाड़ियों का चयन किया गया। टीम में सहजा यमलापल्ली, वैष्णवी आडकर, श्रिवल्ली भामिडिपाटी, ऋतुजा भोसले और अंकिता रैना को जगह दी गई है, जबकि वैदेही चौधरी को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में रखा गया है। टीम के कप्तान विशाल उप्पल होंगे और कोच की जिम्मेदारी राधिका कनितकर निभाएंगी।

पुणे की रहने वाली वैष्णवी आडकर ने पिछले महीने बेंगलुरु में आईटीएफ डब्ल्यू100 टूर्नामेंट में वाइल्डकार्ड के तौर पर भाग लेते हुए उपविजेता बनकर सबका ध्यान खींचा था। इसके साथ ही वह भारत की नई नंबर-2 खिलाड़ी बन गईं। वह 2009 में सानिया मिर्ज़ा (पटाया ओपन, डब्ल्यूटीए 250) के बाद डब्ल्यू100 या उससे ऊंचे स्तर के टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

इस प्रदर्शन के दम पर वैष्णवी ने डब्ल्यूटीए रैंकिंग में लंबी छलांग लगाते हुए 690 से 466 तक पहुंच बनाई। फिलहाल वह 468वीं रैंक पर हैं और उनसे आगे केवल सहजा (विश्व रैंकिंग 393) हैं। श्रिवल्ली (520) भारत की नंबर-3 खिलाड़ी हैं। सिंगल्स में इन तीनों पर टीम की जिम्मेदारी होगी।

डबल्स वर्ग में अंकिता रैना (विश्व रैंकिंग 169) को प्रार्थना ठोंबरे (157) से पहले चुना गया है। वह शीर्ष वरीय भारतीय डबल्स खिलाड़ी ऋतुजा भोसले (विश्व रैंकिंग 122) के साथ जोड़ी बना सकती हैं। श्रिवल्ली भी डबल्स में सक्षम खिलाड़ी मानी जाती हैं। मेजबान भारत के अलावा इंडोनेशिया, कोरिया गणराज्य, न्यूजीलैंड, मंगोलिया और थाईलैंड इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेली जाएगी। अंत में शीर्ष दो टीमें प्रमोशन पाकर साल के अंत में बीजेके कप प्ले-ऑफ्स में जगह बनाएंगी।

पिछले वर्ष एशिया-ओशिआनिया ग्रुप-क्र मुकाबले पुणे में खेले गए थे। कप्तान विशाल उप्पल के मार्गदर्शन में भारत ने कोरिया, थाईलैंड, चाइनीज ताइपे और हांगकांग को हराकर न्यूजीलैंड के बाद दूसरा स्थान हासिल किया और इतिहास में दूसरी बार प्ले-ऑफ्स के लिए क्वालीफाई किया था। उस अभियान में श्रिवल्ली ने पांचों सिंगल्स मुकाबले जीतकर अहम भूमिका निभाई थी, जबकि वैदेही ने दो सिंगल्स जीत दर्ज की थीं।

एशियन कप में भारत की नई शुरुआत, पर्थ में वियतनाम से होगा पहला मुकाबला

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) । चार साल के इंतजार और निराशा के बाद भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम 4 मार्च को अपने एशियन कप अभियान की शुरुआत करेगी। 67वीं रैंकिंग वाली 'ब्लू टाइग्रेसेस' एएफसी महिला एशियन कप 2026 में अपना पहला मुकाबला वियतनाम के खिलाफ पर्थ रेक्टैंगुलर स्टेडियम में खेलेगी। मैच भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे शुरू होगा। भारतीय टीम एक नए जोश और आत्मविश्वास के साथ ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अपने अभियान की शुरुआत करने को तैयार है। भारतीय टीम का पिछला एशियन कप अभियान 2022 में घरेलू धरती पर अचानक समाप्त हो गया था, जब टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा था। हालांकि पिछले वर्ष क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन कर टीम ने इस बार दमदार वापसी की है। यह पहला अवसर है जब भारत ने मेरिट के आधार पर एशियन कप के लिए क्वालीफाई किया है।

इस साल की शुरुआत में टीम की मुख्य कोच नियुक्त हुईं कोस्टा रिका की अमेलिया वाल्वेर्दे ने कहा, ह्लवह चार साल पहले की बात है। जिंदगी में संयोग नहीं होते और हमें खुद को साबित करने का एक और मौका मिला है। यह हमारे लिए अपनी टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का नया अवसर है।ङ्क

12 टीमों वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार टीमों को सीधे फीफा महिला विश्व कप 2027 (ब्राजील) का टिकट मिलेगा। क्वार्टरफाइनल में हारने वाली चार टीमों में से दो को अतिरिक्त प्ले-ऑफ के जरिए सीधा प्रवेश मिलेगा, जबकि बाकी दो टीमों को प्ले-ऑफ टूर्नामेंट में मौका मिलेगा। एशियन कप की तैयारी के लिए भारतीय टीम ने 52 दिन का लंबा प्रशिक्षण शिविर किया, जो तीन महाद्वीपों में फैला रहा। टीम ने शुरुआत गुरुग्राम से की, फिर तुर्किये के अंताल्या में अभ्यास किया और टूर्नामेंट से तीन सप्ताह पहले पर्थ पहुंचकर मौसम के अनुकूल खुद को ढाला। वाल्वेर्दे ने कहा, ह्लपिछले कुछ हफ्तों में हमने कड़ी मेहनत की है। टीम के भीतर सर्वश्रेष्ठ परिणाम हासिल करने का जबरदस्त उत्साह है। हम अपनी जिम्मेदारियों को समझते हैं और मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हैं। प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय कोच ने वियतनाम की सराहना करते हुए कहा कि वे मजबूत टीम हैं, जिन्होंने पिछला विश्व कप खेला है और लंबे समय से कोच माई डुक चुंग के मार्गदर्शन में खेल रही हैं।

प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को मिल रहा सम्मान : यादविंद्र गोमा

धर्मशाला । प्रदेश सरकार खेल और खिलाड़ी को हर हाल में बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे न केवल युवा नशे से दूर रहेंगे बल्कि नशे पर करारी चोट करने के लिए भी सरकार का यह कदम कारगर है। जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र के पंचरुखी में 22वीं अखिल भारतीय डॉ. वाईएस परमार वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मंत्री यादविंद्र गोमा ने यह बात कही। वह इस प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। इस प्रतियोगिता में हरियाणा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि दूसरे स्थान पर भारतीय सेना और तीसरा स्थान इंडियन नेवी की टीम को मिला। उन्होंने विजेता टीमों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को

प्रोत्साहन देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। हिमाचल के खिलाड़ी अन्तरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को सम्मान प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने अन्तरराष्ट्रीय खेल विजेताओं की सम्मान राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की है। मंत्री ने कहा कि ओलंपिक, शीतकालीन ओलंपिक तथा पैरालंपिक प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि 3 करोड़ रूपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रूपये की गई है। रजत पदक विजेताओं को अब 2 करोड़ रूपये के स्थान पर 3 करोड़ रूपये तथा कांस्य पदक विजेताओं को 1 करोड़ रूपये के स्थान पर 2 करोड़ रूपये दिए जा रहे हैं। मंत्री ने इस दौरान वॉलीबॉल खेल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली हरियाणा की टीम को ट्रॉफी प्रदान की। वहीं दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली भारतीय सेना और इंडियन नेवी की टीम को भी उन्होंने पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान मंत्री ने विभिन्न गणमान्य लोगों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कुल 8 टीमों ने भाग लिया।

आईसीसी रैंकिंग: स्मृति मंधाना बनीं नंबर-1 बल्लेबाज, गेंदबाजी में अलाना किंग ने एक्लेस्टोन का खत्म किया दबदबा

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के दम पर मंधाना 790 रेटिंग अंकों के साथ नंबर-1 बन गईं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट (782 अंक) को पीछे छोड़ा। वोल्वार्ड्ट के पास मार्च-अप्रैल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान फिर से शीर्ष स्थान हासिल करने का मौका रहेगा। ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली अपने अंतिम वनडे में शतक जमाकर 744 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहीं। उनके ऊपर बेथ मूनी (749) और

नीचे एशले गार्डनर (724) का स्थान है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर नौवें स्थान पर हैं, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स 12वें पायदान पर काबिज हैं।

महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की लेग स्पिनर अलाना किंग (775 अंक) ने शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन के लगभग चार साल लंबे नंबर-1 के वर्चस्व को समाप्त किया। किंग ने तीसरे वनडे में 10 ओवर में 33 रन देकर चार विकेट सहित कुल सात विकेट झटके और टीम को 185 रन की बड़ी जीत दिलाई। यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग है और पहली बार वह नंबर-1 बनी हैं। शीर्ष-8 गेंदबाजों में गार्डनर (तीसरा), एनाबेल सदरलैंड (पांचवां), मेगन शुट्ट (सातवां) और किम गर्थ (आठवां) भी शामिल हैं। भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की रैंकिंग में 10वें स्थान पर मौजूद हैं और शीर्ष-10 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में एशले गार्डनर 516 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं। वह वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज (418 अंक) से लगभग 100 अंक आगे हैं।

दीप्ति शर्मा ऑलराउंडर रैंकिंग में पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं। महिला क्रिकेट की ताजा रैंकिंग में भारत को बड़ी सफलता मिली है, जहां बल्लेबाजी में स्मृति मंधाना का शीर्ष स्थान टीम के लिए गर्व का विषय है।

आईसीसी ने टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल मैच के लिए नियुक्त किए अधिकारी

एजेंसी

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल मुकाबलों के लिए एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। पहला सेमीफाइनल बुधवार को कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले में ऑन-फील्ड अम्पायर के रूप में रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ जिम्मेदारी संभालेंगे। दो वर्ष पहले इसी चरण में दक्षिण अफ्रीका की जीत के दौरान भी इलिंगवर्थ मैदान पर मौजूद थे, जब प्रोटियाज ने अफगानिस्तान को 56 रन पर समेटकर नौ विकेट से जीत दर्ज की थी। कोलकाता में इस मैच के लिए नितिन मेनन तीसरे अम्पायर होंगे, रॉड टकर चौथे अम्पायर की भूमिका निभाएंगे, जबकि जवागल श्रीनाथ को मैच रेफरी नियुक्त किया गया है।

दूसरा सेमीफाइनल गुरुवार को मुंबई में भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जाएगा। इस मुकाबले में ऑन-फील्ड अम्पायर क्रिस गैफनी और अल्लाउद्दीन पालेकर होंगे। एड्रियन होल्डस्टॉक तीसरे अम्पायर, पॉल राइफल चौथे अम्पायर और एंडी पायकॉफ्ट मैच रेफरी की भूमिका में रहेंगे। वर्ष 2024 में इसी चरण में दोनों टीमें आमने-सामने हुई थीं, जहां भारत ने 68 रन से जीत दर्ज की थी और उस मैच में भी गैफनी अम्पायर थे। इस टूर्नामेंट में गैफनी भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के मुकाबलों में भी अम्पायरिंग कर चुके हैं। पालेकर इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड के मैचों के अलावा भारत बनाम नीदरलैंड्स मुकाबले में भी जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

आईपीएल में आरसीबी की 'होम ग्राउंड' पर वापसी, पांच मुकाबले चिन्नास्वामी में होंगे

एजेंसी

बेंगलुरु। डिफेंडिंग आईपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपने प्रशंसकों के लिए बड़ी खुशखबरी दी है। टीम इस सीजन अपने घरेलू मैदान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में वापसी करने जा रही है, जहां वह अपने पांच घरेलू मुकाबले खेलेगी। फ्रेंचाइज़ी की ओर से जारी बयान के अनुसार आईपीएल 2026 अभियान के बाकी दो घरेलू मैच पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, रायपुर में आयोजित किए जाएंगे। आरसीबी ने कर्नाटक सरकार, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) और कर्नाटक पुलिस का विशेष आभार जताया है। फ्रेंचाइज़ी के अनुसार, सभी संबंधित प्राधिकरणों के साथ कई महीनों की कड़ी मेहनत और समन्वय के बाद यह संभव हो सका है। आईपीएल सीजन से पहले बुनियादी ढांचे और सुरक्षा

प्रबंधों को सुदृढ़ करने के सामूहिक प्रयासों से टीम को अपने घरेलू मैदान पर अधिकतर मुकाबले खेलने का अवसर मिला है। आरसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश मेनन ने कहा, ह्लएम. चिन्नास्वामी स्टेडियम सिर्फ हमारा घरेलू मैदान नहीं है, बल्कि यहीं हमारी टीम की पहचान जीवंत होती है। बेंगलुरु में हमारे प्रशंसकों की ऊर्जा हमेशा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रही है। हमारे फैंस ने हर परिस्थिति में हमारा साथ दिया है और वे अपनी टीम को घरेलू मैदान पर खेलते देखने के हकदार हैं।

उन्होंने आगे कहा, आवश्यक अनुमतियों की प्रक्रिया पूरी करने और विस्तृत चर्चा के बाद हमें यह पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है कि आरसीबी बेंगलुरु में पांच मुकाबले खेलेगी।

मध्य-पूर्व में हवाई क्षेत्र बंद होने से वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे टीम की स्वदेश वापसी टली

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे की टीमें टी20 विश्व कप 2026 से बाहर होने के बाद भी भारत से स्वदेश नहीं लौट सकीं। मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष के कारण कई देशों ने अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है, जिससे उनकी वापसी टल गई है।

वेस्टइंडीज को रविवार को मेजबान भारत के खिलाफ पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद वह सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी। वहीं जिम्बाब्वे सुपर 8 चरण में अपने सभी तीन मुकाबले हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के चलते खाड़ी क्षेत्र के कई देशों में हजारों उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इससे दुनिया के व्यस्ततम ट्रांजिट हब प्रभावित हुए हैं और अंतरराष्ट्रीय यात्राएं बाधित हुई हैं।

जिम्बाब्वे क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर कहा, ह्लजिम्बाब्वे पुरुष टीम भारत में सुरक्षित है। टीम की वापसी दुबई होते हुए निर्धारित थी, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों के कारण यात्रा स्थगित कर दी

गई है।

वहीं क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि वह खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए खेल की वैश्विक संस्था अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साथ मिलकर काम कर रहा है। दुबई मुख्यालय वाली आईसीसी ने पहले ही अपने कर्मियों के लिए वैकल्पिक योजना सक्रिय करने की बात कही थी, क्योंकि कई अधिकारी दुबई के रास्ते अपने-अपने देशों को लौटने वाले थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने अपने बयान में कहा, ह्लहमारे खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों की सुरक्षा और भलाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शेयर बाजार में आज होली की छुट्टी, बीएसई और एनएसई पर नहीं होगी ट्रेडिंग

एमसीएक्स पर शाम के सत्र में होगा सामान्य कारोबार

नई दिल्ली। होली के अवसर पर घरेलू शेयर बाजार में आज छुट्टी है। देश के कई हिस्सों में होली का त्योहार 03 और 04 मार्च को मनाया जा रहा है, लेकिन घरेलू शेयर बाजार में 03 मार्च को ही होली की छुट्टी घोषित की गई है।

बीएसई और एनएसई की ओर से जारी किए गए एनुअल हॉलीडे कैलेंडर के अनुसार होली की छुट्टी की वजह से आज ट्रेडिंग नहीं होगी। कमोडिटी मार्केट की बात करें तो मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सुबह के सत्र में कोई कारोबार नहीं होगा, लेकिन शाम के सत्र में सामान्य कारोबार होगा। यानी शाम 5 बजे से लेकर रात 11 बजे तक अन्य दिनों की तरह एमसीएक्स पर ट्रेडिंग होगी।

स्टॉक एक्सचेंज के हॉलीडे कैलेंडर के अनुसार मार्च के महीने में शनिवार और रविवार की साप्ताहिक छुट्टी के अलावा तीन अतिरिक्त दिन की छुट्टी रहने वाली है। आज की छुट्टी के बाद 26 मार्च को श्रीरामनवमी के अवसर पर स्टॉक मार्केट में छुट्टी रहेगी, जबकि 31 मार्च को महावीर जयंती के कारण शेयर बाजार में छुट्टी रहेगी। यानी साप्ताहिक छुट्टी के अलावा इस महीने कुल तीन ट्रेडिंग हॉलीडे रहने वाले हैं।

स्टॉक एक्सचेंज में साल 2026 के दौरान कुल 16 ट्रेडिंग हॉलीडे का ऐलान किया गया है। इन 16 छुट्टियों में से जनवरी में दो छुट्टियां हो चुकी हैं। मार्च में तीन दिन ट्रेडिंग हॉलीडे रहने वाला है, जबकि अप्रैल के महीने में तीन तारीख को गुड फ्राइडे और 14 तारीख को डॉक्टर अंबेडकर जयंती की छुट्टी रहेगी। इसके बाद मई के महीने में 1 तारीख को महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर शेयर बाजार में ट्रेडिंग हॉलीडे रहेगा, जबकि 28 तारीख को बकरीद के कारण स्टॉक मार्केट में छुट्टी रहेगी। इसके अगले महीने 26 जून को मोहर्रम के कारण स्टॉक मार्केट बंद रहेगा।

इसके बाद जुलाई और अगस्त में कोई ट्रेडिंग हॉलीडे नहीं रहने वाला है। अगस्त के महीने में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त की भी छुट्टी होती है, लेकिन इस साल शनिवार के दिन 15 अगस्त पड़ने की वजह से ट्रेडिंग हॉलीडे की जगह वीकली हॉलीडे रहेगा। सितंबर के महीने में 14 तारीख को गणेश चतुर्थी की छुट्टी रहेगी। इसके बाद अक्टूबर के महीने में 2 तारीख को गांधी जयंती और 20 अक्टूबर को दशहरा के कारण ट्रेडिंग हॉलीडे रहेगा नवंबर के महीने में भी दो दिन का ट्रेडिंग हॉलीडे रहेगा। इस महीने 10 नवंबर को दिवाली की छुट्टी रहेगी, जबकि 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती के अवसर पर स्टॉक मार्केट बंद रहेगा। साल का आखिरी ट्रेडिंग हॉलीडे 25 दिसंबर को क्रिसमस के अवसर पर रहेगा।

लखीमपुर खीरी के महेशपुर वन रेंज में 2.5 करोड़ रुपये की लागत से हो रहा विकास कार्य

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में महेशपुर वन रेंज को ईको-टूरिज्म के नए आकर्षण केंद्र के तौर पर विकसित किया जा रहा है। इस दिशा में यूपी ईको टूरिज्म विकास बोर्ड 2.5 करोड़ रुपये की लागत से महेशपुर वन रेंज में विभिन्न पर्यटन सुविधाओं का विकास करा रहा है। ये प्रयास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सस्टेनेबल टूरिज्म के विजन के मुताबिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ प्रदेश में स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती, रोजगार सृजन और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देंगे। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि लखीमपुर खीरी के दुधवा नेशनल पार्क के बफर क्षेत्र में स्थित महेशपुर वन रेंज में ईको टूरिज्म सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इस क्षेत्र में प्रवेश द्वार, कॉटेज ब्लॉक, शौचालय ब्लॉक, पेयजल पॉइंट, इंटरलॉकिंग पाथवे, साइनेज, बेंच और ट्री सीटिंग जैसी आधारभूत सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही पर्यटकों के आकर्षण के लिए थ्री डी म्यूरल, गजेबो या गोल हट, बच्चों का खेल क्षेत्र, सेल्फी पॉइंट के साथ लाइफ-साइज एनिमल फिगरिन केज भी बनाये जा रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए वन रेंज में सोलर लाइट्स, वर्षा जल संचयन प्रणाली और सबमर्सिबल बोरिंग, ट्यूबवेल जैसी सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं। ये सभी विकास कार्य पर्यटकों को प्रकृति के करीब लाते हुए सुरक्षित, रोमांचक और यादगार अनुभव प्रदान करेंगे। यह परियोजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सस्टेनेबल टूरिज्म विजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके तहत नेशनल पार्कों और वन्यजीव अभयारण्यों के बफर जोन में भी ईको-टूरिज्म गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे सफारी सीजन के अलावा बारिश के मौसम में भी पर्यटक प्रकृति का आनंद ले सकेंगे। यूपी ईको टूरिज्म विकास बोर्ड पहले से ही महेशपुर वन रेंज के चंदन चौकी क्षेत्र में ईको-लॉज और कैंपिंग साइट्स का संचालन कर रहा है। पर्यटकों को क्षेत्र की थारू जनजाति के परंपरिक हस्तशिल्प और स्थानीय व्यंजनों का लुत्फ भी प्रदान किया जा रहा है। जनजातीय समुदाय के युवाओं को नेचर गाइड का प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराये जा रहे हैं। इसके अलावा, लखीमपुर में ही शारदा बैराज और आसपास के क्षेत्रों को भी पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। दुधवा नेशनल पार्क में भी इंटरप्रिटेशन सेंटर, कैंप ऑफिस का अपग्रेडेशन और गार्डन बेंच, डस्टबिन और साइनेज जैसे कार्य भी प्रगति पर हैं। यूपी ईको टूरिज्म बोर्ड के ये प्रयास प्रदेश में रोजगार सृजन और स्थानीय संस्कृति और जैव विविधता संरक्षण की दिशा में भी उल्लेखनीय भूमिका निभा रहे हैं।

किसी की इच्छा के विरुद्ध रंग न लगाएं : डीजीपी

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने समस्त प्रदेशवासियों एवं उत्तर प्रदेश पुलिस परिवार को होली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि होली के उत्सव को सुरक्षित, मर्यादित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं। प्राकृतिक एवं सुरक्षित रंगों का ही प्रयोग करें, किसी की इच्छा के विरुद्ध रंग न लगाएं, यातायात नियमों का पूर्ण पालन करें तथा संयम, जिम्मेदारी और आपसी सम्मान के साथ पर्व का आनंद लें। उत्तर प्रदेश पुलिस आपके सुरक्षित और शांतिपूर्ण उत्सव के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए प्रदेश में प्रर्याप्त मात्रा में पुलिस बल तैनात किया गया है।

रोडवेज बस और बाइक की टक्कर में युवक की मौत

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ । मदेयगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर को एक रोडवेज बस ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइकसवार युवक की मौत हो गई। घटना के बाद चालक बस लेकर भाग निकला। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना प्रभारी अंजनी सिंह ने बताया कि सीतापुर रोड शिया पीजी कॉलेज के सामने एक रोडवेज बस ने बाइक सवार को टक्कर मार दी।

घटना में बाइक चालक बाजारखाला थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर निवासी मोहम्मद कमरूज्जमा (35) घायल हो गये। वहीं, चालक बस को लेकर मौके से भाग निकला। इस बीच सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेज दिया और अज्ञात बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरु कर दी है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से रायबरेली की मनीषा उद्यमी बन हुई आत्मनिर्भर, उपलब्ध करा रही रोजगार

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से मिला लोन, खुद सशक्त बनीं और पांच अन्य लोगों को दिया रोजगार

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के रायबरेली की रहने वाली मनीषा रावत की जिंदगी में डबल इंजन की सरकार ने नए रंग भर दिए। मनीषा ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के माध्यम से ऋण प्राप्त कर चॉकलेट बनाने का अपना व्यवसाय शुरू किया, जिसमें योगी सरकार की महिला सशक्तिकरण नीति के तहत स्थानीय प्रशासन ने सहयोग के साथ-साथ उन्हें उचित मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया। इस पहल ने मनीषा की जिंदगी की दिशा बदल दी और वह आज पूरी तरह आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। अब वह न केवल स्वयं सम्मानजनक आमदनी कर रही हैं, बल्कि पांच अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करा रही हैं। मनीषा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपना प्रेरणास्रोत मानती हैं।

मनीषा रावत ने वर्ष 2023 में हैंडमेड चॉकलेट बनाने का छोटा व्यवसाय शुरू किया था। बाजार में उनके हैंडमेड चॉकलेट व बेकरी उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ने लगी, जिसके लिए उन्हें अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता हुई। पहले वह यह काम घर से ही करती थीं, लेकिन बढ़ती मांग को देखते हुए उन्होंने अपनी केक और चॉकलेट की शॉप खोलने का निर्णय किया। लेकिन, गारंटी व मॉरगेज जैसी कई अड़चनें सामने थीं। अक्टूबर 2024 में उन्हें प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के बारे में पता चला। इसके बाद उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के मैनेजर अर्जुन निगम ने उन्हें योजना के लाभ व पात्रता आदि की विस्तृत जानकारी दी। उन्हें बिजनेस मॉडल की बारीकियां भी समझाई गईं। आवश्यक दस्तावेज तैयार कर डीआईसी कार्यालय में जमा करने के 20 दिनों के भीतर ही उन्हें 09 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हो गया। लोन स्वीकृत होते ही मनीषा ने अपने कारोबार का विस्तार किया। बढ़ते व्यवसाय की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्होंने स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार देना शुरू किया और आज 05 लोगों को नियमित रोजगार प्रदान कर रही हैं। पहले वह परिवार पर निर्भर थीं, लेकिन अब एक सफल महिला उद्यमी के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। उनका चॉकलेट व्यवसाय अच्छी तरह चल रहा है और इसका श्रेय वह अधिकारियों के प्रोत्साहन व इस योजना को देती हैं। उन्होंने अन्य लोगों को भी इस योजना के प्रति जागरूक किया है।

डबल इंजन की सरकार युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार की ओर प्रेरित करने के लिए अनेक योजनाएं चला रही है, जिनमें प्रधानमंत्री मुद्रा योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह केवल ऋण योजना नहीं, बल्कि छोटे व्यापारियों और घरेलू उद्योगों के लिए व्यवसाय शुरू करने का प्रभावी माध्यम है। मनीषा बताती हैं कि इस योजना के तहत मिले ऋण की ब्याज दर कम है और गारंटर की आवश्यकता भी नहीं होती, जिससे उन्हें किस्त चुकाने में सुविधा हो रही है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने पर अप्रैल माह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर से 48 सफल उद्यमियों को अपने आवास पर आमंत्रित किया था, जिनमें रायबरेली की मनीषा रावत भी शामिल थीं। इस मुलाकात को याद करते हुए वह कहती हैं कि वह पीएम मोदी व सीएम योगी आदित्यनाथ को अपना प्रेरणास्रोत मानती हैं और युवाओं के लिए सच्चा मार्गदर्शक मानती हैं।

मथुरा में युवक की गोली मारकर हत्याः युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में लगाई फांसी

मथुरा। थाना नौहझील क्षेत्र में मंगलवार युवक की हत्या और नाबालिग युवती द्वारा संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या करने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। युवक की हत्या का आरोप युवती के भाई पर लगा है। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच में जुट गई है। वहीं परिजनों का आरोप है कि मृतक युवक उनकी लड़की को कई दिन से परेशान कर रहा था।

नौहझील क्षेत्र के सुहागपुर गांव में हुई इस वारदात में मृतक युवक और आत्महत्या का प्रयास करने वाली युवती दोनों एक ही गांव के हैं। युवक की उम्र 30 वर्ष है। जबकि युवती नाबालिग है और उसकी उम्र 15 वर्ष है। बताया जा रहा है कि मृतक युवक ट्रक चलाता था और 4 दिन पहले ही छुट्टी पर आया था।

भाई ने स्टेट्स पर लगाया फोटोआरोप है कि सुहागपुर के रहने वाले अर्जुन को नाबालिग युवती के भाई हर्ष उर्फ भोला ने मंगलवार को बुलाया। अर्जुन जब हर्ष के पास पहुँचा तो हर्ष ने सीने पर गोली मार दी। गोली लगने पर अर्जुन घर की तरफ भागने लगा तो घर से करीब 50 मीटर की दूरी पर दुबारा गोली मार दी और गोली मारने के बाद आरोपित ने स्टेटस पर एक फोटो लगाया जिसमें वह दोनों हाथों में तमंचे लिए दिखाई दिया। घर पर फांसी पर लटकी मिली युवतीअर्जुन की हत्या के बाद जब हर्ष घर पहुंचा तो वहां उसकी बहन संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटकी मिली। इसके बाद उसे तत्काल फंदे से उतारा और इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया। जहां उसकी हालत गंभीर होने पर उसे इलाज के लिए आगरा रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि इंस्टाग्राम पर बात करती थी। इसी को लेकर विवाद हुआ है। परिजन बोले, बेटी ने लगाई पहले फांसीजिला अस्पताल पहुंची युवती की मां ने बताया कि अर्जुन पिछले 4 दिन से उनकी लड़की को परेशान कर रहा था। 9 वीं में पढ़ने वाली बेटी उस दिन से स्कूल नहीं जा रही थी। मंगलवार को वह अपनी बेटी के साथ खेत से आ रही थी इसी दौरान अर्जुन बाइक से आया और छेड़खानी करने लगा। इससे परेशान होकर उनकी बेटी ने घर में आकर फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया।

पत्नी के चरित्र पर शक, पति ने चाकू से गोदकर मार डाला

गाजियाबाद। जनपद गाजियाबाद मे स्थित अंकुर विहार थाना क्षेत्र के डीएलएफ एमएम रोड के पास रहने वाले पेंटर घनश्याम ने अपनी पत्नी मीनू (50) की मंगलवार शाम करीब 3 बजे चाकू से गोदकर हत्या कर दी। मां को बचाने आई छोटी बेटी हिमांशी पर भी पिता ने चाकू से वार कर दिया। आस-पास के लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल बेटी को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। मृतका के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया।

मूल रूप से राजस्थान की रहने वाली मीनू अपने पति घनश्याम, बड़ी बेटी भावना, छोटी बेटी हिमांशी और बेटे दिवांग के साथ अंकुर विहार थाना क्षेत्र के डीएलएफ एमएम रोड स्थित एक फ्लैट में रहती थी। अंकुर विहार एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से दोपहर करीब 3:30 बजे सूचना मिली कि घनश्याम ने अपनी पत्नी मीनू पर चाकू से हमला कर दिया है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि मीनू और उसकी बेटी हिमांशी खून से लथपथ जमीन पर पड़े थे। पुलिस ने दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टर ने उपचार के दौरान मीनू को मृत घोषित कर दिया। हालत गंभीर होने पर हिमांशी को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में रेफर किया गया है।

उन्होंने बताया कि घटना के बाद से घनश्याम मौके से फरार हो गया। घटना के दौरान मीनू की बड़ी बेटी जो दिल्ली के बुराड़ी में नौकरी करती है, वह काम पर गई हुई थी। घर पर छोटी बेटी हिमांशी और बेटा था। एसीपी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि घनश्याम अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करता था। इसको लेकर दोनों में विवाद होता था। घनश्याम की गिरफ्तारी के बाद सही कारण का पता चलेगा। पुलिस की टीम घनश्याम की तलाश कर रही है।

खंडग्रास चंद्रग्रहण के चलते दशाश्वमेध घाट पर एक घंटे देर से हुई विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती

गंगा आरती के 35 वर्षों में छठवीं बार समय बदला

वाराणसी । फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर मंगलवार को खंडग्रास चंद्रग्रहण के चलते दशाश्वमेध घाट पर गंगा सेवा निधि की विश्वप्रसिद्ध गंगा आरती निर्धारित समय से एक घंटे देर से शुरू हुई। समय में हुए बदलाव के कारण गंगा आरती देखने आए हजारों श्रद्धालु गंगाघाट पर बैठे ग्रहण के मोक्षकाल का इंतजार करते रहे।

मां गंगा की दैनिक आरती शाम 7:30 बजे से अपने पूरे परम्परागत रूप में सम्पन्न हुई। गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष सुशांत मिश्रा ने बताया कि खंडग्रास चंद्रग्रहण की वजह से दशाश्वमेध घाट पर विश्वविख्यात मां गंगा की आरती के समय में बदलाव किया गया। चंद्रग्रहण के कारण मां गंगा की दैनिक आरती शाम 6:15 की जगह शाम 7:30 बजे से प्रारम्भ हुई । भारतीय समयानुसार चंद्र ग्रहण दोपहर 3 बजकर 20 मिनट पर शुरू हुआ और शाम को 6 बजकर 47 मिनट पर इसका समापन हुआ। इसको देखते हुए समय में बदलाव किया गया था। इसके पहले पिछले साल 2025 में चंद्र ग्रहण के कारण 07 सितम्बर को मां गंगा की दैनिक आरती दोपहर 12 बजे सम्पन्न कराई गई थी। 35 वर्षों में छठवीं बार समय में बदलाव हुआ। इसके पहले 28 अक्टूबर 2023, 16 जुलाई 2019, 27 जुलाई 2018 और 7 अगस्त 2017 में मां गंगा की आरती ग्रहण के कारण दिन में हुई थी। उधर,अस्सीघाट पर आयोजित होने वाली नियमित गंगा आरती भी चंद्रग्रहण के चलते लगभग एक घंटे विलम्ब से हुई। आरती में गंगा आरती कराने वाली संस्था की ओर से गंगा आरती देखने वाले श्रद्धालुओं के उपर गुलाल की बारिश की गई। इसको लेकर श्रद्धालु भी आह्लादित दिखे।

योगी सरकार की राजस्व संग्रह में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी राज्य कर विभाग ने हासिल की उपलब्धि

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। योगी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में राजस्व संग्रह के क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। इसी क्रम में राज्य कर विभाग ने फरवरी माह में नौ हजार 731 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 352 करोड़ रुपये अधिक है। वहीं चालू वित्तीय वर्ष में अब तक कुल एक लाख तीन हजार 779 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया गया है, जो बीते वर्ष की समान अवधि से 402 करोड़ रुपये ज्यादा है। योगी सरकार द्वारा जीएसटी दरों के युक्तिकरण, कर प्रणाली के सरलीकरण और तकनीक आधारित पारदर्शी व्यवस्था से राजस्व में वृद्धि हुई है। राज्य कर विभाग ने जीएसटी 2.0 के तहत दरों के युक्तिकरण और प्रक्रियाओं के सरलीकरण पर विशेष ध्यान दिया। ई-इनवॉइस, ई-वे बिल और ऑनलाइन रिटर्न फाइलिंग प्रणाली को मजबूत कर करदाताओं के लिए अनुपालन को आसान बनाया गया है। इससे कर चोरी पर अंकुश लगाने के साथ-साथ स्वैच्छिक कर भुगतान को भी प्रोत्साहन मिला। प्रदेश के सभी 75 जनपदों में व्यापारी संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 10 हजार से अधिक व्यापारियों ने भाग लिया। इन कार्यक्रमों में जीएसटी सुधार, रिटर्न फाइलिंग, ई-इनवॉइस और ई-वे बिल जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यालय स्तर पर जीएसटी हितधारकों और विभिन्न व्यापारिक संगठनों के साथ भी बैठकें की गईं। इसके अतिरिक्त जोन स्तर पर अधिकारियों और व्यापारिक प्रतिनिधियों के बीच समन्वय बैठकें आयोजित कर समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया गया। राज्य कर विभाग ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित रिटर्न स्क्रूटनी प्रणाली लागू की। इसके तहत 1.59 लाख करदाताओं के 48 हजार करोड़ रुपये से अधिक के लेनदेन सम्बंधी डेटा का विश्लेषण किया गया। अधिकारियों के लॉगिन पर यह डाटा उपलब्ध कराया गया, जिससे संदिग्ध मामलों की पहचान और त्वरित कार्रवाई संभव हो सकी। न्यायिक आदेशों के अनुपालन और समीक्षा की प्रक्रिया को भी डिजिटल माध्यम से पायलट आधार पर शुरू किया गया है। इससे पारदर्शिता बढ़ी और मानव हस्तक्षेप की संभावना कम हुई। राजस्व हानि रोकने के लिए बोगस फर्मों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया गया। विभाग ने 2,166 करोड़ रुपये की फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) गड़बड़ी का खुलासा किया। इस मामले में कुल 345 एफआईआर दर्ज की गईं, जिनमें 228 केंद्रीय स्तर और 117 राज्य स्तर की कार्रवाई शामिल है। इसके अलावा 86 आरोपितों की गिरफ्तारी की गई तथा 137 करोड़ रुपये की आईटीसी को ब्लॉक किया गया। प्रवर्तन और विशेष अन्वेषण इकाइयों की सक्रियता के चलते अब तक एक हजार 642 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि जमा कराई गई है। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि राज्य कर विभाग ने बकाया वसूली में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। जीएसटी के तहत दो हजार 406 करोड़ रुपये और वैट के तहत 711 करोड़ रुपये की वसूली की गई है। कुल मिलाकर तीन हजार 117 करोड़ रुपये की वसूली हुई, जो पिछले वर्ष की तुलना में एक हजार 939 करोड़ रुपये अधिक है। ईंट-भट्ठा कारोबार से जुड़े करदाताओं के साथ भी उच्चस्तरीय बैठकें आयोजित की गईं। जनवरी 2026 में इस क्षेत्र से 47.62 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जो दिसम्बर माह की तुलना में दोगुने से अधिक है। वहीं राज्य कर विभाग ने अधिकारियों के लिए दक्षता संवर्धन कार्यक्रम भी चलाए हैं। वर्ष 2025-26 में विभिन्न विषयों जैसे न्याय निर्णय, टैक्स ऑडिट और प्रवर्तन पर 55 सत्र आयोजित किए गए, जिनमें एक हजार 424 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। योगी सरकार की पारदर्शिता, तकनीकी नवाचार, सख्त प्रवर्तन और संवाद आधारित नीति के समन्वय से राज्य कर विभाग ने उल्लेखनीय परिणाम हासिल किए।

आप सभी को
होली
की हार्दिक शुभकामनायें

होली के पावन पर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं
नवल किशोर संस राइस मिल
घुंघचाई रोड पूरनपुर
हर्ष गुप्ता (पूर्व अध्यक्ष)
राइस मिलर्स एसोसिएशन, पूरनपुर
राहुल (राजू) सरल गुप्ता

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
जय अम्बे राइस मिल
माधौटांडा रोड पूरनपुर
फोन: 262088
262109
उच्च कोटि के चावल निर्माता
सुरेश अग्रवाल
मो. 9412297249
साहिल अग्रवाल
मो. 9412297248

आप सभी को होली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
गुप्ता मिष्ठान भण्डार
स्टेशन रोड पूरनपुर
प्रो. संजीव गुप्ता
रितिश गुप्ता उर्फ रिक्की
उच्च क्वालिटी के मिष्ठान विक्रेता

होली पर्व की सभी क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
राधामाधव इण्डस्ट्रीज
आसाम रोड, पूरनपुर
उच्च क्वालिटी के चावल निर्माता
हरविन्दर सिंह
रीतेश गुप्ता

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
गणपति राइस इण्डस्ट्रीज
बण्डा रोड, पूरनपुर
आलोक सिंघल
विनय गुप्ता

सभी जनपद वासियों को होली की हार्दिक शुभकामनायें
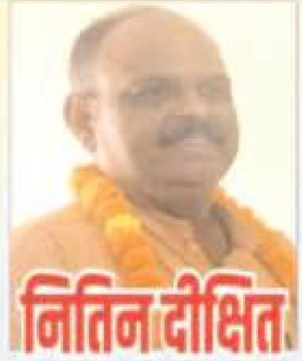
नितिन दीक्षित
अध्यक्ष सहकारी गन्ना विकास परिषद पूरनपुर

रजनीश पाण्डेय
क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य, भाजपा (उ.प्र.)

सभी जनपद वासियों को होली
Happy Holi
की हार्दिक शुभकामनाएँ
मोहित अग्रवाल
रोहित अग्रवाल
गर्ग राइस मिल
बण्डा रोड, पूरनपुर

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
ओम राइस इण्डस्ट्रीज
बण्डा रोड, पूरनपुर
राजीव गुप्ता
नवीन गुप्ता

होली के पावन पर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं
के.टी. इंडस्ट्रीज
पीलीभीत रोड, पूरनपुर
राईस मिल एसोसिएशन पूरनपुर
स्व. श्याम किशोर गुप्ता
पूर्व सभापति
मंडी समिति पूरनपुर
ब्रजेश गुप्ता
अध्यक्ष

होली पर्व की सभी क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं
मनोज कुमार गुप्ता
उर्फ सोना
समाजसेवी/व्यापार नेता, पूरनपुर

WE WISH YOU A HAPPY HOLI
SHYAM BABA INDUSTRIES
Manufacturer of High Quality Rice
Mujaffarnagar, Assam Road, Puranpur
PRO.
RAJENDRA KHANDELWAL
AKASH KHANDELWAL
DINESH KHANDELWAL

सभी जनपद वासियों को होली की हार्दिक शुभकामनायें
HAPPY होली
अग्रवाल इण्डस्ट्रीज राज एग्रो
उच्चकोटि के चावल निर्माता
राजकुमार अग्रवाल
सचिन अग्रवाल 'रिंकू'

HAPPY होली
सभी जनपद वासियों को होली
की हार्दिक शुभकामनाएँ
मै. देवेश कुमार गंगवार
प्रो. हरिओम गंगवार (ठेकेदार)
खाद्य एवं रसद विभाग पूरनपुर

होली के पावन पर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं
महाशक्तिशाली सोनालिका
इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स
सोनालिका ट्रैक्टर्स, पूरनपुर
अधिकृत विक्रेता सोनालिका
बलवीर मशीनरी स्टोर
कोतवाली रोड, पूरनपुर
प्रो. हरदीप सिंह

सभी देश वासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं

मेडिकेयर हॉस्पिटल
डा. अंशू अग्रवाल
डा. शिवानी के. अग्रवाल
डा. सूरज सिंह

हमारे यहाँ आयुष्मान से सभी प्रकार के मुफ्त आपरेशन/भर्ती की सुविधा उपलब्ध है।

क्रिटीकल केयर विभाग
- गम्भीर रोग विशेषज्ञ
- जहर खायें मरीजों का सफल इलाज
- हार्ट स्पेशलिस्ट
- सांस की समस्या सफल इलाज
- डेंगू, मलेरिया, पीलीया का सफल इलाज
- फैटी लिवर का सफल इलाज
- किडनी एवं डायबीटिज का सफल इलाज
- माइग्रेन का सफल इलाज

नेत्र विभाग
- मोतियाबिन्द की अब तक 5000+ सफल सर्जरी फेको विधि द्वारा आँखों के ऑपरेशन
- मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
- नाखूना का ऑपरेशन
- नासूर का ऑपरेशन
- पलक बंदी का ऑपरेशन

सर्जरी रोग विभाग
- बच्चेदानी का ऑपरेशन
- हर्निया, हाइड्रोसील का ऑपरेशन
- ब्रेस्ट लैम्प का सफल ऑपरेशन
- अपैनडिक्स का सफल ऑपरेशन
- गुर्दे एवं पित्त की थैली में पथरी का दूरबीन द्वारा सफल आपरेशन

आई.सी.यू. एवं वेन्टीलेटर की सुविधा उपलब्ध है।
डायबीटिज एवं हृदय रोगियों का विशेष केयर यूनिट
मरीज को एम्बुलेंस से लाने व ले जाने की फ्री सुविधा

पं. राजेन्द्र प्रसाद स्मारक कॉलेज ऑफ फार्मेसी
2025 ADMISSION OPEN
B.Pharm | D.Pharm Courses Available
Call to : 9548012113, 8882912291
ग्राम कजरी निरंजनपुर, पूरनपुर (पीलीभीत)

अमित मिश्रा
चेयरमैन
8467033505

जागरण मोर्चा राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वामी, किरन दीक्षित के लिए प्रकाशक, मुद्रक, मनोज कुमार दीक्षित द्वारा लक्ष्य प्रिन्टर्स 158/4 भानमती चौराहा मॉडल हाउस हुसैनगंज लखनऊ, (उ0प्र0) से मुद्रित एवं मीडिया हाउस 20ए शिवाजीमार्ग हुसैनगंज लखनऊ, (उ0प्र0) से प्रकाशित। सम्पादक योगेश कुमार वर्मा मो0- 7579849555,9627739857 E-mail: www.jagranmorchadaily@gmail.com RNI.No.-UPHIN/2022/82743 समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।